खण्ड-02 सत्र-02 (भाग-01) / अंक-15

बुधवार 18 नवम्बर, 2015 / 27 कार्तिक, 1937 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

छठी विधान सभा

द्वितीय सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-02 (भाग-01) में अंक 15 से अंक 25 तक सम्मिलित हैं)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

प्रसन्ना कुमार सूर्यदेवरा

सचिव

PRASANNA KUMAR SURYADEVARA

Secretary

एम.एस. रावत

उप-सचिव (सम्पादन)

M.S. RAWAT

Deputy Secretary (Editting)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

l=&2 Hkkx ¼1½ c/kokj] 18 uoEcj] 2015@27 dkfrZd 1937 vad&15

दिल्ली विधान सभा

सदन अपराह्न 2:00 बजे आरम्भ हुआ।

माननीय अध्यक्ष महोदय **(श्री राम निवास गोयल)** *पीठासीन हुए।*

सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए :

1 श्री शरद कुमार
2 श्री संजीव झा
3 श्री पंकज पुष्कर
4 श्री पवन कुमार शर्मा
5 श्री अजेश यादव
6 श्री महेन्द्र गोयल
7 श्री वेद प्रकाश
8 श्री सुखवीर सिंह दलाल
9 श्री ऋतुराज गोविन्द
10 श्री रघुविंद्र शौकीन
11 सुश्री राखी बिड़ला
12 श्री विजेन्द्र गुप्ता
13 श्री जितेन्द्र सिंह तोमर
14 श्री राजेश गुप्ता
15 श्री अखिलेश पति त्रिपाठी
16 श्री सोमदत्त
17 सुश्री अलका लाम्बा
18 श्री आसिम अहमद खान

19 श्री विशेष रवि
20 श्री हजारी लाल चौहान
21 श्री शिव चरण गोयल
22 श्री गिरीश सोनी
23 श्री जरनैल सिंह (राजौरी गार्डन)
24 श्री जरनैल सिंह (तिलक नगर)
25 श्री राजेश ऋषि
26 श्री नरेश बाल्यान
27 श्री आदेश शास्त्री
28 श्री गुलाब सिंह
29 श्री कैलाश गहलोत
30 श्री कर्नल देवेन्द्र सहरावत
31 सुश्री भावना गौड़
32 श्री सुरेन्द्र सिंह
33 श्री विजेन्द्र गर्ग
34 श्री प्रवीण कुमार
35 श्री मदन लाल
36 श्री सोमनाथ भारती
37 श्रीमती प्रमिला टोकस
38 श्री नरेश यादव
39 श्री करतार सिंह तंवर
40 श्री प्रकाश
41 श्री अजय दत्त
42 श्री दिनेश मोहनिया
43 श्री सौरभ भारद्वाज
44 सरदार अवतार सिंह कालकाजी
45 श्री सही राम
46 श्री नारायण दत्त शर्मा
47 श्री राजू धिंगान
48 श्री मनोज कुमार
49 श्री ओम प्रकाश शर्मा
50 श्री एस. के. बग्गा
51 श्री अनिल कुमार बाजपेयी
52 श्री राजेन्द्र पाल गौतम
53 मो. इशराक
54 श्री श्रीदत्त शर्मा
55 चौ. फतेह सिंह
56 श्री जगदीश प्रधान

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

l=&2 Hkkx ¼1½ c/kokj] 18 uoEcj] 2015@27 dkfrZd 1937 ¼'kd½ vad&15

lnu vijkg~u 2%00 cts leosr gqvkA

माननीय अध्यक्ष महोदय ¼Jh jke fuokl xks;y½ *पीठासीन हुए।*

¼jk"Vªh; xhr&oUnsekrje½

v/;{k egksn; % माननीय सदस्यगण, छठी विधान सभा के इस दूसरे सत्र में आप सब का हार्दिक स्वागत है। आशा है, आप सदन की बैठकों के लिए निर्धारित समय का पूर्ण सदुपयोग करते हुए दिल्ली की जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गहन विचार–विमर्श करेंगे तथा शालीनतापूर्वक सदन की कार्यवाही में भाग लेंगे।

दर्शक दीर्घा में बैठे सभी बन्धुओं से मेरी प्रार्थना है कि किसी भी प्रकार की क्लैपिंग, नारेबाजी या हूँटिंग आप नहीं करेंगे। जो भी दर्शक आज पहली बार यहाँ आये हैं, वे इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें।

'kksd lanss'k

माननीय सदस्यगण, जैसा कि आप सभी को विदित है कि दिनाँक 13 नवम्बर, 2015 को पेरिस में आतंकवादियों ने आत्मघाती हमला कर दिया। छः स्थानों पर हुए इस हमले में 132 नागरिक मारे गये तथा लगभग 350 लोग घायल हुए। यह सदन इस आतंकी हमले की घोर निंदा करता है। आतंकी कहर के बावजूद फ्रांस के लोगों का

संयम तथा साहस प्रशंसनीय है। पेरिस में हुआ हमला भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। आतंकवाद से निपटने के लिए विश्व के सभी देशों को एकजुटता दिखानी होगी ताकि इसका दायरा न बढ़े।

मैं अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से इस हमले में शहीद हुए नागरिकों के परिजनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करता हूँ तथा घायल हुए लोगों के प्रति भी संवेदना व्यक्त करता हूँ तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ।

इसके बाद मैं नेता प्रतिपक्ष श्री विजेन्द्र गुप्ता जी से प्रार्थना कर रहा हूँ कि वे संक्षेप में अपनी संवेदना प्रकट करें।

Jh fotsUnz xqIrk % अध्यक्ष महोदय, पेरिस में जिस तरह अमानवीय हत्यायें और वह भी एक ही स्थान पर और अधिकांश लोगों को बांधकर जिस तरह से हत्या की गयी है, 132 लोगों को, जिनका कोई कसूर नहीं था, सामान्य और साधारण लोग थे। आम लोग थे। बिना किसी वाद विवाद के, बिना किसी विषय के एक कोल्ड ब्लेडड योजनाबद्ध हत्यायें और उसका एक ही कारण कि अमानवीयता का संदेश पूरी दुनिया को देना है। हत्यारों ने इस पूरे घटनाचक्र के पश्चात् जिस तरह से क्लेम किया, जिस तरह से सूचनाएं आ रही हैं, पूरे विश्व को इस मामले में सख्त से सख्त कदम जीरो टॉलरेन्स के रूप में लेते हुए मिलजुलकर इसे उठाना चाहिए। आतंकवाद का कोई स्थान इस सभ्य समाज में नहीं होना चाहिए। यह हमारे आज के इस मौके पर भावनाएं हैं और मैं तो कहूंगा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए भी विशेष कदम एक योजनाबद्ध तरीके से उठने चाहिए। मैं मृतकों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। ओम शांति ओम शांति ओम शांति।

v/;{k egkn; % उप मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसौदिया जी।

mi eq[;ea=h ¼Jh euh"k flllkfn;k½ % अध्यक्ष महोदय, ये किसी भी समाज के लिए गहन संवेदना और गहन चिंता का विषय है कि जहाँ पर लोग सुरक्षित महसूस न करें बल्कि परिवार का कोई सदस्य बाजार में गया है, स्कूल में गया है या काम करने गया है और वहां सब को आशंका रहे कि कहीं कोई धमाका न हो जाये, कहीं कोई आतंकवादी हमला न हो जाये और दुनिया में जिस तरह से वारदातें बढ़ रही हैं और पेरिस में जो कुछ हुआ, अभी मैं देख रहा था, थोड़ी देर पहले अभी भी पेरिस में 6 धमाके और हुए हैं। आज सुबह नाइजीरिया में 32 लोग मारे गये। पेरिस में 132 लोग मारे गये। ये कहीं न कहीं पूरी दुनिया में जिन लोगों पर सिस्टम को चलाने की जिम्मेदारी है, वे जो सिस्टम का हिस्सा हैं, सभी के ऊपर इसकी जिम्मेदारी आती है कि हम सब मिलकर कुछ ऐसा करें कि दुनिया में अमन शांति हो ओर कुछ ऐसे ठोस कदम उठाये जा सकें कि पेरिस जैसी घटना की पुनरावृत्ति न हो।

दिल्ली में कनाट प्लेस में बम धमाके हुए, मुम्बई में ताज पर हुआ। हिन्दुस्तान में क्या अब तो बहुत जगहों पर, बनारस और तमाम जगह हमने ऐसी ऐसी चीजें झेली हैं। इस पीड़ा को हम सब समझ सकते हैं। पर साथ साथ ये भी है कि हम सब की जिम्मेदारी है। आज तक कहीं किसी शहर या किसी मुल्क में अगर ऐसी घटना नहीं हुई तो पेरिस के बम धमाके ये संकेत देते हैं कि दुनिया का कोई भी कोना सुरक्षित नहीं है। इसलिए दुनिया के तमाम लोगों को मिलकर इस पर बहुत सोचना पड़ेगा कि इन्सानियत में कहां क्या कमी रह जा रही है कि एक पढ़ा आदमी भी और एक अनपढ़ भी आतंकवादी बनने की ओर बढ़ रहा है। इस ओर भी हमें ध्यान देने की जरूरत है और मैं इस सदन की ओर से जो लोग इन हमलों में मारे गये हैं, चाहे वह नाइजीरिया में हों या पेरिस में हों, ईश्वर से मेरी प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति दे और उनके

परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दे और मेरी ईश्वर से यह भी प्रार्थना है कि दुनिया के तमाम लोगों को इस तरह की भयंकर परिस्थितियों से निपटने के लिए और उनको बदलने की शक्ति दे। ओम शांति।

v/;{k egksn; % अब प्रश्न काल होगा।

Jh fotsUnz xqIrk % अध्यक्ष महोदय, मैं एक और ऑब्युचरी के मामले की ओर सदन को दिलाना चाहता हूँ।

Jh lkseukFk Hkkjrh % अध्यक्ष महोदय, तमिलनाडु में भी दुखद घटना हुई है...

v/;{k egksn; % एक मिनट...एक मिनट थोड़ी गलती हुई है मुझसे। अभी हम सभी आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण करेंगे।...(व्यवधान)

v/;{k egksn; % विजेन्द्र जी ये विषय पूरा हो जाये। ये विषय अलग है। मैं अभी आपकी बात सुनता हूँ।

...(व्यवधान)

Jh lkseukFk Hkkjrh % अध्यक्ष महोदय जो तमिलनाडु में बाढ़ के कारण लोग मारे गये हैं...

Jh fotsUnz xqIrk % ...अध्यक्ष महोदय, सभी मामलों को एक साथ ले लेते हैं।

v/;{k egksn; % सोमनाथ जी का जो विषय आया है, जो दक्षिण मद्रास बाढ़ से जो लगभग सौ लोग मारे गये हैं, और जो कुपवाड़ा में भी एक सैनिक अधिकारी की हत्या हुई है, उन सभी के लिए भी हम सभी दो मिनट का मौन धारण करें।

¼lHkh us viu s vklu ks ls [kM+s gksdj nks feuV dk ekSu /kkj.k fd;k½

v/;{k egkn; % ओम शांति, ओम शांति, ओम शांति।

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष महोदय, एक शोक संवेदना का मामला हमने भी उठाया था। वैचारिक धरातल पर भेदभाव किया जा रहा है सदन में। यह सही प्रथा नहीं है।

v/;{k egkn; % क्या कह रहे हैं आप?

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष महोदय, माननीय स्व. श्री xxx[1] जी के देहांत पर हमने एक शोक संवेदना का प्रस्ताव दिया था और उस पर...(व्यवधान) मैं इसकी कड़े शब्दों में निन्दा करता हूँ। सरकार का ये असहिष्णुता का रवैया है...ऑब्युचरी में राजनीति कर रहे हैं। इस तरह का अपराध हो नहीं सकता। आप ऑब्युचुरी...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % विजेन्द्र जी। विजेन्द्र जी। दो मिनट बैठिए प्लीज।

v/;{k egkn; }kjk O;oLFkk

Jh fotUn xIrk % इस तरह का व्यवहार सर्वथा निन्दनीय है।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % जगदीप जी, दो मिनट बैठिए। अमानतुल्लाह जी आप प्लीज बैठिए।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % मैं अभी रूलिंग दे रहा हूँ। मैं स्वयं रूलिंग दे रहा हूँ।

...(व्यवधान)

---

1. xxx चिह्नित शब्द अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाला गया।

v/;{k egkn; % आप बैठिए दो मिनट मैं अभी रूलिंग दे रहा हूँ।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % अमानतुल्लाह जी, मैं अभी रूलिंग दे रहा हूँ। आप बैठिए।

Jh fotUn xIrk % ये निन्दनीय है। हाइली ऑब्जेक्शनेबल है।

v/;{k egkn; % विजेन्द्र जी, अवतार सिंह जी, जनरैल सिंह जी, जगदीप जी बैठिए।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % जगदीप जी, अमानतुल्लाह जी, आप बैठिए। ये ठीक नहीं है। आप वापस जाइये प्लीज। मैं रिक्वेस्ट कर रहा हूँ। आप अपनी सीट पर वापस जाइये। आप वेल में मत आइये।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % अमानतुल्लाह जी, आप जाइये वहां। जगदीप जी, मैं रूलिंग दे रहा हूँ बैठिए। अमानतुल्लाह जी, मैं रूलिंग दे रहा हूँ।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % अमानतुल्लाह जी, अवतार सिंह जी, दो मिनट रुक जाइये प्लीज। मैं रूलिंग दे रहा हूँ। अवतार जी वेल में मत आइये। मैं बार बार रिक्वेस्ट कर रहा हूँ। अमानतुल्लाह जी सीट पर बैठिए। आप एक सेकेण्ड सीट पर जाइये।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % मुझे रूलिंग तो देने दीजिए। प्लीज विजेन्द्र जी। एक

सेकेण्ड। आप बोल रहे हैं, तो वे भी बोलेंगे। मैं इनको रोक रहा हूँ। मैंने आपको नहीं रोका। मैं उनको रोक रहा हूँ।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % जगदीप जी, अमानतुल्लाह जी, प्लीज, मैं रूलिंग दे रहा हूँ। अमानतुल्लाह जी आप सीट पर बैठिए प्लीज।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % मैं रिक्वेस्ट कर रहा हूँ। नितिन जी। ओम प्रकाश जी, एक बार रुकिए। अमानतुल्लाह जी, विजेन्द्र जी, मेरा इस पर ये कहना है कि xxx[1] का स्वर्गवास हुआ, बात ठीक है, दुख है, दर्द है सभी को। लेकिन वे इस सदन के सदस्य नहीं थे। मेरी पूरी बात सुन लीजिए। नहीं ऐसा नहीं, ओम प्रकाश जी, पूरी बात सुन लीजिए। न वे किसी सरकारी पद पर रहे हैं, न कभी लोकसभा के... जो परम्परा रही है, मैं वह बता रहा हूँ। वह न लोकसभा के सदस्य रहे हैं और न राज्यसभा के। किसी सदन के सदस्य नहीं रहे हैं। एक बात। दूसरी बात जो ओमप्रकाश जी आप कह रहे हैं।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % किसका चित्र लगा हुआ है आप एक मिनट रुक जाइये। उन्होंने बहुत गलत ऑब्जेक्शन किया है। दो मिनट सोमनाथ जी रुक जाइये।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % दो मिनट रुक जाइये।

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष महोदय, यहां सदन में जिनके भी चित्र लगे हुए

1. xxx चिह्नित शब्द अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाला गया।

हैं अधिकांश इस सदन के सदस्य नहीं हैं। लेकिन वे राज पुरुष है, महान पुरुष हैं। महान आत्माएं हैं।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % एक सेकेण्ड विजेन्द्र जी, अमानतुल्लाह जी, वे बस क्रान्तिकारी हैं जिनके चित्र लगे हुए हैं, वे क्रान्तिकारी हैं सबके सब। और जितने भी हैं।

...(व्यवधान)

Jh fotsUnz xqIrk % आप श्रद्धांजलि देने गए हैं न।

v/;{k egkn; % वो मेरा व्यक्तिगत मामला है। वो मेरा व्यक्तिगत मामला है।

Jh fotsUnz xqIrk % हम कड़े शब्दों में सदन के इस व्यवहार की निन्दा करते हैं और असहिष्णुता का इससे बड़ा उदाहरण और कोई हो नहीं सकता।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % ओम प्रकाश जी, अमानतुल्लाह जी बैठिए। ओम प्रकाश जी, बैठ जाइये प्लीज। आप एक बार बैठिए और फिर बैठकर बताइये कि क्या कहना चाहते हैं। अमानतुल्लाह जी बैठिए। वो विषय खत्म हो गया।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % देखिए मैं ये कहना चाहता हूँ। अमानतुल्लाह जी, दो मिनट बैठिए। विजेन्द्र जी, मेरी बात सुन लीजिए। ओम प्रकाश जी।

...(व्यवधान)

v/;{k egksn; % ओम प्रकाश जी, ये भाषा ठीक नहीं है। मैं ये कहना चाहता हूँ कि किसी भी कन्ट्रोवर्सियल विषय पर...

...(व्यवधान)

v/;{k egksn; % ओम प्रकाश जी, किसी कन्ट्रोवर्सियल विषय पर... ये विषय है नहीं तो दिक्कत होगी। ये शब्द वापस निकाल दिये जायें। अमानतुल्लाह जी, बैठिए प्लीज।

...(व्यवधान)

v/;{k egksn; % ओम प्रकाश जी कोई भी कन्ट्रोवर्सियल विषय लायें। नहीं जगदीप जी ऐसे नहीं। नहीं ऐसे नहीं चलेगा।

v/;{k egksn; % जगदीप जी, ऐसे नहीं चलेगा। कोई भी कन्ट्रोवर्सियल ...(व्यवधान)। जगदीप जी, ऐसे नहीं, आप सीनियर मैम्बर हैं। ओम प्रकाश जी, आप बैठिये। अमानतुल्लाह जी, आप बैठिये। ओम प्रकाश जी, बैठिये। यह भाषा सदन की नहीं है। जगदीप जी, आप बैठिए। ओम प्रकाश जी, बैठिये। आपने गुंडा शब्द का पहले इस्तेमाल किया है। आप जरा बैठिये। जगदीश जी, बैठिये। अमानतुल्लाह जी, प्लीज बैठिये। देखिये, मेरा यह कहना है, कर्नल सहरावत जी, बैठिये। मेरा यह कहना है कि कोई भी कन्ट्रोवर्सियल विषय जब आएगा, उस पर विचारों का इधर से उधर से आदान प्रदान होगा। ओम प्रकाश जी, मैं अपनी बात पूरी कर लूं, बीच में मत टोकिये। मेरी यह प्रार्थना है ऐसे विषयों को कहां लाना चाहिए, कहां नहीं इसका हमको ध्यान रखना चाहिए। एक विषय विजेन्द्र जी ने उठाया कि मैं आज श्रद्धांजलि...(व्यवधान)

Jh vekurqYykg [kku % xxxx[1] जी का नाम हटा दिया जाये।

---

1. xxxx चिह्नित शब्द अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाला गया।

v/;{k egkn; % अमानतुल्लाह जी, वो हटा दिया, कर दिया ना जी। विजेन्द्र जी, ऐसा है, यह विषय आपने खुद उठाया, हम लोग शादी–विवाह में व्यक्तिगत तौर पर चाहे किसी भी पार्टी से संबंध रखते हो, निरन्तर आते रहे हैं, जाते रहे हैं और यही भारतीय संस्कृति की परंपरा है। आपने यह विषय जो उठाया है कि मैं आज श्रद्धांजलि ...(व्यवधान)

Jh fotUn xIrk % ओबिच्युरी में कोई पोलिटिक्स नहीं होनी चाहिए।

v/;{k egkn; % नहीं, पोलिटिक्स नहीं होनी चाहिए।

Jh fotUn xIrk % वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, वैचारिक दृष्टिकोण से ...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % मैंने कहा ना। मैं अब भी कह रहा हूँ।

Jh fotUn xIrk % लेकिन इस तरह की भाषा का प्रयोग करना अमर्यादित है, गैर जिम्मेदाराना है और असहिष्णुता का सबसे बड़ा उदाहरण आज आम आदमी पार्टी ने दिया है, इस पर हमारा विरोध है...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % विजेन्द्र जी, मैं आपको आगाह कर रहा हूँ, एक सैकेंड। जगदीप जी, मेरी बात सुन लीजिए प्लीज। अब कोई विधायक नहीं बोलेगा। जगदीप जी, आप बैठिये प्लीज। अब नहीं। मेरा यह कहना है, मैंने पहले भी कहा कि सदन में हमेशा परंपराएं रही हैं, कोई भी सरकारी व्यक्तित्व रहा है, मैम्बर ऑफ पार्लियामेंट रहा है, सांसद रहा है, किसी का उच्चतम व्यक्तित्व निखर कर आया है, उनको सदन श्रद्धांजलियां देता रहा है और दी है...(व्यवधान)

Jh vke idk'k 'kek % xxxx[1]

---

1. xxxx चिह्नित शब्द अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाला गया।

v/;{k egkn; % वो किसी सरकारी पद पर नहीं रहे हैं। ओम प्रकाश जी यह विषय आपका गलत है। यह आप सदन की परंपरा उठा कर देख लीजिए।

Jh fotUn xIrk % xxxx[1]

v/;{k egkn; % यह जितनी भी कार्यवाही है, उनको निकाल दिया जाये। स्टार्ड क्वैश्चन मैं आरंभ कर रहा हूँ श्री अनिल बाजपेयी जी। बोलिये।

Jh vke idk'k 'kek % सर, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है ...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % सोमनाथ जी, अब नहीं, विषय खत्म हो गया। आप व्यक्तिगत बात मत करो। ओम प्रकाश जी आप व्यक्तिगत बात करते हो, यह ठीक नहीं है। वो बोल रहे हैं, मैं उनको रोक रहा हूँ। मैं उनको रोक रहा हूँ। मैंने रोका है ना आपको जो बात करनी है मुझसे करिये। बताइये क्या कहना चाहते हो?

Jh vke idk'k 'kek % सर, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है, माननीय अध्यक्ष जी, बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की आपकी अध्यक्षता में दो दिन पहले बैठक हुई। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी के अंदर जो भी मुद्दे आज से दो दिन पहले आये, वो सभी सदस्यों की तरफ से थे। सरकार का क्या उसमें कार्य होगा, यह बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में न तो पास हुआ, न उसमें आया और न इस सत्र का यह सिस्टम जब चालू हो रहा है, अभी तक बिजनेस एडवाइजरी कमेटी का कोई एजेंडा मसौदा बिलों के बारे में क्या होना है, कोई भी किसी प्रकार का कागज, किसी भी बिजनेस एडवाइजरी कमेटी के मैम्बर या किसी भी सदन के सदस्य के पास नहीं है मैं केवल यह पूछना चाहता हूँ ...(व्यवधान)

*** चिह्नित अंश माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

v/;{k egkn; % ओम प्रकाश जी, पहले तो आप रूलिंग देख लीजिए। मैं आपको रूलिंग बता दूं।

Jh vke idk'k 'kek % सर, मेरी बात पूरी होने दें।

v/;{k egkn; % रूल अंडर 279, आप बोलिये।

Jh vke idk'k 'kek % सर, मेरा केवल यह कहना है कि यदि बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में कोई किसी प्रकार का एजेंडा ही नहीं है, तो यह सदन की जो बैठक है, इसका औचित्य क्या है, यह मुझे समझ में नहीं आता।

v/;{k egkn; % ठीक है, बैठिये। अंडर रूल 279, देखिये उनको उत्तर दे दूँ। बोलिये।

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से उपमुख्यमंत्री जी ...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % विजेन्द्र जी, मैं एक प्रार्थना कर लूं। यह बड़ी मुश्किल से समय आता है और स्टार्ड क्वैश्चन मैम्बर्स के लगे हुए हैं और ये स्टार्ड क्वैश्चन का समय हम खराब कर रहे हैं...(व्यवधान)

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष जी, अगर हम कार्यवाही नियम से नहीं चलायेंगे ...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % मैं नियम से चला रहा हूं।

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष जी, हम आपके सामने अपना पक्ष रख रहे हैं।

v/;{k egkn; % बताइये।

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि उपमुख्यमंत्री जी सदन में मौजूद हैं क्योंकि मुख्यमंत्री जी नहीं है यहां। समाचार पत्रों से हमें जानकारी मिली कि नौ बिल यह सरकार सदन के पटल पर लाने वाली है। लेकिन हमको लगता है कि यह जो शीतकालीन सत्र, जिसकी बात की जा रही है, यह महज एक नौटंकी और ड्रामा बन कर रहने वाला है क्योंकि नौ में से आठ बिलों पर आपने संवैधानिक प्रक्रिया को पूरा नहीं किया है। आप जान–बूझकर इस सदन के समक्ष ऐसी कार्यवाही चलाना चाहते हैं जिस पर कोई किसी भी प्रकार का एग्जीक्युशन सम्भव नहीं होगा। यानी कि सरकार की अपरिपक्वता, अनुभवहीनता साफ रूप से नजर आ रही है, लोगों को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है, जब एक भी बिल संवैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद सदन के पटल पर नहीं आ रहा है तो फिर उन पर चर्चा का, उनके पारित होने का क्या अर्थ है? इसके बारे में जवाब दें और अगर मैं सही नहीं हूं तो भी उपमुख्यमंत्री जी स्थिति स्पष्ट करें।

v/;{k egkn; % मैं रूलिंग दे रहा हूँ, आपने अपनी बात कह दी। ओम प्रकाश जी, आप बैठिये। मुझे यह समझ मैं नहीं आया कि आपने यह कैसे कह दिया बिना जानकारी के कि संवैधानिक प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है...(व्यवधान)

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष जी, यह आपको लगता है...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % एक सैकेंड, मेरी पूरी बात सुन लीजिए। ओम प्रकाश जी, बैठ जाइये। मैंने बोलने का पूरा मौका दिया है। आपने अभी कहा कि

संवैधानिक प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है, यह आपकी जानकारी में कैसे आया? मुझे आश्चर्य हो रहा है इस बात पर। एक बात। दो मिनट रुक जाइये। दूसरा, अखबारों में जो बिल आये हैं, जो चर्चा अखबारों में हुई हैं, अभी सदन का आज पहला दिन है सदन का पूरा बिजनेस डिस्कस किया गया ओम प्रकाश जी उस बिजनेस एडवाइजरी कमेटी के मैम्बर हैं, पूरा बिजनेस पूरे दिन का डिस्कस किया गया। फ्राइडे प्राइवेट मैम्बर्स बिल डे है पूरा डिस्कस किया गया। एज पर रूल जितने भी बिल हैं दो दिन पहले कम से कम मैम्बर्स को मिलने चाहिए, एडवाइजरी कमेटी में आने चाहिए और दो दिन पहले एडवाइजरी कमेटी में आयेंगे एज पर रूल। दो दिन पहले आयेंगे, मैम्बर्स को डिस्ट्रीब्यूट होंगे। यह मैं आपको जानकारी दे रहा हूँ।

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष जी, मैं आपको एक जानकारी दे रहा हूँ ...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % देखिये, सदन का बहुमूल्य समय...(व्यवधान)

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष जी, जो बिल सदस्यों तक पहुंचेंगे, उन बिलों की कार्यवाही पूरी नहीं हुई है।

v/;{k egkn; % आपको कैसे जानकारी हुई है?

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष जी, यही तो हम कह रहे हैं उपमुख्यमंत्री जी जवाब दें...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % जब सदन में आयेंगे, तब पूछियेगा। अभी जो चीज सदन के पटल पर नहीं आई है...(व्यवधान)

Jh fotUn xIrk % आप लोगों को गुमराह कर रहे हैं, लोकायुक्त के मामले में भी यही हुआ...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % मैं आपसे प्रार्थना कर रहा हूँ, जो बिल अभी तक सदन पटल पर नहीं आया है, मेरी बात सुन लीजिए, जो बिल अभी तक सदन के पटल पर नहीं आया है उसकी...(व्यवधान)

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष जी, अखबारों में छप रहा है...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % जो–जो बिल आयेंगे, वो मिडिया में देंगे।

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष जी, दूसरा विषय...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % अब मुझे प्रश्न काल आरंभ करने दीजिए। आधा घंटा पूरा हो गया है...(व्यवधान)

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष जी, यह मसौदा है जनलोकपाल का हम इस पर भी जवाब चाहते हैं, यहां पर सरकार छोड़ कर भागे तो आप लोग। इस पर क्या कर रहे हो आप? इसके बारे में भी बतायें। इन दानों बातों के बारे में उप मुख्यमंत्री जी जवाब दें। इसका जवाब दीजिए...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % विजेन्द्र जी, बैठिये।

Jh lkeukFk Hkkjrh % अध्यक्ष जी, केन्द्र में लोकपाल कब आएगा, यह बताइये...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % बैठिये। विजेन्द्र जी, बैठिये। ओम प्रकाश जी, इस ढंग की भाषा आपकी ठीक नहीं है। मीडिया के माध्यम से सब कुछ चीजें, जो बिल आने होते हैं, वो मीडिया में आते हैं...(व्यवधान)

Jh fotsUnz xqIrk % आठ महीने हो गये...(व्यवधान)

v/;{k egksn; % विजेन्द्र जी, आप बैठिये। बहुत हो गया। ओम प्रकाश जी, बैठिये प्लीज। जगदीप जी, बैठिये। सोमनाथ जी, बैठिये। अब नहीं, बैठिये। विजेन्द्र जी, मैं खड़ा हूँ, मैं जवाब दे रहा हूँ, मुझे मालूम है सारा। मुझे मालूम है बैठिये। मैं जवाब दे रहा हूँ बैठिये आप ...(व्यवधान)

v/;{k egksn; % नितिन जी, भाई बैठिये जगदीप जी, बैठ जाइये। नितिन जी बैठिये। अध्यक्ष जब खड़े हों तो आपको बैठना चाहिये।

...(व्यवधान)...

v/;{k egksn; % अब कोई बोलेगा नहीं प्लीज।

Jh fotsUnz xqIrk % इसका जवाब चाहिए।

v/;{k egksn; % हाँ, मैं दे रहा हूँ। अब जरा। जरनैल जी, प्लीज–प्लीज।

lqJh Hkkouk xkM+ % आप इतने अच्छे काम कर दीजिये उसकी बधाई दे दीजिये।

v/;{k egksn; % भावना जी, दो मिनट रुक जाइये प्लीज

...(व्यवधान)...

v/;{k egksn; % प्लीज शांत हो जाइये

...(व्यवधान)...

v/;{k egksn; % विजेन्द्र जी, मेरा ये कहना है आपने जो जनलोकपाल

बिल का विषय रखा है, ये सदन आज समाप्त नहीं हो रहा। मेरी बात सुन लीजिये। अरे भाई, पूरी बात आप सुन नहीं रहे हैं। मैंने पूरी बात आपकी सुन ली।

Jh fotsUnz xqIrk % मुख्यमंत्री बतायें न।

v/;{k egksn; % नहीं, मैं बता रहा हूँ न।

...(व्यवधान)...

v/;{k egksn; % ऐसा कुछ नहीं है। मैं बता रहा हूँ न आपको। आप बैठिये। आप बैठिये–बैठिये।

Jh fotsUnz xqIrk % इसका जवाब सरकार के पास है, आपके पास नहीं है।

v/;{k egksn; % ऐसा है, मेरे पास जवाब है। मैं दे रहा हूँ।

Jh fotsUnz xqIrk % सरकार के पास है।

v/;{k egksn; % मेरे पास जवाब है।

Jh fotsUnz xqIrk % सरकार गुमराह कर रही है।

Jh vkse izdk'k 'kekZ % सरकार खुश नहीं बैठी है। इनको बोलो कुछ करें।

v/;{k egksn; % ओमप्रकाश जी।

Jh txnhi flag % विजेन्द्र गुप्ता जी, जिस प्रधानमंत्री ने पास करना है। उसको वापस तो बुला लो भारत में 18 महीने से बाहर ही हैं वो। 18 महीने से प्रधानमंत्री बाहर ही हैं।

v/;{k egkn; % अपने मेम्बर भी तो नहीं मान रहे न

...(व्यवधान)...

v/;{k egkn; % अच्छा आप बैठ जाइये। मैं आपको रूलिंग भी दे रहा हूँ। भाई विजेन्द्र जी, ऐसा नहीं चलेगा। भाई जगदीप जी ऐसा नहीं। अब जरा ध्यान से सुन लीजिये एक बार।

Jh vke izdk'k 'kek % सरकार का काम।

v/;{k egkn; % भाई ओमप्रकाश जी ऐसे नहीं प्लीज।

Jh vke izdk'k 'kek % आप स्पीकर महोदय।

v/;{k egkn; % हाँ, मैं स्पीकर के नाते से रूलिंग दे रहा हूँ।

Jh vke izdk'k 'kek % आम सरकार का काम कर रहे हैं। वो काम सरकार का हक है, आपका हक नहीं।

v/;{k egkn; % आप लोग बैठ जाएंगे। वो ही दे रहा हूँ मैं। हाँ रूलिंग दे रहा हूँ आपको। बैठिये।

Jh vke izdk'k 'kek % मतलब सरकार का भी काम आप करेंगे। कोई सरकार हैं क्या ये?

v/;{k egkn; % जगदीप जी, ओमप्रकाश जी। आप रोकिए उनको। हाँ भइया, मैं दे रहा हूँ आपको। अब ध्यान से सुन लीजिये। पूरा बोल लेने दीजिये मुझे। मुझे माननीय नेता प्रतिपक्ष श्री विजेन्द्र गुप्ता जी से नियम 59 के अंतर्गत कार्य–स्थगन प्रस्ताव की सूचना प्राप्त हुई है। मैंने इस सूचना का विस्तृत परीक्षण

किया है। विधानसभा प्रक्रिया तथा कार्य–संचालन नियम नोट कर लीजिये 61(3) के अनुसार प्रस्ताव हाल ही में घटित किसी निर्दिष्टित विषय तक सीमित रहेगा। ये नोट कर लीजियेगा। इसके अतिरिक्त

...(व्यवधान)...

v/;{k egkn; % एक सेकेण्ड भाई आप मुझे पूरा बोल लेने दीजिये।

Jh fotUn: x|Irk % सरकार जवाब देने से भाग रही है।

v/;{k egkn; % मैं बोल रहा हूँ, भाग नहीं रही है। विजेन्द्र जी, ये बात ठीक नहीं है। आप बैठ जाइये। आप अध्यक्ष की बात को बीच में डिस्टर्ब कर रहे हैं। मैं बोल रहा हूँ ना पूरा। मैं पूरा बोल रहा हूं। 61/6 के अनुसार प्रस्ताव में ऐसा कोई विषय नहीं लाया जा सकेगा जो पहले से सदन के विचारार्थ निर्धारित किया जा चुका है। ये विषय पहले से निर्धारित है। अब सुन लीजियेगा आप। किन्तु इस आधार पर

...(व्यवधान)...

Jh fotUn: x|Irk % ये मंत्री जी दे दें आश्वासन। हमें क्या है? हम तो यही चाह रहे हैं जो आप कह रहे हैं उसे मंत्री जी कह दें।

v/;{k egkn; % मैं कह रहा हूँ न।

Jh fotUn: x|Irk % नहीं, वो चार लाईन बोल देंगे तो क्या उनकी जबान घिस जाएगी?

...(व्यवधान)...

v/;{k egkn; % विजेन्द्र जी, बैठिये अब। विजेन्द्र जी आप बार–बार डिस्टर्ब कर रहे हैं।

...(व्यवधान)...

v/;{k egkn; % जगदीप जी, रोकिये इनको। जगदीप जी, रोकिये जरा, रोकिये सबको

...(व्यवधान)...

v/;{k egkn; % ओमप्रकाश जी, आप रूलिंग मेरी सुन क्यों नहीं रहे हैं? आप रूलिंग सुनने को तैयार नहीं हैं। या तो रूलिंग ले लीजिये आप नहीं तो माइक ऐसे डिस्टर्ब करेंगे आप। नहीं ये मेरे लिए कोई जरूरी नहीं है।

...(व्यवधान)...

v/;{k egkn; % विजेन्द्र जी मैं स्थिति स्पष्ट कर रहा हूँ और जब सदन चल रहा होता है मंत्री से बड़ा अध्यक्ष होता है। आप बार–बार अननैसेसरी प्रैशराइज कर रहे हैं। ये रूलिंग है और मैं दे रहा हूँ।

...(व्यवधान)...

v/;{k egkn; % नितिन जी, बैठ जाओ अब मेरी रिक्वेस्ट है। जगदीप जी, आप बैठ जाइये। जगदीप जी, आपको शोभा नहीं देता बार–बार, प्लीज। सोमनाथ जी, प्लीज। एक बार मैं बोल लूँ फिर उसके बाद। अब आप सुन लीजिये विजेन्द्र जी। आप बैठाइये उनको।

Jh fotUn xIrk % बयान दिलवा दीजिये न।

v/;{k egkn; % मैं दे रहा हूँ न सारी चीजें। मैं दे रहा हूँ आपको सारी चीजें। आप बैठिये, आप बैठिये, दो मिनट बैठिये।

Jh fotsUnz xqIrk % जब विपक्ष का प्रोटेस्ट होता है तो उसमें रूलिंग थोड़े ही चलती है।

v/;{k egksn; % मतलब अध्यक्ष बोल रहा है आप लोग प्रोटेस्ट करते रहेंगे?

...(व्यवधान)...

v/;{k egksn; % अध्यक्ष अपनी बात कह रहे हैं।

...(व्यवधान)...

Jh fotsUnz xqIrk % हम विरोध स्वरूप खड़े हैं। अपना विरोध प्रकट कर रहे हैं। सरकार इसमें बयान नहीं दे रही है, भाग रही है। इसलिए हम विरोधस्वरूप खड़े हुए हैं

v/;{k egksn; % विजेन्द्र जी, बात सुन लीजिये अब। सोमनाथ जी, बात सुन लीजिये। ओमप्रकाश जी। अरे भइया बार–बार क्यों रिपीट कर रहे हो। मैं आपको सारी जानकारी दे रहा हूँ।

Jh vkseizdk'k 'kekZ% आप क्यों दे रहे हो?

v/;{k egksn; % क्यों नहीं दूँगा मैं? सरकार से मेरे पास आता है सब कुछ...(व्यवधान)

v/;{k egksn; % प्रस्ताव में कोई ऐसा विषय नहीं लाया जा सकेगा जो पहले से सदन के आधार पर सरकार से आग्रह करने के संबंध में अध्यक्ष इस बात को ध्यान में रखेंगे कि प्रत्याशित विषय पर चर्चा उचित समय के भीतर सदन के समक्ष आने की शत–प्रतिशत संभावना है।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % उपरोक्त नियमों के तहत मैं माननीय नेता प्रतिपक्ष द्वारा दिये गये नोटिस को स्वीकार नहीं कर पाऊंगा। अतः इस नोटिस की अनुमति नहीं दी जा सकती।

Jh vke iadk'k 'kek % माननीय अध्यक्ष जी, मेरा आपसे निवेदन है कि इस विषय में सरकार अपना पक्ष रखे।

v/;{k egkn; % विजेन्द्र जी, ओम प्रकाश जी।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % ओमप्रकाश जी। आप जब तक चुप नहीं होंगे वो भी चुप नहीं होंगे। जगदीप जी, बैठिए।

Jh txnhi flag % बाकी बातें करेंगे 6 दिन और हैं।

v/;{k egkn; % जगदीप जी, आप बैठिए।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % विजेन्द्र जी आपने कह ली ना अपनी बात? अब ये विषय ठीक नहीं है। आपकी ये चर्चा बेमानी है। अध्यक्ष सदन के आपको आश्वस्त कर रहे हैं। इसी सत्र में जन लोकपाल बिल आ रहा है। अध्यक्ष आपको आश्वस्त कर रहे हैं। ऐसे नहीं चलेगा। स्टार्ड क्वैश्चन मैं आरम्भ कर रहा हूँ। श्री अनिल बाजपेयी जी।

v/;{k egkn; % अनिल बाजपेयी, एक सैकेंड। ओम प्रकाश जी, आप बार–बार बिजनेस एडवाइजरी कमेटी का मामला उठाते हैं। सरकार विधान सभा को भेजती है, एडवाइजरी कमेटी में आता है, आ जाएगा फ्राईडे को। क्यों नहीं

आएगा फ्राइडे को? दो दिन पहले आ सकता है। ऐसा कुछ नहीं है। आप अपनी रूलिंग को आप अपने पास रखिए। अनिल बाजपेयी जी आप अपना स्टार्ड क्वैश्चन आरम्भ कीजिए।

rkjkafdr iz'uksa ds ekSf[kd mÙkj

Jh vfuy ckti;h % मान्यवर स्पीकर साहब, सबसे पहले मैं हमारे साहब, हमारे सभी सदस्य आए हैं आज सदन का पहला दिन है आज दीपावली, भईया दूज और छठ पर्व की सभी साथियों को बहुत–बहुत हार्दिक बधाई और बहुत–बहुत हार्दिक शुभकामनाएं। मेरा माननीय उप मुख्यमंत्री आदरणीय श्री मनीष सिसोदिया साहब से पूर्वी दिल्ली नगर निगम के मुतालिक मेरे कुछ क्वैश्चन हैं। मैंने उसको क्वैश्चन में भी रखा है। मैं सिर्फ एक ही बात कह देना चाहता हूं कि आज से कई वर्ष पूर्व दिल्ली नगर निगम एक थी और किसी सत्ता के अधीन भूतपूर्व मुख्यमंत्री...

v/;{k egksn; % अनिल जी क्वैश्चन को सीधा पढ़िए। ताकि ज्यादा ले सकूं। हां सीधा क्वैश्चन पढ़िए बस।

Jh vfuy ckti;h % उसको तीन भागों में विभाजित कर दिया गया

v/;{k egksn; % अनिल जी जो क्वैश्चन है, वो सीधा पढ़िए।

Jh vfuy ckti;h % अध्यक्ष महोदय प्रश्न संख्या 1 प्रस्तुत है;

क्या माननीय **mi eq[;ea=h** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दिल्ली सरकार द्वारा पूर्वी दिल्ली नगर निगम को प्रतिवर्ष फंड जारी किया जाता है;

(ख) क्या यह भी सत्य है कि सरकार द्वारा चालू वित्त वर्ष के लिए पूर्वी दिल्ली नगर निगम को फंड जारी कर दिया गया है;

(ग) यदि हाँ, तो उसका विवरण क्या है;

(घ) क्या यह सत्य है कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम की ओर से देरी के कारण सफाई कर्मचारियों एवं अन्य सहायक स्टाफ को उनका वेतन नहीं मिला जिसके कारण उन्हें आन्दोलन करना पड़ा; और

(ङ) भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से जनता को होने वाली असुविधा को टालने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए है? मैं इतनी बात जरूरी कहना चाहूंगा सर वहां बहुत परेशानियां हैं हमारी सरकार है इसको जरूर देखिएगा।

v/;{k egkn; % माननीय उप मुख्यमंत्री जी।

Jh euh"k fl lkfn;k % अध्यक्ष महोदय, प्रश्न संख्या 1 का उत्तर प्रस्तुत है: (क) जी हां, प्रतिवर्ष आवंटित फंड 3 किस्तों में – प्रथम किस्त 25 प्रतिशत अप्रैल से जून के मध्य, दूसरी किस्त 50 प्रतिशत जुलाई से दिसम्बर के मध्य एवं तीसरी किस्त 25 प्रतिशत जनवरी से मार्च के मध्य जारी की जाती है।

(ख) जी हां, विभाग द्वारा अब तक रुपये 538.22 करोड रुपये दिये जा चुके हैं, वर्ष 2015–16 के लिए कुल आवंटित राशि रुपये 789 करोड़ 15 लाख रुपये है।

(ग) उसका विवरण संलग्न है।

(घ) सफाई की व्यवस्था निगम का मुख्य उत्तरदायित्व है और ये निगम का दायित्व है वह अपने क्षेत्र में सफाई सुनिश्चित करे और सफाई कर्मचारियों के वेतन का भुगतान करे।

(ङ) सरकार द्वारा प्रयास किया जा रहा है कि निगम को डीडीए से जो बकाया राशि है उसका भुगतान शीघ्र किया जा सके।

Annuxure-I

Funds released under Plan Heads to East DMC during 2015-16 (up to 12/11/2015)

(Rs. in crore)

Sl.No.	Head	BE 2015-16	Released up to	released of C.Y in %
	Non-Plan GIA			
1.	Education	259.78	194.83	75
2.	Maintenance of School Bulg	11.64	8.73	75
3.	Maintenance of Resettlement Colonies	22.29	16.72	75
4.	Maintenance of capital assets	12.53	9.40	75
	Sub total	306.24	229.68	75
5.	BTA (Global Share)	179.91	179.91	100
	Total (Non-Plan)	486.15	409.59	34
	Plan GIA			
1.	Urban Sector	215.00	91.38	43
2.	Transport Sector	20.00	0.00	0
	Total GIA	235.00	91.38	39
3.	Plan Loan	68.00	37.25	55
	Total Plan (GIA+Loan)	303.00	128.63	42
	Grand Total Plan Non-Plan	789.15	538.22	68

v/;{k egksn; % Any Supplementary?

Jh fotsUnz xqIrk % अध्यक्ष जी निगम के वित्तिय संसाधनों के बारे में हमारे साथी द्वारा पूछा गया है, मैं इसमें एक प्रश्न करना चाहता हूँ कि उप मुख्यमंत्री जी बताएं की चौथी दिल्ली वित्त आयोग की रिपोर्ट को सरकार...

v/;{k egksn; % भई देखिए विजेन्द्र जी, सप्लीमैंटरी इससे संबंधित नहीं है वो रिपोर्ट अपनी जगह है, नहीं मैं इसको अलाउ नहीं कर रहा हूं। माननीय अजेश यादव जी का प्रश्न है जो इन्हें पढ़ने में थोड़ा समय ज्यादा लगेगा इसलिए मैं नाम बोल रहा हूं जिसका दूसरा स्टार्ड क्वैश्चन है माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी उत्तर देंगे। अजेश यादव जी एक बार खड़े हो जाएं स्थान पर।

Jh vts'k ;kno % अध्यक्ष महोदय प्रश्न संख्या 2 प्रस्तुत है,

क्या LokLF; ea=h यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि बादली विधान सभा क्षेत्र में अस्पताल बनाने हेतु वर्ष 1986–87 में जमीन आवंटित की गई थी; और

(ख) यदि हाँ, तो इस प्रोजेक्ट की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या यह भी सत्य है कि उपयुक्त सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य सुविधाओं के अभाव में बाबू जगजीवन राम अस्पताल दयनीय स्थिति में है;

(घ) यदि हाँ तो इस स्थिति में सुधार हेतु विभाग द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(च) क्या यह भी सत्य है कि सरकारी एवं निजी अस्पतालों में गरीब लोगों को सुगमता से इलाज उपलब्ध कराने हेतु सरकार का वहां नोडल आफिसर्स नियुक्त करने का प्रस्ताव है; और

(छ) यदि हाँ, तो उसका विवरण क्या है?

Jh lR;sUnz tSu % स्वास्थ्य मंत्री अध्यक्ष महोदय, प्रश्न नं. 2 का उत्तर प्रस्तुत हैः

(क) जी हाँ।

(ख) इस प्रोजेक्ट के संबंध में लोक निर्माण और कन्सलटैंट प्राई. लि. के मध्य हुआ, कन्सलटैंट की नियुक्ति का वर्तमान एग्रीमैंट रद्द कर दिया गया है और नये कन्सलटैंट को शीघ्र एप्वाईंट किया जा रहा है।

(ग) जी नहीं। अस्पताल की सुरक्षा में समुचित व्यवस्था है। सभी स्वीकृत पदों पर 52 सुरक्षाकर्मी तैनात हैं तथा 30 होमगार्ड के कर्मी भी तैनात किए गए हैं। अन्य सुविधाएं जैसे–लैब, एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, लेबररूम व नर्सरी की सुविधाएं इस अस्पताल में उपलब्ध हैं तथा अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन सुविधा उपलब्ध है।

(घ) उपरोक्त ग के अनुसार प्रश्न ही नहीं है।

(च) जी हां। ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी में आने वाले मरीजों का अधिकतर निजी अस्पतालों में निःशुल्क इलाज करवाने हेतु दिल्ली सरकार द्वारा सरकारी अस्पतालों में नोडल ऑफिसर एवं लायजन ऑफिसर नियुक्त किए गए हैं।

(छ) विवरण 'परिशिष्ट' ए पर संलग्न है। धन्यवाद।

ANNEXURES-A

NAME OF THE OFFICERS OF INDENTIFIED GOVT. HOSPITAL

Sl. No.	Name & Address of the Hospital	Linked Identified Govt. Hospitals For Verification	Name of The Medical Supdt./ Nodal Officer of The Linked General Govt. Hospital	Telephone Number
1	2	3	4	5
1.	Action Cancer Hospital. FC-33, A-4, Paschim Vihar, Delhi	Sanjay Gandhi Memorial Hospital, Mongolpuri	Dr. R.A. Gautam(MS), Dr. Vikash Rampal, (N.O.)	9540055500 9810001710
2.	Amar Jyoti Ch. Trust, Karkardooma, Vikas Marg, Delhi-110092	Dr. Hedgewar Aroyga Sansthan, Karkardooma	Dr. S.D. Bisht (N.O) Dr. Brijesh Jain (A.N.O)	9654958509 9654355908
3.	Batra Hospital, 1MB Road, Tudhlakabad, Institutional Area, New Delhi-110062	Pt. Madan Mohan Malviya Hospital, Malviya Nagar	Dr. Geeta Dada (N.O) Dr. Vikash Tripathi (A.N.O)	9911573369, 9990713100 011-26689999
4.	Bensups Hospital, A unit of B.R. Dhawan	Deen Dayal Upadhaya Hospital, Hari Nagar	Dr. J.P. Singh (N.O) Dr. Vinod Sharma	9718990178, 9718990138

	Medical Charitable Trust, Bensups Avenue, Sector-12 Dwarka, Delhi		(A.N.O)	
5.	Bhagwan Mahavir Hospital, Sector-14, Extn. Madhuban Chowk, Rohini, New Delhi-110085	Dr. Baba Saheb Ambedkar Hospital, Rohini	Dr. Nirankar Singh (N.O) Dr. Amreshwar Narawar (N.O)	9718599614 9718599601
6.	Bhagwati Hospital, C-S/OCF-6, Sector-13, Rohini, Delhi-110085	Dr. Baba Saheb Ambedkar Hospital, Rohini	Dr. Nirankar Singh (N.O) Dr. Amreshwar Narawar (N.O)	9718599614 9718599601
7.	Bimla Devi Hospital, Plot No.5, Pkt. B, Mayur Vihar-II Delhi-110091	Lal Bahadur Shastri Hospital, Khichri Pur	Dr. Sudhir Prasad (N.O) Dr. Parmesh Sharma (A.N.O)	9582500320, 9582500326, 011-22774145
8.	Deepak Memorial Hospital & Medical Research Centre, 5, Institutional Area, Vikas Marg Extn, Delhi-110092	Dr. Hedgewar Aroyga Sansthan, Karkardooma	Dr. S.D. Bisht (N.O) Dr. Brijesh Jain (A.N.O)	9654958509 9654355908
9.	Delhi ENT Hospital & Research Centre,	Pt. Madan Mohan Malviya Hospital,	Dr. Geeta Dada (N.O) Dr. Vikash Tripathi	9911573369, 9990713100

1	2	3	4	5
	FC-33 Plot No. 13, Jasola, Delhi	Malviya Nagar	(A.N.O)	011-26689999
10.	Dharamshila Hospital & Research Centre, Vansundhra Enclave, Delhi-110096	Lal Bahadur Shastri Hospital, Khichri Pur	Dr.Sudhir Prasad (N.O) Dr. Parmesh Sharma (A.N.O)	9582500320, 9582500326, 011-22774145
11.	VIMHANS, Nehru Nagar, Delhi-110065	Safdarjang Hospital	Dr. J.S. Bhatia (AMS) Dr. Veer Bhusan (N.O)	9810087335 9990223325
12.	Kapur Memorial Hospital, Pusa Road, New Delhi-110005	NC JOSHI Memorial Hospital, Karol Bagh	Dr. S.K. Sharma (N.O) Dr. Amar Singh (A.N.O)	9250073435 9250073436
13.	Escorts Heat Institute & Research Centre, Okhla Road, Okhla, New Delhi-110025	Lal Bahadur Shastri Hospital, Khichri Pur	Dr. Sudhir Prasad (N.O) Dr. Parmesh Sharma (A.N.O)	9582500320, 9582500326, 011-22774145
14.	Flt. Lt. Rajan Dhall Charitable Trust, Sector-B, Pocket-I, Aruna Asaf Ali Marg, Vasant Kunj, New Delhi-70	Safdarjang Hospital	Dr. J.S. Bhatia (AMS) Dr. Veer Bhusan (N.O)	9810087335 9990223325

15.	Gujarmal Modi Hospital, Mandir Marg, Saket, New Delhi-110017	Pt. Madan Mohan Malviya Hospital, Malviya Nagar	Dr. Geeta Dada (N.O) Dr. Vikash Tripathi (A.N.O)	9911573369, 9990713100 011-26689999
16.	Indian Spinal Injuries Centre, Opp. Police Station, Sector-C, Vasant Kunj, New Delhi-110070	Safdarjang Hospital	Dr. J.S. Bhatia (AMS) Dr. Veer Bhusan (N.O)	9810087335 9990223325
17.	Jaipur Golden Hospital, 2, Institutional Area, Sector, 2, Rohini, Dsir Delhi-110085	Bhagwan Mahavir Hospital, Pitam Pura	Dr. Surender Pal Jayant (N.O) Dr. R.K. Gupta (A.N.O)	9717293545 9958123123
18.	Jeevan Anmol Hospital, Mayur Vihar Phase-I, Opp. Pratap Nagar, Delhi-110091	Lal Bahadur Shastri Hospital, Khichri Pur	Dr. Sudhir Prasad (N.O) Dr. Parmesh Sharma (A.N.O)	9582500320, 9582500326, 011-22774145
19.	Khosla Medical Institute & Research Society, (Maharishi Ayurveda Hospital) K.M.I. & R. centre, Pachim Shalimar Bagh, New Delhi	Bhagwan Mahavir Hospital, Pitam Pura	Dr. Surender Pal Jayant (N.O) Dr. R.K. Gupta (A.N.O)	9717293545 9958123123

1	2	3	4	5
20.	Kottakkal Arya Vaidyashala, Plot No. 18X, 19X, Karkardooma, Delhi-110092	Dr. Hedgewar Aroyga Sansthan, Karkardooma	Dr. S.D. Bisht (N.O) Dr. Brijesh Jain (A.N.O)	9654958509 9654355908
21.	Maharaja Agrasen Hospital, Punjabi Bagh, New Delhi-110026	Sanjay Gandhi Memorial Hospital, Mongolpuri	Dr. R.A. Gautam (MS), Dr. Vikash Rampal, (N.O)	9540055500 9810001710
22.	Hospital, Plot No. 12, J-Block, Community Centre, Rajouri Garden, Delhi-27	Guru Gobind Singh Hospital, Raghubir Nagar	Dr. Vandana Bagga (N.O) Dr. Mukesh Bhatnagar (A.N.O)	9718383942 9810161531
23.	Mata Chanan Devi Hospital, C-1 Janak Puri, Delhi	Deen Dayal Upadhyay Hospital, Hari Nagar	Dr. J.P. Singh (N.O) Dr. Vinod Sharma (A.N.O)	9718990178 9718990138
24.	Max Super Specialty Hospital (Max Balaji Hospital), 108-A, IP Extension Patparganj Delhi-110092	Lal Bahadur Shastri Hospital, Khichri Pur	Dr. Sudhir Prasad (N.O) Dr. Parmesh Sharma (A.N.O)	9582500320, 9582500326, 011-22774145

25.	Max Super Specialty Hospital, (Max Devki Devi Heart & Vascular Institute), 2, Press Enclave Road, Saket, New Delhi-110017	Pt. Madan Mohan Malviya Hospital, Malviya Nagar	Dr. Geeta Dada (N.O) Dr. Vikash Tripathi (A.N.O)	9911573369, 9990713100 011-26689999
26.	Mool Chand Khairati Ram Trust & Hospital, Ring Road Lajpat Nagar, Delhi-110024	All India Instituted of Medical Science (AIIMS)	Dr. I.B. Singh (N.O) Mr. R.C. Mishra (A.N.O)	9868397013 9810281371 011-26594715
27.	National Chest Institute, A-133, Niti Bagh Delhi, Gautam Nagar, Delhi-110092	All India Instituted of Medical Science (AIIMS)	Dr. I.B. Singh (N.O) Mr. R.C. Mishra (A.N.O)	9868397013 9810281371 011-26594715
28.	National Heart Institute, 49, Community Centre, East of Kailash, New Delhi-110065	All India Instituted of Medical Science (AIIMS)	Dr. I.B. Singh (N.O) Mr. R.C. Mishra (A.N.O)	9868397013 9810281371 011-26594715
29.	Primus Super Specialty Hospital, Chandergupt Marg, Chankapuri, New. Delhi- 21	Dr. RML Hospital	Dr. Dr. Sunil Saxena (N.O)	9868221090

1	2	3	4	5
30.	Pushpawati Singhania Research Institute, Sheikh Sarai, Phase-II Saket, New Delhi-110017	Pt. Madan Mohan Malviya Hospital, Malviya Nagar	Dr. Geeta Dada (N.O) Dr. Vikash Tripathi (A.N.O)	9911573369, 9990713100 011-26689999
31.	R.B. Seth Jessa Ram Hospital, WEA Karol Bagh, Delhi-110005	NC JOSHI Memorial Hospital	Dr. S.K. Sharma (N.O) Dr. Amar Singh (A.N.O)	9250073435 9250073436
32.	Rajiv Gandhi Cancer Institute & Research Centre, D-18, Sector-V, Rohini, Delhi-110085	Dr. Baba Saheb Ambedkar Hospital, Rohini	Dr. Nirankar Singh (N.O) Dr. Amreshwar Narayan (N.O)	9718599614 9718599601
33.	Roc….. Hospital, D 33, 34, Qutab Institutional Area New Delhi-110016	Safdarjang Hospital	Dr. J.S. Bhatia (AMS) Dr. Veer Bhusan (N.O)	9810087335 9990223325
34.	Saroj Hospital & Heart Institute, Sector-14, Extn. Madhuban Chowk, Rohini, Delhi-110085	Dr. Baba Saheb Ambedkar Hospital, Rohini	Dr. Nirankar Singh (N.O) Dr. Amreshwar Narayan (N.O)	9718599614 9718599601

35.	Shanti Mukund Hospital, 2 Institutional Area, Vikas Marg Extn. Vikas Marg, Delhi-110092	Dr. Hedgewar Aroyga Sansthan, Karkardooma	Dr. S.D. Bisht (N.O) Dr. Brijesh Jain (A.N.O)	9654958509 9654355908
36.	Sir Ganga Ram Trust Society, Hospital Marg, Rajinder Nagar, Delhi-110060	NC JOSHI Memorial Hospital	Dr. S.K. Sharma (N.O) Dr. Amar Singh (A.N.O)	9250073435 9250073436
37.	Sri Balaji Action Medical Institute FC-34, A-4, Paschim Vihar New Delhi	Sanjay Gandhi Memorial Hospital, Mongolpuri	Dr. R.A. Gautam (MS), Dr. Vikash Rampal, (N.O)	9540055500 9810001710
38.	St. Stephen's Hospital Society, Tis Hazari Court, Delhi-110054	Babu Jagjivan Ram Hospital, Jehangirpuri	Dr. B.K. Vashishat, N.O.	9968609806
39.	Sunder Lal Jain Charitable Hospital, Phase-III, Ashok Vihar, Delhi-110055	Bhagwan Mahavir Hospital, Pitam Pura	Dr. Surender Pal Jayant (N.O) Dr. R.K. Gupta (A.N.O)	9717293545 9958123123
40.	Venu Eye Institute & Research Centre, Plot-1, Shekh Sarai, New Dehli-110017	Pt. Madan Mohan Malviya Hospital, Malviya Nagar	Dr. Geeta Dada (N.O) Dr. Vikash Tripathi (A.N.O)	9911573369, 9990713100 011-26689999

1	2	3	4	5
41.	Max Super Specialty Shalimar Bagh, Delhi	Dr. Baba Saheb Ambedkar Hospital, Rohini	Dr. Nirankar Singh (N.O) Dr. Amreshwar Narawar (N.O)	9718599614 9718599601
42.	Vinayak Hospital Derawal Nagar, Delhi	Babu Jagjivan Ram Hospital, Jehangirpuri	Dr. B.K. Vashishat, N.O.	9968609806
43.	M.G.S. Hospital, Punjabi Bagh	Sanjay Gandhi Memorial Hospital, Mongolpuri	Dr. R.A. Gautam (MS), Dr. Vikash Rampal, (N.O)	9540055500 9810001710

List of the Identified Private Hospitals alongwith their specialties, number of free beds and name of the Nodal Officer :

Sl. No.	Name of the Hospital	Broad Facilities For	Free Beds	Free Critical Beds	Free Non-Critical Beds	Name of the Nodal Officers
1	2	3	4	5	6	7
WEST DISTRICT						
1.	Action Cancer Hospital. H-2 FC-33, A-4, Paschim Vihar, Delhi-63	Super Specialty (only oncology)	10	1	9	Dr. Vikas Choudhary, 8376904128 choudharyvikas2008@gmail.com

2.	Mata Chanan Devi Hospital, C-1, Janak Puri, Delhi-58	General and Super Specialities	21	2	19	Dr. Anil Sharma, 9811179022 Dr. Shukla, EWS-9811560885 as 241@yahoo.com
3.	Maharaja Agrasen Hospital, West Punjabi Bagh, New Delhi-26	General and Super Specialities	40	4	36	Dr. Shalini, 9810113063
4.	Mai Kamli Wali Ch. Hospital Plot No.0 12 J-Block, Community Centre, Rajouri Garden, New Delhi-27	General and Super Specialities	5	1	4	Dr. Suresh C. wahi, Sh. Anil Sharma 9810024789 admin@mkwhospital.com
5.	Sri Balaji Action Medical Institute, FC-34 A-4, Paschim Vihar New Delhi-63	General and Super Specialities	20	2	18	Dr. Aruna, AMS, 8376904103, info@actionhospital.com msinfo@actionhospital.com
6.	M.G.S. Hospital, No. 35, West Punjabi Bagh, New Delhi-26	General Specialities	7	1	6	Dr. Sharma 8130398130 (LL-45111444) Raj Kumar 9868098291 mgs_hospital@yahoo.com

1	2	3	4	5	6	7
7.	RLKC Metro Hospital, Pandav Nagar, Naraina Road, New Delhi-110008	General and Super Specialities	10	1	9	Dr. Prabhas, 9968363615 prabhaskumarjh231@ gmail.com
8.	Jankidas Memorial Hospital, Pandav Nagar, Naraina Road, New Delhi-110008	General Specialities	3	Nil	3	011-25705811, Administrator 9311517171 jkmjngarg@yahoo. co.in
SOUTH DISTRICT						
9.	Batra Hospital & Medical Research Centre, 1MB Road, Tudhlakabad, Institutional Area, New Delhi-62	General and Super Specialities	50	5	45	Dr. Amiya Verma/ Dr. Yogendra Tomar, 9891081768/9654513413 av_msoffice@batrahospital delhi.org/yogender.tomar@ batrahospitaldelhi.org doctomar2000@yahoo.co.in
10.	National Chest Institute, Opp. A-133, Niti Bagh, Gautam Nagar, New Delhi-49	Only Respiratory diseases	0	0	0	Mrs. Anjali Dhingra, 9212248884, nationalchestinstitute@ gmail.com

11.	National Heart Institute, 49, Community Centre, East of Kailash, New Delhi-65	Super General and Specialities (Cardiology and cardiacsurgery)	7	1	6	Mrs. Chandra Zadoo 9810684340, Chandra@nhi.in Chandra.zadoo@yahoo.co.in
12.	Delhi ENT Hospital & Research Centre, FC-33 Plot No. 13, Jasola, Delhi-25	Only Ear, Nose and Throat Specialities	3	NA	3	Dr. Arvind Kakkar 9811069625, dehrc.hospital@gmail.com
13.	Flt. Lt. Rajan Dhall Ch. Trust, Sector-B, Pocket-I, Aruna Asaf Ali Marg, Vasant Kunj, New Delhi-70	General and Super Specialities	15	2	13	Dr. Praween, DMS 9999003426 praween@fortishealthcare.com praween.kumar@fortishealth care.com
14.	Saket City Hospital, Mandir Marg, Saket, New Delhi-17	General and Super Specialities	21	2	19	Dr. Gurpreet Singh 9810091823 drgurpreet.singh@ saketcityhospital.com
15.	Indian Spinal Injuries Centre, Opp. Police Station Sector-C Vasant Kunj, New Delhi-70	General and Super Specialities	15	2	13	Ms. Manisha Goyal, 9013573482 nodalofficer@isic.onlive.org
16.	Pushpawati Singhania Research Institute,	General and Super Specialities	11	1	10	Dr. R.K. Sharma, 9891464931 Prri@vsl.com.

1	2	3	4	5	6	7
	Sheikh Sarai, Phase-II, Saket, New Delhi-17					
17.	Venu Eye Institute & Research Centre, 1/31, Shekh Sarai Institutional Area, New Dehli-17	Only Ophthalmology	15	0	15	Dr. Ram Kumar Tyagi, 9910382749 ms@venueyeinstitute.org Amit 9971110470
18.	Fortis Escorts Heart Institute & Research Centre, Okhla Road, Okhla, New Delhi-25	Super Specialities (cardiology and cardiac surgery)	31	3	28	Dr. Sunay Mahesh, AMS 9311719608 sunay.mahesh@ fortishealthcare.com Sushma.sapra@ fortishealthcare.com
19.	Max Super Specialty Hospital East Wing A unit of Devki Devi Foundation), 2 Press Enclave Road, Saket, New Delhi-17	Super Specialities (Cardiology and Cardiac and Vascular Surgery and Oncology)	33	3	30	Mr. Mahesh Thakur, 9971153354 vksapra@maxhealthcare. com Mr. V.K. Sapra 9810064429
20.	VIMHANS, 1, Institutional Area, Nehru Nagar, New Delhi-65	Super Specialty (Neurology, Neuro Surgery and Psychaitry)	9	1	8	Mr. Ravi, 99714166399 vimhans@vimhans.com Mr. Raman, N.O. 9871125358

21.	Guru Harkrishan Hosptial, Gurudwara Bala Sahib, Ring Road,	General Specialities	5	0	5	Mr. Ravinder Singh, 9213358047 & 26346472 ravindersingh260470@ gmail.com
SOUTH-WEST DISTRICT						
22.	Bensups Hospital, A unit of B.R. Dhawan Medical Charitable Trust, Bensups Avenue, Sector-12, Dwarka, New Delhi-15	General Specialities	14	1	13	Dr. Maushmi, 9810725501 Kiran 8800148080 wecare@bensupshospital.com Rajni 8750195354
23.	Rockland Hospital, Plot No. HAF-B, Phase-I, Sector-12, Dwarka, New Delhi-76	General Specialities	10	1	9	Dr. Sachin 9560749292 sachin.arora@ rocklandhospital.com
NORTH DISTRICT						
24.	Vinayak Hospital, Plot No. 02, Derawal Nagar, Model Town, Delhi-09	General Specialities	4	1	3	Mr. Sarvan Kumar, 9311082078 vinayak_hospital@yahoo.com
25.	Jivodaya Hospital, Ashok Vihar Phase-I, Delhi-110052	General Specialities	4	NIL	4	Sr. Justy, 9990223699 jivodaya2007@radiffmail.com

1	2	3	4	5	6	7
NORTH-WEST DISTRICT						
26.	Bhagwan Mahavir Hospital, Sector-14, Extn. Madhuban Chowk, Rohini, Delhi-85	General Specialities	3	1	2	Dr. R.K. Mathur, 9810456777 mahavirhospital_1@yahoo.co.in
27.	Khosla Medical Institute & Research Society, K.M.I. & R. centre, Pachim Shalimar Bagh, Delhi-88	Only Ayurvedic	7	NA	7	Dr. Saurabh, 9953781606, 27479501 mahp.@vsnl.net
28.	Saroj Hospital & Heart Institute, Sector-14, Extn. Near Madhuban Chowk, Rohini, Delhi-85	General and Super Specialities	17	2	15	Mrs Ruby Monga, 9811143633 info.@sarojhospital.com Sapna-27903252
29.	Bhagwati Hospital, C-S/OCF-6, Sector-13, Rohini, Delhi-85	General and Super Specialities	10	1	9	Dr. Naresh Pamnani, 9811207171 bhagwatihospitalr13@gmail.com
30.	Jaipur Golden Hospital, 2, Institutional Area, Sector, 2 Rohini, Delhi-110085	General and Super Specialities	24	2	22	Mr. Rakesh Gera, 981864689 ms@jghdelhi.net

31.	Srunder Lal Jain Charitable Hospital, Phase-III, Ashok Vihar, Delhi-52	General and Super Specialities	17	2	15	Dr. Siddharth Shukla 8826693145, 9910482820 sljhospital@gmail.com
32.	Max Super Specialty FC-50, Shalimar Bagh, Delhi-90	Super Specialities	20	2	18	Ms. Neha Bhatia/ Ms.Shweta, 9711860525 vkspra@maxhealthcare.com
EAST DISTRICT						
33.	Bimla Devi Hospital Plot-B Mayur Vihar-II, Delhi-91	General Specialities	2	NA	2	Sh. N.B. Joshi, 22788989, 9891559598 bdh.hospital@gmail.com
34.	Jeevan Anmol Hospital, Mayur Vihar Phase-I, Opp. Pratap Nagar Delhi-91	General and Super Specialities	5	1	4	Dr. Neera Sondhi, 9810686955 Irfan ali 9818416650 dms.jeevananmol@gmail.com
35.	Shanti Mukund Hospital, 2 Institutional Area, Vikas Marg Extn. Vikas Marg, Delhi-92	General and Super Specialities	14	1	13	MS-47276600 Dr. Rakib, 9871996626
36.	Dharamshilla Hospital & Research Centre, Vansundhra Enclave, Delhi-96	General and Super Specialities (Cancer)	20	2	18	Mr. Puneet Kumar, 9810956951 tpa@dhrc.in

1	2	3	4	5	6	7
37.	Deepak Memorial Hospital & Medical Research Centre, 5, Institutional Area, Vikas Marg Extn, Delhi-2	General and Super Specialities	10	1	9	Dr. Athish Sinha 9811304884 Ms. Vidushi, 9013949843 dratishsinha@gmail.com
38.	Max Super Specialty Hospital (Max Balaji Hospital), 108, A, IP Extension Patparganj Delhi-92	Super Specialities	40	4	36	Mr. Neeraj Kumar 9871272636 neeraj.kumar3@maxhealthcare vksapra@maxhealthcare.com Sapra 9810064429
39.	Amar Jyoti Ch. Trust, Karkardooma Delhi-92	Post Polio Rehabilitation	2	NA	2	Mr. Ajay Deewan 9818205248 amarijyoti@del2.vsnl.nic.in
40.	Kottakkal Arya Vaidyashala, Plot No. 18X, 19X, Karkardooma, Vikas Marg, Delhi-110092	Only Ayurvedic	4	NA	4	Dr. Kiran K.G. 986845189 mail@aryavaidyashala.com

CENTRAL DISTRICT

41.	Primus Super Specialty Hospital, Chander Gupta Road, Chankayapuri New Delhi-21	General and Super Specialities	13	1	12	MS-9810517193 Sh. B.K. Dadu, 9999920206 coo@primushospital.com
42.	R.B. Seth Jessa Ram Hospital, WEA Karol Bagh, New Delhi-110005	General and Super Specialities	0	0	0	Dr. Rajiv Ranjan 8826770909
43.	Sir Ganga Ram Trust Society, Sir Ganga Ram Hospital Marg, Rajinder Nagar N.D.-60	General and Super Specialities	68	7	61	Mrs. Mill Sehgal. 9871497471 rekha_survan@yahoo.com

अध्यक्ष महोदय : अजेश जी कोई सप्लीमेंटरी।

श्री अजेश यादव : सर जी, इसमें प्रश्न था हमारा जो इन्दिरा गांधी हॉस्पिटल है। उसका प्राइमिनिस्टर ने भी उद्घाटन किया और तीन बार मुख्यमंत्री ने भी किया और आज भी वो उसी पोजिशन में है। मैं आज आपको धन्यवाद करना चाहता हूं। आपने बजट में इसको लिया है लेकिन जब से वो बजट में आया है, उसके बाद मेरे क्षेत्र के लोग हर रोज पूछते थे कब इसकी शुरूआत करने जा रहे हो?

स्वास्थ्य मंत्री ¼Jh lR;sUnz tSu½ % स्पीकर सर, हाँ। ये बिल्कुल अनफार्च्युनेट है कि पिछले लगभग 19 साल से ये प्रोजेक्ट जिसका कई बार मुहुर्त भी हो चुका है। आपने रिक्वैस्ट की थी कि इसका दोबारा से मुहुर्त कर दिया जाए। बनने के बाद ही किया जाएगा और इसी टर्म में इसको बना दिया जाएगा। इसका मैं आश्वासन देता हूं।

अध्यक्ष महोदय : हां, बचा है।

श्री सोमनाथ भारती : मंत्री महोदय ये अपोलो अस्पताल में ई.डब्ल्यू. एस. के लोगों से मैडीसन के नाम पे, कंजूमेबल के नाम पे वो पैसा लेते हैं वो काफी अधिक होता है जो ई.डब्ल्यू.एस. के लोग दे नहीं सकते हैं। ऐसी व्यवस्था बाकी प्राइवेट हॉस्पिटल्स में नहीं है, इसका क्या कारण है?

स्वास्थ्य मंत्री : ये सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर के अनुसार हुआ है बाकी अस्पतालों में 10 प्रतिशत बैड हैं जो कि ई.डब्ल्यू.एस. कैटेगरी को दिये गये हैं, अपोलो हॉस्पिटल में 1/3, 33 परसेंट ई.डब्ल्यू.एस. कैटेगरी को दिये गये हैं, और वहां पर जगह व डॉक्टर्स की फीस वगैरह फ्री होती है परन्तु माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार दवाई व कन्ज्यूमेबल देय है।

श्री संजीव झा : बाबू जगजीवन राम में कैट्स का एंबूलेंस चलता था वो नहीं चल रहा है बाकी अस्पतालों में चल रहा है इसका क्या कारण है और ये कब तक हो जाएगा?

स्वास्थ्य मंत्री : एम्बूलेंस के लिए दिल्ली सरकार ने अभी 110 एम्बूलेंस का ऑर्डर दिया हुआ है बहुत ही जल्दी आने वाली है और दिल्ली के अंदर एंबूलैंस की कोई कमी नहीं रहेगी।

अध्यक्ष महोदय : दो सप्लीमेन्ट्री बस। इससे ज्यादा नहीं।...(व्यवधान)

श्री अखिलेशपति त्रिपाठी : अस्पताल को लगभग एक करोड़ नवासी लाख रुपये दिये जा चुके हैं। हम जानना चाहते हैं कि ऐसा क्यों हो रहा है कि डीडीए हमको जमीन नहीं दे पा रही है या क्या कारण है कि काम नहीं शुरू हो रहे हैं?

स्वास्थ्य मंत्री : डीडीए के साथ परस्यू किया जा रहा है और डीडीए से जल्द से जल्द जमीन का कब्जा लिये जाने की कोशिश की जा रही है।

अध्यक्ष महोदय : श्री ओमप्रकाश शर्मा जी।

श्री ओ.पी. शर्मा : अध्यक्ष महोदय, प्रश्न संख्या 3 प्रस्तुत है :

क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करें कि :

(क) क्या यह सत्य है कि दिल्ली की अनेकों डिस्पेंसरियों एवं अस्पतालों के भवन बनकर तैयार हैं, किन्तु अभी तक सरकार उनको प्रारम्भ नहीं कर पाई हैं;

(ख) दिल्ली सरकार द्वारा पिछले एक साल में ऐसे कौन–कौन से भवन बनाए गए हैं;

(ग) इनमें से किन–किन भवनों में डिस्पेंसरियों या अस्पताल खोले जाने हैं;

(घ) क्या यह सत्य है कि सराय पीपलथला, आजादपुर मंडी में डिस्पेंसरी के लिये भवन दो वर्षों से तैयार पड़ा है; और

(ङ) यदि हाँ, तो इसमें डिस्पेंसरी कब तक खोल दी जाएगी?

स्वास्थ्य मंत्री : प्रश्न नं. 3 का उत्तर प्रस्तुत है :

(क) जी हाँ।

(ख) दिल्ली सरकार द्वारा पिछले एक साल में ऐसा कोई नया भवन नहीं बनाया गया है।

(ग) उपरोक्त ख के अनुसार लागू नहीं।

(घ) जी हाँ।

(ङ) सराय पीपलथला आजादपुर मण्डी में उपरोक्त भवन की लाईसेन्स फी और सिक्यूरिटी शुल्क की स्वीकृति 14/09/2015 को प्रदान की गयी। सरकार की योजना के अनुसार अब उपरोक्त जगह मुहल्ला क्लीनिक योजना में सम्मिलित की गयी है। इसका स्टाफ और बजट प्रस्तावित मुहल्ला क्लीनिक योजना में सम्मिलित किया गया है।

अध्यक्ष महोदय : हाँ जी, सप्लीमेन्ट्री।

श्री ओ.पी. शर्मा : माननीय अध्यक्ष जी, मैं माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि अभी माननीय सिसोदिया जी ने जो बजट पेश किया है, उसमें बहुत जोर–शोर से ढिढोंरा पीटा गया कि शिक्षा और स्वास्थ्य

के लिए बजट में बहुत ज्यादा बढ़ाया गया है लेकिन आज इस सरकार के नौ महीने होने के बाद भी कोई एक भी भवन न तो बनना चालू हुआ है, न ही बना और जो बन चुके हैं जिनका डेढ़–डेढ़, दो–दो साल पहले सरकार को उनका पजेशन मिल गया है, उनमें भी काम चालू होने की स्थिति आज तक नहीं हुई है। जिसमें कि स्थानीय मेम्बर ऑफ पार्लियामेन्ट से लेकर वहां के एम.एल.ए. और वहां के कारपोरेटर सब लगातार जद्दोजहद कर रहे हैं। जैसे कि पीपलथला, आज दो साल से उसका पजेशन मिलने के बाद भी अगर वो आज जनता के प्रति समर्पित ही नहीं कर रहे हैं, तो होगा ये कि कुछ समय के बाद जो बने हुए भवन हैं...

अध्यक्ष महोदय : ओमप्रकाश जी, इस पर भाषण नहीं आप क्वेश्चन कर लीजिए। देखिए–देखिए, ये क्वेश्चन नहीं भाषण हो गया।

श्री ओ.पी. शर्मा : अगर ज्यादा समय लगेगा। भवन इस लायक नहीं रहेंगे, उनका दुबारा से पुनरूद्धार कराना पड़ेगा और जनता के खून–पसीने की कमाई खराब होगी। इसलिए मेरा आपसे नम्र निवेदन है कि कृपया इसमें जल्दबाजी करें। दूसरा, एक और छोटी सी बात आपकी आज्ञा से कहना चाहता हूं। मेरे क्षेत्र में डायलिसिस के लिए जो केन्द्र बन रहा था। बार–बार इस सदन में...

अध्यक्ष महोदय : हास्पिटल का नाम बोलिए। हास्पिटल का नाम बोलिए। किसमें बनना था डायलिसिस, कौन से हास्पिटल में। चलिए।

श्री ओ.पी. शर्मा : हेडगेवार हास्पिटल में। जो बन रहा था आज तक उसमे बारे में किसी प्रकार की कोई व्यवस्था समझ में नहीं आ रही है। हेडगेवार हास्पिटल की हालत बहुत खराब है। माननीय सी.एम. साहब वहां गये। अब मुझे पता नहीं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : फिर ये भाषण हो गया। अब क्वेश्चन रखिए भाई। आप मत बोलिए।...(व्यवधान) सदन शान्तिपूर्वक चलने दीजिए। ओमप्रकाश जी आप क्वेश्चन पूछिए न जी। आप क्वेश्चन कीजिए। आप क्वेश्चन कीजिए। आप हिस्ट्री में जाते हैं सारी।...(व्यवधान) ओमप्रकाश जी,

श्री ओ.पी. शर्मा : श्रीमान सी.एम. साहब वहां गये।

अध्यक्ष महोदय : फिर भाषण शुरू हो गये।

...(व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय : नहीं–नहीं। आम क्वेश्चन बोलिए न। आप क्वेश्चन बोलिए। आपका क्वेश्चन क्या है ओमप्रकाश जी, ओमप्रकाश जी, आपको क्वेश्चन करना आता नहीं है। आप सदन का समय बर्बाद कर रहे हैं। सिर्फ क्वेश्चन पूछिए।

...(व्यवधान)

श्री ओ.पी. शर्मा : अरे इतना झेलते हैं आपको। एक बार तो सुनो। आप बहुत बोल चुके रेडियो, टी.वी. पर। अब आप मत बोलो।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : राखी जी, प्लीज। मंत्री जी, आप जवाब दे दीजिए।

श्री ओ.पी. शर्मा : हास्पिटल में जो सारी व्यवस्था है। वो गड़बड़ है। वहां न तो दवाई है, न वहां डॉक्टर है। अव्यवस्था है और न वहां डायलिसिस के लिए। आधा सेकेण्ड, केवल आधा सेकेण्ड। डायलिसिस के लिए जो केन्द्र वहां बन रहा है। बार–बार पूछने के बाद उसकी क्या स्थिति है, उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। मेरा आपसे नम्र निवेदन है कि कृपया उसके बारे में जानकारी भी दें और जल्द से जल्द पब्लिक के लिए उसको खोल दिया जाए। धन्यवाद।

स्वास्थ्य मंत्री : देखिये, जो सलाह दी गयी है वह नोट कर ली गयी है। सलाह के लिए धन्यवाद। और जहां तक आपने कहा कि अस्पताल में, काफी डिस्कस करूंगा। आप भी जाके देखिएगा पहले से हालात काफी सुधार दिए गए हैं।

अध्यक्ष महोदय : ओमप्रकाश जी। अब आप...

श्री ओ.पी. शर्मा : स्वास्थ्य मंत्री जी, मैं आपकी बात से सहमत नहीं हूं।

स्वास्थ्य मंत्री : ठीक है जी, आपने जो भी सलाह दी है सबको नोट कर लिया गया है। उसको ठीक करने की कोशिश की जाएगी।

अध्यक्ष महोदय : वैसे मैं नहीं कह पा रहा हूं विजेन्द्र जी ने उत्तर क्यों नहीं दिया। हमारे यमुनापार में राजीव गांधी सुपर स्पैसियेल्टी हास्पिटल है। अनेक सालों से बन्द पड़ा था वहाँ बीस डायलिसिस मशीन इस सरकार के आने के बाद शुरू हो गयी हैं जिससे मुझे, मेरी बात सुन लीजिए। एक सेकेण्ड, ओमप्रकाश जी, आप विरोध कर लीजिए। आप विरोध करने के लिए बैठे हैं। देखिए, सच्चाई को तो समझिए। चलिए। आप विरोध करने के लिए तो बैठे हुए हो लेकिन जो सच्चाई है उसको मत छिपाइए। बीस डायलिसिस मशीन। मैं कम से कम दो–दो पेशेन्ट भेजता हूं। आप जगदीश जी से पूछिए। हुआ कि नहीं? चलिए। सरिता सिंह जी। सरिता सिंह जी, उपस्थित नहीं है, उनका कोई उनके परिवार में डेथ हो गयी है वो रायबरेली गयी हैं, उपस्थित नहीं है। उनका मेसेज आ गया था। श्री विजेन्द्र जी गर्ग।

श्री जरनैल सिंह (राजौरी गार्डन) : अध्यक्ष महोदय, इसी सवाल से सम्बन्धित ('ङ') भाग है कि सरकार ने मुहल्ला क्लीनिक एक हजार बनाने का

फैसला किया। सबसे पहले तो मैं सरकार को बधाई देता हूं। मैं मंत्री जी से सिर्फ इतना जानना चाहूंगा कि ये एक हजार मुहल्ला क्लीनिक किस समय तक बनकर तैयार हो जाएंगे, इसके बारे में जरूर बताएं।

स्वास्थ्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि मुहल्ला क्लीनिक का कान्सैप्ट पहली बार किया गया था। तीन महीने ट्रायल के ऊपर पायलट प्रोजेक्ट की तरह से इसको पीरागढ़ी में चलाया गया। कुछ लोगों को लगने लगा कि तीन महीने में एक बना था तो दूसरा क्यों नहीं बना। क्योंकि पहले इसके पीछे कोई हिस्ट्री नहीं थी उसको चलाया गया। उसमें जो भी कमियां दिखीं, उन्हें ठीक किया गया। कैबिनेट ने पिछले सप्ताह उसको पास कर दिया है। अब जल्द से जल्द एक हजार मुहल्ला क्लीनिक दिल्ली में बनाए जाएंगे। मैं सभी माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगा कि दिल्ली में आज तक 68 साल में दिल्ली सरकार ने ढाई सौ, तीन सौ डिस्पेन्सिरियां बनायी हैं। इतना बड़ा प्रोजेक्ट हमने दिल्ली सरकार में उठाया है एक हजार मुहल्ला क्लीनिक बनाने का। इसमें हमें सभी का सहयोग भी चाहिए। सभी को हमने पत्र भी लिखे हैं कि हमें जगह चिह्नित करके बतायें। सभी सदस्यों के सहयोग से हमें पूर्ण विश्वास है कि जल्द से जल्द इसे पूरा किया जाएगा।

अध्यक्ष महोदय : कोई सप्लीमेन्ट्री? अब ये अगले में ले लेना। वो भी हैल्थ से रिलेटेड है। बैठिए प्लीज। अब विजेन्द्र गर्ग जी। नहीं है। बस हो गया। पढ़ने की जरूरत नहीं है।

श्री विजेन्द्र गर्ग : अध्यक्ष महोदय, प्रश्न सं. 5 प्रस्तुत है :

क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सत्य है कि दिल्ली के प्राईवेट अस्पतालों द्वारा रोगियों से

मनमाने चार्ज वसूल करने की अनेक शिकायतें दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग को प्राप्त हुई हैं, और

(ख) यदि हाँ, तो सरकार द्वारा ऐसे अस्पतालों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की जा रही है?

स्वास्थ्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, प्रश्न सं. 5 का उत्तर प्रस्तुत है : (क) जी हाँ। निजी अस्पतालों द्वारा रोगियों से मनमाने चार्ज वसूल करने की शिकायतें कभी–कभी प्राप्त होती हैं।

(ख) दिल्ली नर्सिंग होम पंजीकरण एक्ट 1953 में बनाये गये नियम तथा इसमें किये गये संशोधन में प्राईवेट अस्पतालों द्वारा रोगियों से चार्ज लेने के लिए कोई नियम एवं कानून तय नहीं किये गये हैं। विभाग द्वारा इन शिकायतों का समय–समय पर निवारण कर दिया जाता है।

अध्यक्ष महोदय : हाँ जी, सप्लीमेन्ट्री कोई? गर्ग साहब। हाँ, बताइए। एक सेकेण्ड, विशेष जी।

श्री पवन कुमार शर्मा : सबसे पहले मंत्री जी को बधाई दूंगा कि गांधी विहार में जो गांधी नगर में है पहली पॉली क्लीनिक खोली गयी और मैं अनुरोध करूंगा कि मेरी विधान सभा में भी आदर्श नगर में भी ये पॉली क्लीनिक खोली जाए।

स्वास्थ्य मंत्री : दिल्ली सरकार ने जिस तरह से मुहल्ला क्लीनिक की स्कीम बनाई है, दिल्ली में एक हजार मुहल्ला क्लीनिक खोलने जा रहे हैं। उसी तरह ये पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर गांधी नगर में पहला पॉली क्लीनिक बनाया गया है। पॉली क्लीनिक के अन्दर पाँच या छः कन्सलटेन्ट सीनियर डाक्टर्स बैठेंगे।

एक्स–रे होंगे, अल्ट्रा साउन्ड होगा, ई.सी.जी. होगा। जो अस्पताल में सुविधाएं मिलती हैं। एडमिशन के अलावा कोशिश की जाएगी सारी सुविधाएं वहां पर मिल सकें। ये पायलट प्रोजेक्ट अगर ठीक से चलता है जो हम कोशिश कर रहे हैं। तीन महीने इसके ट्रायल को देखा जाएगा। फिर हमारा विचार है कि पूरी दिल्ली के अन्दर लगभग 70 हमारी विधान सभा है तो 140 या 150 के करीब पॉली क्लीनिक खोले जायेंगे। ताकि जिसको ईलाज कराना हो अस्पताल जाने की बजाय वह पॉलीक्लीनिक में pediatrician को दिखाना चाहते हैं gynecologists को दिखाना चाहते हैं, हड्डियों के डॉक्टर को दिखाना चाहते हैं, स्किन के डॉक्टर को दिखाना चाहते हैं या दांतों के डॉक्टर को दिखाना चाहते हैं, आँखों को दिखाना चाहते हैं तो आपको अस्पताल जाने की आवश्यकता नहीं पडेंगी। अस्पताल सिर्फ आप एडमिशन के लिये या इमरजेंसी में जायें, ऐसे प्रबंध किये जा रहे हैं और इसमें भी फिर से मैं चाहूंगा कि सभी साथियों का सहयोग मिलेगा और हम जल्द से जल्द पूरा करेंगे।

अध्यक्ष महोदय : विशेष रवि जी।

श्री विशेष रवि : अध्यक्ष महोदय, जैसे ये भाग 'ख' के उत्तर में बताया गया है कि प्राइवेट अस्पतालों में रोगियों से पैसा लेने पर कोई नियम नहीं है। ये आम शिकायत है कि अक्सर लोग आते हैं और कहते हैं कि जब हम वहां पर गये थे। हम एडमिट हुए थे तो हमें खर्चा कुछ बताया गया था और जब तक हम पेशेन्ट वहां से डिस्चार्ज होता है तब तक खर्चा डबल से ज्यादा हो जाता है। तो क्या यह संभव है कि दिल्ली सरकार कोई ऐसा नियम बनाये कि प्राइवेट अस्पतालों में खर्चे को लेकर कुछ नियम बन सकें?

अध्यक्ष mgkn; % उसका उत्तर दे चुके हैं वैसे। हां, मंत्री जी।

स्वास्थ्य मंत्री : अभी तक ऐसा प्राइवेट हास्पिटल में रेट फिक्स करने का कोई कानून नहीं है और कानून में रेट फिक्स करने का कोई विचार नहीं है।

अध्यक्ष महोदय : सिर्फ एक क्वेश्चन और में एलाउ कर रहा हूं श्री जगदीश प्रधान जी।

श्री जगदीश प्रधान : प्रश्न सं. 6 प्रस्तुत है :

क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बाबा साहेब अम्बेडकर अस्पताल, मेडिकल कॉलेज बनाने का निर्णय कब लिया गया था;

(ख) क्या इसको मेडिकल कॉलेज बनाने की सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गयी हैं;

(ग) यदि हां, तो यह कार्य कब तक पूरा हो जायेगा; और

(घ) इस मेडिकल कॉलेज को कब से प्रारंभ करने की योजना है?

स्वास्थ्य मंत्री : प्रश्न सं. 6 का उत्तर प्रस्तुत है :

(क) इस अस्पताल को मेडिकल कॉलेज बनाने का निर्णय 2013 में किया गया था। अम्बेडकर हास्पिटल की बात हो रही है।

(ख) मेडिकल कॉलेज बानने की सारी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं परमिशन हेतु Letter Medical Council of India के विचाराधीन है तथा निरीक्षण कार्य की प्रतीक्षा है।

(ग) Medical Council of India का अंतिम निर्णय आगामी शैक्षिक सत्र से पहले अपेक्षित है।

(घ) Medical Councial of India से अनुमति उपरांत यह अपेक्षा की जाती है कि आने वाले शैक्षणिक सत्र में मेडिकल कॉलेज में दाखिला संभव होगा।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, धन्यवाद।

सुश्री अलका लाम्बा : अध्यक्ष जी, मेरा प्रश्न स्वास्थ्य मंत्री जी से है सर, बहुत छोटा सा है।

अध्यक्ष महोदय : अलका जी, अलका जी

सुश्री अलका लाम्बा : सर, सैम्पल जो लिया गया है सर उस सैम्पल को कश्मीरी गेट, यमुना बाजार मंदिर से लिया गया। फूड कमिश्नर ने खुद सूचना दी। उसमें फंगस पाया गया। उसके बाद वह फाईल गायब हो गई है। अभी हमारे पास फूड कमिश्नर बैठी हैं। उनसे भी हमने स्वास्थ्य मंत्री के माध्यम से निवेदन किया कि वह फाईल कहां है, उसका पता किया जाना चाहिये। सर, एक विधायक की अगर शिकायत की फाईल गायब होती है तो यह गंभीर मामला है। आम आदमी स्वास्थ्य मंत्रालय की इस तरह की दुकानों पर जहां पर प्रसाद के नाम पर फंगस लगा हुआ जहरीला खाना लोगों में बांटा जाता है, मुझे लगता है गंभीर मामला है और मेरी फाइल गायब हो गई है।

स्वास्थ्य मंत्री : इस शिकायत की जांच कराई जायेगी जो भी दोषी हैं, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी।

अध्यक्ष महोदय : ये अंतिम सप्लीमैन्टरी है। चलिये, चलिये, बोलिये।

श्री एन. डी. शर्मा : सबसे पहले मैं अपनी सरकार को बधाई देता हूं कल छठ पर्व पर जो दिल्ली में सरकार ने पूर्वांचल वासियों को छुट्टी का तोहफा

दिया त्यौहार पर, उसके लिये मैं धन्यवाद देता हूं और जो व्यवस्था की है छठ पर्व के लिये, उसके लिये भी धन्यवाद देता हूं। उसके बाद मेरा प्रश्न है स्वास्थ्य मंत्री जी से, मेरी विधानसभा में करीबन नौ साल पहले एक हास्पिटल के लिये जगह एलाट करके और उसकी बाउन्ड्री कर दी थी और पिछली मुख्यमंत्री ने उसमें अपना नारियल भी फोड़ दिया था मेरी विधानसभा के लोग पिछले नौ साल से एक हास्पिटल के इंतजार में डेढ़ एकड़ जमीन है वो और आपके डिपार्टमेंट के नाम वो जमीन कर दी है। मेरे हिसाब से बाउन्ड्री ऑन रोड पर आपको जमीन मिल रही है। बदरपुर गरीब विधानसभा है और क्राउड रहता है तो कभी सोचियेगा और एक बार भी आ के कभी दौरा करियेगा उसमें एक हास्पिटल की जरूरत है हमें।

स्वास्थ्य मंत्री : पूरी दिल्ली के लिये अस्पतालों के लिये फस्ट स्टेज का प्लान बनाया जा चुका है हास्पिटल खोलने का। कुछ डेढ़ एकड़ की जमीन है मुझे देखना पड़ेगा। दिल्ली सरकार के पास अभी तक स्वास्थ्य विभाग में वह जमीन स्थानांतरित नहीं हुई है उसको स्थानांतरित करा दीजियेगा। जरूर अस्पताल बना दिया जायेगा।

तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

4- l|Jh lfjrk fl|g ½ क्या **उप मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि दिल्ली नगर निगम द्वारा व्यापारियों से कन्वर्जन चार्ज और पार्किंग चार्ज लिया जा रहा है;

(ख) क्या कन्वर्जन चार्ज और पार्किंग के वसूली चार्ज में दिल्ली सरकार की कोई भूमिका है;

(ग) क्या नगर निगम द्वारा मनमाने ढंग से वसूले जा रहे पार्किंग शुल्क एवं कन्वर्जन चार्ज को रोकने के मामले में दिल्ली सरकार कोई कदम उठा रही है;

(घ) क्या यह भी सत्य है कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा पिछले आठ सालों का पार्किंग चार्ज पेनेल्टी सहित लिया जा रहा है;

(ङ) यदि हाँ, तो यह किस अनुपात में और किस पॉलिसी के तहत लिया जा रहा है;

(च) क्या यह भी सत्य है कि टैक्स कलैक्शन ऑन लाइन होने के बावजूद पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा समय से टैक्स कलैक्शन व इसकी एंट्री नहीं हो रही है; और

(छ) यदि हाँ, तो पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा इसके लिए जिम्मेदार अफसरों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है?

उप मुख्यमंत्री : (क) दिल्ली मास्टर प्लान–2021 के प्रावधानों के अनुसार रिहायशी भूखण्डों पर अनुमान्य व्यावसायिक गतिविधियां चलाने पर कन्वर्जन चार्ज और पार्किंग चार्ज देय है। ये चार्ज भारत सरकार की अनुमति से दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा जारी नोटिफिकेशन दिनांक 22.06.2007 के अनुसार लिये जा रहे

है। नोटिफिकेशन की कॉपी संलग्न है।

(ख) कन्वर्जन चार्ज और पार्किंग चार्ज की वसूली में दिल्ली सरकार की कोई भूमिका नहीं है।

(ग) उत्तर, दक्षिण एवं पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा कन्वर्जन चार्ज एवं पार्किंग चार्ज दिल्ली मास्टर प्लान के प्रावधानों एवं नोटिफिकेशन दिनांक 22.06.2007 में निर्धारित दरों के हिसाब से लिये जा रहे हैं।

(घ) नोटिफिकेशन दिनांक 22.06.2007 के अनुसार पार्किंग चार्ज एकमुश्त देय है। भुगतान में विलम्ब होने पर 8 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज देय है।

(ङ) उपरोक्तानुसार।

(च) कन्वर्जन चार्ज और पार्किंग चार्ज स्वतः आकलन के अनुसार व्यावसायिक गतिविधि उपयोगकर्ता द्वारा भवन विभाग के दफ्तर में जमा कराये जाते हैं। इसके लिए ऑन–लाइन सुविधा भी उपलब्ध है। आरम्भ में रसीद की कॉपी को ही रिकार्ड के रूप में रखा जाता था, परन्तु अब सभी रसीदों को कम्प्यूटर में दर्ज किया जा रहा है। पुराने रिकार्ड को भी कम्प्यूटर में दर्ज करने का काम शुरू कर दिया गया है।

(छ) पूर्वी दिल्ली नगर निगम, उपलब्ध संसाधनों के अनुसार रिकार्ड को कम्प्यूटर में दर्ज करने का यथासंभव कार्य कर रहा है। इस मामले में किसी अफसर के खिलाफ कोई कार्रवाई करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

[फा.सं. 20(4½@05@,e ih@Hkkx-II]

fo'oekgu cl y] i/kku vk;Dr&,o lfpo

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd June, 2007

Delhi Development Authority (Fixation of Charges for Mixed Use and Commercial Use of Premises) Regulations, 2006

S.O. 1015(E).- In exercise of the powers conferred by Section 57 of the Delhi Development Act, 1957(61 of 1957), the Delhi Development Authority with the previous approval of the Central Government hereby makes the following modification to Notification No. S.O. 1993(E) dated 20th November, 2006 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii) :

(1) Para 3 shall be substituted by the following :

"**3. APPLICATION :** These Regulations shall apply to residential premises being used for non-residential activity in accordance with the Mixed Use regulations contained in the Master Plan of Delhi, with the perspective for the year 2021."

(2) Para 5 shall be substituted by the following :

"5. ANNUAL MIXED USE CHARGES

5.1 The premises under mixed use shall be subject to levy of Annual Mixed Use charges for the period upto which the prem.ses remain/likely to remain under mixed use. The Annual Mixed Use Charges for the Financially year 2006-07 for 2006-07 for different categories of colonies shall be as under:

(a) For MCD areas :

(Rates in Rs. Per Sqm. built up area)

Sl.No.	Type of mixed use	A & B Category of colony	C&D Category of colony	E, F & G Category of colony
1.	Retail Shops	767	511	192
2.	Other Activities	383	256	96
3.	Professional Activities	192	128	48

(a) For NDMC areas :

1.	Retail Shops	1534
2.	Other Activities	766
3.	Professional Activities	384

5.2 The payment of annual mixed-use charges shall be made by the owner/allottee/resident user of the premises to the local authority voluntarily before 30th June of every year in respect of the previous assessment year, or part there of, in proportion to that part, For the 2006-2007, 1/4th of the annual mixed use charges shall be paid on of before 30-06-2007 and the balance 3/4th shall be paid on or before 30-09-2007. For the subsequent assessment years, the entire charges are to be paid on or before 30th June of that year.

5.3 These rates shall remain in force in respect of subsequent years also unless specifically revised and not notified with the approval of the Central Government.

5.4 The owner/allottee/resident/user of the premises shall have option to make one time payment of mixed use charges, which shall be as follows for the year 2006-07 :

(a) For MCD areas :

Sl.No.	Type of mixed use	A & B Category of colony	C & D Category of colony	E, F & G Category of colony
1.	Retail Shops	6136	4088	1536
2.	Other Activities	3064	2048	768
3.	Professional Activities	1536	1024	384

(a) For NDMC areas :

1.	Retail Shops	12272
2.	Other Activities	6128
3.	Professional Activities	3072

5.5 The payment of one time mixed use charges for the year 2006-07 may be made in four equal quarterly installments, the first, instalments of which shall be paid on or before 30-06-2007.

5.6 The mixed use charges of villages and rehabilitation colonies in NDMC areas shall be equal to the charges for the various categories of MCD colonies.

(3) Para 6 shall be substituted by the following :

"6. The Annual mixed use charge for mixed land streets/commercial streets/ areas shall be the same."

(4) Para 7 shall be substituted by the following :

"7. ONE TIME CHARGES FOR DEVELOPMENT OF PARKING

7.1 The owner/allottee/resident/user of the plot/dwelling unit under mixed land use shall also be liable to pay one time charges for development of parking and such rate for one ECS per 50 Sqm, of plot area shall be as under for the year 2006-07 :

(a) For MCD areas :

A & B Category of colonies	Rs. 2,10,500
C & D Category of colonies	Rs. 1,49,750
E, F & D Category of colonies	Rs. 66,500

(b) For NDMC areas :

Rs. 2,10,500 for one ECS per 50 Sqm. of plot area.

7.2 Out of the Total one time charges for development of parking 1/3rd shall be paid on or before 30-06-2007 and the remaining 2/3rd by 31-03-2008.

7.3 No development charges for parking shall be payable by small shop owners of area upto 20 Sqm. dealing with the items/activities as defined in para 15.6.3 of the Master Plan for Delhi 2021 in respect of any category of colonies.

7.4 Development charge shall also not be payable by owner/allottee/resident/user of the plot/ dwelling units falling under notified pedestrian shopping streets."

(5) Para 9 shall be substituted by the following :

"9. Penalty

9.1 Delay in payment of Development charges for parking or mixed use charges of the relevant financial year shall be compoundable on payment of interest at 8% p.a.

9.2 The property found under mixed use without declaration or registration or in violation of the relevant provisions of the Master Plan for Delhi 2021 and these regulations, shall be liable for penal action under the relevant Act by the local body concerned and also a penalty amounting to 10 times the annual conversion charge for mixed use shall be imposed."

[File No. 20(4)05/MP/Pt. II]

V.M. BANSAL, Pt. Commissioner-cum Secy.

7- Jh on i:dk'k % क्या **उप मुख्यमंत्री** जी यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बवाना विधान सभा क्षेत्र के कौन–कौन सी अनाधिकृत कॉलोनियां नियमित नहीं की गई हैं। उसका पूर्ण विवरण क्या है;

(ख) इन कॉलोनियों को नियमित न करने के क्या कारण हैं; और

(ग) इन अनाधिकृत कॉलोनियों को नियमित करवाने के लिए दिल्ली सरकार की क्या योजना है?

उप मुख्यमंत्री : (क) बवाना विधान सभा क्षेत्र की अनाधिकृत कालोनियों (कुल 69) की सूची संलग्न है।

(ख) इन कॉलोनियों में अनेक कमियां पाई गईं जैसे : सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा सीमाओं का अनुचित चित्रण, भूमि स्थित रिपोर्ट का मिलान न होना, एक

से अधिक अनाधिकृत कॉलोनियों को ले आउट प्लान का एक दूसरे पर ढक लेना, वन विभाग आपत्ति, भारतीय पुरातत्व विभाग प्रतिबंधन और डी.डी.ए. से रुकावट का निर्धारण न हो पाना, आकाशिय चित्रों में अनाधिकृत कॉलोनियों के कुछ क्षेत्रों को न दिखाना। इन कारणों की वजह से अनाधिकृत कॉलोनियों का सीमा निर्धारण नहीं हो सका। शहरी विकास मंत्रालय भारत सरकार की अधिसूचना दिनांक 01.01.2015 के बाद, पत्र दिनांक 03.07.2015 के द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि अनाधिकृत कॉलोनियों की नियमितिकरण के लिए कॉलोनियों की बसावट 05.02.2007 की बजाय 01.1.2015 को 50 प्रतिशत होनी आवश्यक है। तद्नुसार जियो स्पेशियल दिल्ली लिमिटेड (G.S.D.L) से नवीनतम डाटा मंगाया जा रहा है।

(ग) अनाधिकृत कॉलोनियां अधिसूचना 24.03.2008 और उसके बाद हुए संशोधनों के अनुसार नियमितकरण के लिए विचाराधीन है।

List of AC Bawana in the list of other than 895 Ucs

Sl. No.	Reg. no.	Part	Name of Colony	New District
1	2	3	4	5
1.	25		Harijan Colony, Village-Harewali, Delhi-39	North
2.	123		Prahlad Vihar, Gupta Colony, Bawana	North
3.	156	A	Krishna Vihar Colony, Bawana, New Delhi-39	North
4.	156	B	Krishna Vihar Colony, Bawana, New Delhi-39	North
5.	157		Sri Enclave Pansali, Rohini, Delhi-42	North
6.	219		Vijay Nagar, Bawana, Delhi-37	North
7.	254		Prahlad Vihar, Phase-II, Pappu Colony, Block A& B, Bawana, Delhi	North
8.	255	A	Qutabgarh Extn. Colony, Kanjhawla Delhi-39	North West
9.	255	B	Qutabgarh Extn. Colony, Kanjhawla Delhi-39	North West
10.	255	C	Qutabgarh Extn. Colony, Kanjhawla Delhi-39	North West
11.	258		Jain Colony (Nanesh Enclave) Village Barwala, Bawana Road, Delhi-39	North
12.	339		Shri Krishana Colony Harewali, Delhi-39	North
13.	437		Harijan Colony B-Block, Harewali, Delhi-39	North
14.	570		Shiv Colony, Katewada, Delhi-39	North
15.	583		Rajiv Nagar Extn., Dhiraj Vihar, Sultan Puri, New Delhi	North West
16.	587		Balaji Enclave, Punjab Kho, Delhi-81	North West
17.	590		Rajeev Nagar, Begampur, Ph-3 Main Kanjhawala Road, Delhi-41	North West

List of AC Bawana in the list of other than 895 Ucs

Name of Assembly Constituency	Report Builtup% given by GSDL (As on date, 2007)	Report Builtup% given by GSDL (As on date, 2002)	Forest Objected	ASI Objected	DDA Hindrace
6	7	8	9	10	11
Bawana (07)	28.18	27.00	No	No	No
Bawana (07)	24.52	20.00	No	No	Yes
Bawana (07)	20.70	10.00	Yes	No	No
Bawana (07)	19.45	10.00	Yes	No	No
Bawana (07)	41.77	38.00	No	No	Yes
Bawana (07)	42.49	36.00	No	No	No
Bawana (07)	30.00	26.00	No	No	Yes
Bawana (07)	20.51	15.00	No	No	No
Bawana (07)	26.60	22.00	No	No	No
Bawana (07)	16.63	12.00	No	No	No
Bawana (07)	31.22	24.00	No	No	Yes
Bawana (07)	Na	Na	No	No	No
Bawana (07)	25.83	24.00	No	No	No
Bawana (07)	51.02	40.00	No	No	No
Bawana (07) Mundka (08)	36.68	34.00	No	No	Yes
Bawana (07)	29.31	5.00	No	No	No
Bawana (07)	28.81	15.00	No	No	Yes

1	2	3	4	5
18.	595		Ishwer Colony Ext., III Bawana, Delhi-39	North
19.	608		Naveen Vihar, Begampur, Delhi-41	North West
20.	658		Indraj Colony (Bawana Extn.) Kanjhawala Road, Bawana, Delhi-39	North
21.	721		Begumpur Extn. Rajiv Nagar, Delhi-41	North West
22.	726	A	Shiv Vihar, Shahbad-Daulatpur, Bawana, Delhi-42	North
23.	726	B	Shiv Vihar, Shahbad-Daulatpur, Delhi-42	North
24.	761		Kailash Vihar Pansali Post Parhladpur Bangar Delhi-42	North
25.	765	A	Pehladpur (Banger) Extn. Village Pehladpur Delhi-42	North
26.	765	B	Pehladpur (Banger) Extn. Village Pehladpur Delhi-42	North
27.	765	C	Pehladpur (Banger) Extn. Village Pehladpur Delhi-42	North
28.	765	D	Pehladpur (Banger) Extn. Village Pehladpur Delhi-42	North
29.	829	A	Rajni Vihar Begum Pur Extn. Barwala Road Delhi-41	North West
30.	829	B	Rajni Vihar Begum Pur Extn. Barwala Road Delhi-41	North West
31.	854		Uzala Harijan Colony Santi Road Qutab Garh Delhi-39	North West
32.	858		Ramesh Nagar Bawana, Near Harijan Basti, Delhi-39	North
33.	888		Krishan Colony Prahlad Vihar Rohini, Delhi	North
34.	961		Rajiv Nagar Begum Pur Ph-II Delhi-41	North West
35.	981		Anand Vihar Colony Pooth Khurd Bawana Road Delhi-39	North
36.	992		Qutab Garh Enclave Qutab Garh Delhi-39	North West
37.	1049		Begampur Extn. (Begam Vihar Block A B C D E) Delhi-41	North West
38.	1049	A	Begampur Extn. (Begam Vihar Block A B C D E) Delhi-41	North West

6	7	8	9	10	11
Bawana (07)	42.16	38.00	No	No	No
Bawana (07)	42.87	30.00	Yes	No	Yes
Bawana (07)	55.00	45.00	No	No	No
Bawana (07)	36.49	32.00	No	No	Yes
Bawana (07)	41.98	36.00	No	No	Yes
Bawana (07)	33.62	30.00	No	No	Yes
Bawana (07)	21.08	15.00	No	No	Yes
Bawana (07)	29.66	25.00	No	No	Yes
Bawana (07)	Na	Na	No	No	Yes
Bawana (07)	71.99	70.00	No	No	Yes
Bawana (07)	76.00	73.00	No	No	Yes
Bawana (07)	19.78	14.00	No	No	Yes
Bawana (07)	7.91	1.00	No	No	Yes
Bawana (07)	27.25	22.00	No	No	No
Bawana (07)	Na	Na	No	No	No
Bawana (07)	18.66	16.00	No	No	Yes
Bawana (07)	39.12	35.00	No	No	Yes
Bawana (07)	22.82	20.00	No	No	Yes
Bawana (07)	32.24	28.00	No	No	No
Bawana (07)	76.77	73.00	No	No	Yes
Bawana (07)	30.80	25.00	No	No	Yes

1	2	3	4	5
39.	1049	B	Begampur Extn. (Begam Vihar Block A B C D E) Delhi-41	North West
40.	1071	A	Deep Vihar Pansali, Pooth Kalan Perladpur Delhi-42	North
41.	1071	B	Deep Vihar Pansali, Pooth Kalan Perladpur Delhi-42	North
42.	1116		Prahlad Vihar Near Sect-25 Rohini, Delhi	North
43.	1170		Durga Enclave Vishal Enclave Delhi-81	North West
44.	1205		Qutub Garh Extn. Nai Basti Delhi-59	North West
45.	1304		Shahbad Extn. Shahbad, Delhi	North
46.	1307	B	Rajiv Nagar Extn. Begumpur Delhi-41	North West
47.	1307	C	Rajiv Nagar Extn. Begumpur Delhi-41	North West
48.	1307	A	Rajiv Nagar Extn. Begumpur Delhi-41	North West
49.	1308		Begam Pur Extn. Delhi-41	North West
50.	1482		Sanjay Nagar, Bawana Extn. Bawana, Delhi-39	North
51.	1494		Ishwar Colony Extn. Ph-II, Left Out Portion, Kanjhwawala Road, Bawana	North
52.	138-(ELD)		Village Begumpur Delhi-86	North West
53.	61-(ELD)		Village Prahladpur & Extn. Abadi Delhi-85	North
54.	7-(LoP)		Sahabad Extn Lal Dora Part-II, Main Bawana Road, Sahabad Daulat Pur Delhi-42	North
55.	73-(ELD)		Pooth Kalan Extnded Abadi Delhi-86	North West
56.	76-(ELD)		Khera Kalan & Khera Garhi Extnded Abadi Post Office Khera Khalan Delhi-82	North
57.	88-(ELD)		Sultanpur Dabas Extn. Delhi-39	North
58.	89-(ELD)		Prahlad pur (Banger) Extn. Delhi-42	North

6	7	8	9	10	11
Bawana(07)	Na	Na	No	No	Yes
Bawana(07)	20.20	16.00	No	No	Yes
Bawana(07)	Na	Na	No	No	Yes
Bawana(07)	23.39	15.00	No	No	Yes
Bawana(07)	13.44	8.00	No	No	No
Bawana(07)	31.10	28.00	No	No	No
Bawana(07)	27.39	20.00	No	No	Yes
Bawana(07)	Na	Na	Yes	No	Yes
Bawana(07)	Na	Na	Yes	No	Yes
Bawana(07)	Na	Na	Yes	No	Yes
Bawana(07)	41.74	36.00	No	No	Yes
Bawana(07)	17.68	10.00	No	No	No
Bawana(07)	50.24	45.00	No	No	No
Bawana(07)	38.48	34.00	No	No	Yes
Bawana(07)	25.96	24.00	No	No	No
Bawana(07)	34.16	26.00	No	No	Yes
Bawana(07)	80.62	75.00	No	No	No
Bawana(07)	50.69	35.00	No	No	Yes
Bawana(07)	34.40	30.00	No	No	No
Bawana(07)	35.52	30.00	No	No	Yes

List of AC- Bawana in 895 Ucs

Sl. No.	Reg No	Part	Name Colony	District	Name of Assembly Constituency	Development order
1.	86		Ishwar Colony Extn., Ph-I Bawana, New Delhi-39	North	Bawana(07)	895
2.	385		Krishan Vihar, (Pooth Kala)	North West	Bawana(07)	895
3.	450		Pooth Kala Abadi, Delhi-41 {Also Cover 97 (ELD)}	North West	Bawana(07)	895
4.	477		Hashthal Colony Narela Road, Bawana, Delhi-39	North	Bawana(07)	895
5.	659		Ishwar Colony Extn. (Phase-II) Bawana, Delhi-39	North	Bawana(07)	895
6.	918		Ishwar Colony Bawana New Delhi-39	North	Bawana(07)	895
7.	1029		Mann Enclave Khera Khurd Delhi-82	North	Bawana(07)	895
8.	1294		Village.,] Pooth Kalan Extn, Abadi, Delhi	North West	Bawana(07)	895
9.	1379		Udai Vihar Kanjhawala Delhi-81	North West	Bawana(07)	895
10.	102-(ELD)		Extended Abadi Village Pooth Kalan Delhi-86	North West	Bawana(07)	895
11.	47-(ELD)		Village Pooth Kalan Extn., Abadi, Delhi-86	North West	Bawana(07)	895

8. **राजेन्द्र पाल गौतम** : क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, ताहिरपुर को पूर्णरूपेण प्रारम्भ करने की प्रक्रिया चल रही है;

(ख) यदि हाँ, तो यह अस्पताल कब तक पूर्णरूपेण शुरू हो जाएगा;

(ग) क्या इस अस्पताल में सभी पदों पर नियमित भर्ती किये जाने तक कांट्रेक्ट आधार पर नियुक्ति किये जाने की योजना सरकार के विचाराधीन है; और

(घ) यदि हाँ, तो क्या उक्त प्रक्रिया में सभी प्रकार के आरक्षण को भी लागू किया जायेगा?

स्वास्थ्य मंत्री : (क) जी हाँ।

(ख) पहले चरण में मार्च, 2016 तक 250 बिस्तर क्रियान्वित करने की प्रक्रिया चल रही है।

(ग) जी हाँ।

(घ) जी हाँ। इसमें सभी प्रकार के आरक्षण को लागू किया जाएगा।

9. **श्री पवन कुमार शर्मा** : क्या **उप मुख्यमंत्री** जी यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि 'एम–2 के विक्टोरिया गार्डन' प्रबन्धन द्वारा आजादपुर टर्मिनल के पास जमीन पर अनाधिकृत कब्जा किया हुआ है;

(ख) क्या यह भी सत्य है कि 'एम–2 के विक्टोरिया गार्डन' प्रबन्धन द्वारा जी.टी. करनाल रोड की तरफ बने पार्क व नाले को तोड़कर उस जमीन पर भी कब्जा किया गया है;

(ग) यदि हां, तो इसका विवरण क्या है;

(घ) क्या यह भी सत्य है कि 'एम–2 के विक्टोरिया गार्डन' प्रबन्धन द्वारा प्लाट के साथ वाले डी.डी.ए. पार्क में दो बड़े–बड़े गेट बना दिए गए हैं;

(ङ) यदि हां तो, ये गेट किसकी अनुमति से और कब बनाए गए;

(च) क्या यह भी सत्य है कि उक्त प्रबन्धन द्वारा इस पार्क में सौन्दर्यकरण के नाम पर कार्य करवाया जा रहा है; और

(छ) उक्त प्रबन्धन द्वारा किए गए इन अवैध कब्जों को हटाने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की जा रही है?

उप मुख्यमंत्री : (क) इसकी सूचना डी.डी.ए. से एकत्र की जा रही है और वी.सी., डी.डी.ए. को पत्र लिखा गया है कि सदन को जानकारी उपलब्ध करायें।

(ख) उपरोक्त

(ग) उपरोक्त

(घ) दिल्ली विकास प्राधिकरण की एडाप्सन नीति के नियम एवं शर्तों के आधार पर 'एम–2 के विक्टोरिया गार्डन' को दिल्ली विकास प्राधिकरण ने यह पार्क विकास एवं रख–रखाव के लिए दिया हुआ है जिसका क्षेत्रफल 5.36 एकड़ है अतः गेट उसके काम की सुविधा के लिए हो सकते हैं।

(ङ) यह पार्क अडोपशन के लिए दिनांक 17.8.15 को दिया गया था, उसी के आधार पर गेट बनाए गये।

(च) हां।

(छ) प्रबन्धन द्वारा किए गए अवैध कब्जों की सूचना एकत्र की जा रही है। अवैध कब्जों को हटाने के लिए सरकार उचित कार्रवाई करेगी।

10. सुश्री अलका लाम्बा : क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) खाद्य संरक्षा विभाग में कुल स्वीकृत पदों की संख्या कितनी है;

(ख) इनमें से कितने पद भरे हुए हैं;

(ग) जांच के लिए नमूने लिए जाने की क्या प्रक्रिया है;

(घ) खाद्य संरक्षा विभाग द्वारा जांच हेतु पिछले तीन वर्षों में कुल कितने नमूने लिए गए;

(ङ) इनमें से कितने नमूने मिलावटी पाए गए;

(च) मिलावटी पाए गए नमूनों के सम्बन्ध में सरकार द्वारा क्या कानूनी कार्रवाई की गई;

(छ) मिलावटखोरी के विरुद्ध आाम आदमी द्वारा शिकायत दर्ज कराने की क्या प्रक्रिया है; और

(ज) नमूने उठाने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के संबंध में सरकार की क्या नीति है?

स्वास्थ्य मंत्री : (क) कुल स्वीकृत पदों की संख्या–216 है।

(ख) भरे हुए पद 136 हैं।

(ग) विभागीय खाद्य संरक्षा अधिकारियों द्वारा नमूने अधिनियम में निर्धारित प्रक्रिया अनुसार लिए जाते हैं जो कि निम्नलिखित है। खाद्य संरक्षा अधिकारी के द्वारा खाद्य पदार्थ के नमूना क्रय करने के बाद उसके चार बराबर भाग किए जाते हैं तथा अधिकारी की मोहर के द्वारा सीलबंद किए जाते हैं। इसके बाद पदनामित अधिकारी की हस्ताक्षरित पर्ची चारों भागों पर चिपकाई जाती है तथा नमूने को फिर से सीलबंद किया जाता है तथा खाद्य विक्रेता के हस्ताक्षर चारों नमूने के भागों पर लिए जाते हैं। इनमें से एक भाग प्रयोगशाला में भेजा जाता है तथा दूसरा भाग विक्रेता यदि चाहे तो निर्दिष्ट प्रयोगशाला में जांच के लिए भेज सकते हैं अन्यथा यह भाग तथा अन्य दो भाग पदनामित अधिकारी के पास जमा करा दिए जाते हैं।

(घ) खाद्य संरक्षा विभाग द्वारा जांच हेतु पिछले तीन वर्षों में कुल 4054 नमूने लिए गए, जिसका विवरण वर्षानुसार निम्न है :

2012—13 —1382

2013—14 —1188

2014—15 —1484

(ङ) 415 निम्न प्रकार से :

1. मिसब्रान्डेड	—	100
2. सबस्टैंडर्ड	—	119
3. अनसेफ	—	164
4. वेरियसन	—	32

(च) उक्त सभी मामलों में निर्दिष्ट न्यायालयों में मुकदमा दर्ज किया गया।

(छ) आम आदमी द्वारा निम्न माध्यमों से शिकायत दर्ज की जा सकती है।

1. लिखित शिकायत–आयुक्त, खाद्य संरक्षा विभाग, 8वींमंजिल, मयूर भवन, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली–110001

2. हेल्पलाईन नं. 1800113921

3. ऑन–लाईन ई–मेल आईडी www,cfss.delhi@nic.in पर

4. पी.जी.एम.एस. पोर्टल द्वारा

(ज) 1. कुछ समय पहले एक नमूने उठाने की प्रक्रिया ऐसी थी खाद्य संरक्षा अधिकारी के क्षेत्र निर्धारित थे और वे अपने क्षेत्र में जाकर नमूने उठाते थे। इस तरह खाद्य व्यापारियों और खाद्य अधिकारियों के बीच सांठ–गांठ की संभावना ज्यादा थी।

2. इस बीच संभावना को ध्यान में रखते हुए वर्तमान में किसी भी खाद्य संरक्षा अधिकारी को कोई क्षेत्र निर्धारित नहीं किया गया है। सभी निरीक्षण कार्यक्रम मुल्याकन से बनाये जाते हैं और वे गोपनीय होते हैं। यह सभी निरीक्षण कार्यक्रम विभाग के उच्च अधिकारी के निरीक्षण में होते हैं।

3. खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा खाद्य नमूना क्रय करने के लिए अब विभाग नमूने का मूल्य चेक द्वारा अदा करने का आदेश दिया गया है।

4. भविष्य में नमूना उठाने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए विभाग द्वारा विभिन्न संगठनों जैसे आर डब्ल्यू ए, ट्रेड एसोसिएशन, मार्केट एसोसिएशन तथा अन्य खाद्य सामग्री निर्माताओं के साथ सम्वाद किया जाएगा तथा सभी खाद्य व्यापारियों की परेशानियों को निपटाया जाएगा।

11. श्री आदर्श शास्त्री : क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मैगी नूडल्स में उच्च मात्रा में पाये गए सीसे की घटना के सामने आने पर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने एवं दिल्ली के लोगों को भविष्य

में अच्छी गुणावत्ता के उत्पाद उपलब्ध कराने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ख) क्या यह सत्य है कि सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादों, फलों एवं सब्जियों की नियमित रूप से जांच की जाती है;

(ग) यदि हाँ, तो पिछले दो वर्षों में इनके कितने नमूनों में मिलावट पाई गई;

(घ) मिलावट के लिए दोषियों के खिलाफ सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई;

(ङ) क्या यह सत्य है कि पर्याप्त प्रशिक्षित कर्मचारियों की समस्या से जूझ रहे खाद्य संरक्षा विभाग को पुनर्गठन करने की योजना सरकार के विचाराधीन है; और

(च) यदि हाँ, तो उसका पूर्ण विवरण क्या है?

स्वास्थ्य मंत्री : (क) मैगी नूडल्स में सीसा का उच्च मात्रा में पाये जाने के बाद विभाग ने कई प्रकार के अन्य नूडल्स तथा पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के और भी नमूने उठाये हैं तथा जाँच के लिए भेज दिए गए हैं। इस प्रकार से भविष्य में भी खाद्य पदार्थ के डिब्बाबंद नमूने जाँच के लिए उठाये जाते रहेंगे।

विभिन्न निर्माता कम्पनियों से सम्वाद करके उन सब को ऐसी घटनाओं की पुर्नावृत्ति न हो, जानकारी दी जा रही है।

विभिन्न प्रकार के डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ के 100 नमूनों (सर्विलांस सैम्पल) को केवल निगरानी रखने के लिए उठाया गया है। जिनकी जाँच करवाई गई, सभी नमूने मानक स्तर के पाये गए।

(ख) जी, हाँ।

(ग) दुग्ध उत्पादों के 16 नमूने मानक स्तर के अनुसार नहीं पाए गए तथा

फल एवं सब्जी के नमूनों में कीटनाशक रसायनों की जाँच समय–समय पर की जाती हैं।

(घ) सभी दोषियों के खिलाफ निर्दिष्ट न्यायालयों में मुकदमा दर्ज किया गया।

(ङ) जी, हाँ।

यह सत्य है कि खाद्य संरक्षा विभाग अभी पर्याप्त प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी से जूझ रहाा है तथा और कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड को भेजा जा चुका है।

खाद्य संरक्षा विभाग तथा औषधि नियंत्रण विभाग दोनों ही स्वास्थ्य विभाग, दिल्ली सरकार के अन्तर्गत आते हैं। इन दोनों को मिलाकर खाद्य और औषधि विभाग बनाने की योजना का प्रस्तावना दिल्ली डायलॉग कमीशन को स्वीकृति के लिए भेजा जा चुका है।

(च) नये बनाये जाने वाले एफ डी ए विभाग (खाद्य संरक्षा विभाग तथा औषधि नियंत्रण विभाग) के अन्तर्गत कुछ नये पदों का सृजन किया जाना है, जिसकी रूपरेखा तैयार की जा रही है।

12. **श्री जगदीप सिंह** : क्या **उप मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि दक्षिण दिल्ली नगर निगम द्वारा ठीक से सफाई न किए जाने के कारण सड़कों पर जगह–जगह कूड़ा बिखरा रहता है,

(ख) इस क्षेत्र में सफाई का कार्य वहन करने वाली निजी संस्था द्वारा उत्पन्न अस्वास्थ्यकर एवं अनर्थकारी स्थिति को नियंत्रित करने हेतु दक्षिण दिल्ली नगर निगम द्वारा क्या कार्रवाई की गई है; और

(ग) इस प्रकार की अस्वास्थ्यकर एवं अनर्थकारी स्थिति उत्पन्न करने के लिये सरकार द्वारा दक्षिण दिल्ली नगर निगम के विरूद्ध क्या कार्रवाई की गई है?

उप मुख्यमंत्री : (क) जी नहीं दक्षिणी दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में सफाई नहीं की जाने के बारे में कोई ऐसा मामला प्रकाश में नहीं आया है।

(ख) निजी संस्था द्वारा कार्य किये जाने की समीक्षा रोजाना जोनल स्टाफ द्वारा की जाती है। एवं एक स्वतंत्र संस्था को भी दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने नियुक्त किया है, जो निजी संस्था के कार्य पर नजर रखती है।

(ग) उपरोक्तानुसार लागू नहीं है।

13. श्री राजेन्द्र पाल : क्या **उप मुख्यमंत्री** जी यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकारी मार्गों एवं पार्कों में लगातार निर्माण किए जा रहे धार्मिक ढांचों को हटवाने की दिशा में सरकार द्वारा कोई नीति बनाई गई है;

(ख) यदि हां, तो उसका क्या विवरण है;

(ग) क्या भविष्य में ऐसे अतिक्रमण को रोकने की कोई नीति सरकार के विचाराधीन है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

उप मुख्यमंत्री : (क), (ख), (ग) और (घ) धार्मिक अवैध निर्माण हटाने के लिए गृह विभाग में एक समिति है। यह समिति ऐसे सभी अवैध निर्माण पर विचार कर सरकार को अपनी अनुशंसा पेश करती है। ऐसे अतिक्रमण के लिए अलग से कोई नीति नहीं है और न ही विचाराधीन है। इस सम्बन्ध में गृह विभाग (दिल्ली सरकार) के आदेश/परिपत्र दिनांक 04.03.91 व 05.05.14 संलग्न है।

पूरक सामग्रीः माननीय उपराज्यपाल, दिल्ली के आदेश दिनांक 18.02.1991 के तहत सचिव (गृह), दिल्ली सरकार, की अध्यक्षता में एक समिति गठित है। जिसके अन्य सदस्य अतिरिक्त आयुक्त (स्पेशल ब्रांच), दिल्ली पुलिस, अतिरिक्त आयुक्त

(सम्बन्धित रेंज), दिल्ली पुलिस एवं सम्बन्धित भूमि स्वामित्व संस्थानों के प्रतिनिधि हैं। यह समिति निर्णय लेने से पहले विभिन्न पहलुओं पर विचार करती है। जिनका विवरण परिपत्र दिनांक 05.05.2014 में वर्णित है। कॉपी संलग्न है।

No. F. 11/50/91-H.P. II
Delhi Administration Delhi
Home (Police-II) Department

5, Sham Nath Marg, Delhi-54
Dated, the1991

To

1. The Secretary (Home), Delhi Administration, Delhi.
2. The Addl. Commissioner of Police (Spl. Branch), Delhi.
3. The Addl. Commissioner of Police (Range), Delhi.
4. The Commissioner, MCD, Delhi.
5. The Administrator, NDMC, New Delhi.
6. Vice Chairman, DDA, Delhi.

Sub : Regarding authorizing a committee or demolition of religious structure on Public and which are in the nature of encroachment.

Sir,

I am directed to inform you that Hon'ble Lt. Governor, Delhi has desired vide orders dated 18.2.91 for constitution of a committee comprising of **Secretary (Home), Addl. Commissioner of Police (Spl. Branch), Addl. Commissioner of Police of the range con-corned and the representatives of the land owning agency to deal directly with demolition of religious structures on public lands which are in the nature of encroachments and needs to be demolished.**

It is also informed that the committee referred to above will be fully authorized to take any decision on any such encroachments.

Yours Faithfully,

Sd/-
(M.U. Siddiqui)

Deputy Decretory (Home)
No. F.11/M.ISS/RC/2013/HP-II/3572-78
GOVERNMENT OF NCT OF DELHI
HOME (POLICE-II) DEPARTMENT
5th LEVEL, C-WING, DELHI SECRETARIAT, NEW DELHI

Dated : 5/05/2014

CIRCULAR

1. A Committee (generally referred as Religious Committee) under the Chairmanship of Secretary (Home), Government of NCT of Delhi, was constituted by Hon'ble Lt. Governor, Delhi vide order dated 18.02.1991 to deal with demolition of religious structures on public lands which are in the nature of encroachments. The other members of the Committee are Addl. Commissioner of Police (Spl. Branch), Joint Commissioner of Police of the range concerned and the representative of the land owning agency concerned. The committee takes into account following factors before deciding the removal of religious structure after the proposal is received from the land owning agency.

   a. Site Plan, photographs of religious structure and details of ownership of land.

   b. The matter of gathering around the religious place, which attracts devotees daily or during the festivals.

   c. Views of the Special Branch, Delhi Police and local police regarding law and order problems which may arise at the time of removal of the encroachment.

d. Whether any court case is pending or stay has been granted. Views of the land owning agency regarding relocation of the religious structure which may have come up on public land.

e. The requirement of the land owning agency for the removal of the religious structures; whether there is any plan for implementation and how urgent it is.

2. It has been observed that Land Owing Agencies while submitting their proposal/request for removal of unauthorized religious structures form public land, are lot submitting complete/required information to Home Department which leads to delay in finalizing the matter. Therefore, Land Owning Agencies are requested to furnish all the requisite details/ information as pr check list (Annexure-A) along with their proposal.

3. The proposal must be signed by Head of the Department concerned, Meeting of the Religious Committee must be attended by the HOD of the concerned branch of land downing agency.

Encl : As above.

(B.K. TIWARI)
DEPUTY SECRETARY (HOME)

No.F.11/MISC/RC/2013/HP-II/3572-78 Dated : 5/05/14

1. Vice Chairman, DDA, Vikas Sadan, INA, New Delhi.
2. Commissioner, East Delhi Municipal Corporation 419, Udyog Sadan, Patpar Ganj Indl. Area, Delhi.
3. Commissioner, North Delhi Municipal Corporation, Civil-Centre, Delhi.
4. Commissioner, South Delhi Municipal Corporation Civil-Centre, Delhi.
5. Chairperson, New Delhi Municipal Council, Palika Kendra, Connaught Place, New Delhi.
6. CEO, DUSIB, Vikas Bhawan-II, Delhi-110002.
7. Engineer-in-Chief, PWD, MSO Building, New Delhi.

14. श्री विजेन्द्र गर्ग : क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या दिल्ली सरकार द्वारा दीपावली के अवसर पर खाद्य–पदार्थों; विशेषकर मिठाई आदि में संभावित मिलावट को रोकने के लिए प्रभावी योजना बनाई गई है; और

(ख) यदि हाँ, तो उसका पूरा विवरण क्या है?

स्वास्थ्य मंत्री : (क) जी, हाँ।

(ख) दीपावली पूर्व एक विशेष अभियान के अन्तर्गत विभिन्न खाद्य पदार्थों के 175 नमूने लिए गए। जिनका विवरण अनुलग्नक 'क' में है।

ANNEX-

Department of Food Safety, GNCT of Delhi

A-20 Lawrennce Road Industrial Area, Ring Road, Delhi-110035

DISTRICT WISE REPORT FROM 1/11/2015 TO 10/11/2015

Sl. No.	District	Total Nos. of Sample Taken	Result Awaited	Reselt Declared	Misbranded	Genunine	Substandard	Unsafe	Violation
1.	Central	24	12	12	0	12	0	0	0
2.	East	5	0	5	0	3	0	0	2
3.	New Delhi	23	3	20	0	17	0	2	1
4.	North	9	2	7	0	6	0	1	0
5.	North East	0	0	0	0	0	0	0	0
6.	North West	40	3	37	2	33	0	1	1
7.	Shahdara	6	0	6	0	6	0	0	0
8.	South	4	0	4	0	3	0	0	1
9.	South East	21	8	13	1	9	0	1	2
10.	South West	11	0	11	1	8	0	0	2
11.	West	32	1	31	0	29	0	0	2
	Grand Total	175	29	146	4	126	0	5	11

15. **श्री वेद प्रकाश** : क्या **स्वास्थ्य मंत्री यह** बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) परिवार कल्याण विभाग से सम्बन्धित दिल्ली सरकार की कौन–कौन से योजनाएं चल रही हैं;

(ख) इन योजनाओं के अन्तर्गत कौन–कौन सी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं;

(ग) बवाना विधानसभा में परिवार कल्याण विभाग की तरफ से कौन–कौन सी योजनाएं चल रही हैं;

(घ) क्या कोई गैर–सरकारी संस्था भी इन योजनाओं में भागीदारी कर सकती है; और

(ङ) यदि हाँ, तो इसके लिये क्या नियम व शर्तें हैं?

स्वास्थ्य मंत्री : (क) इस विभाग से सम्बन्धित निम्नलिखित योजनाएं कार्यरत हैं :

1. **मातृ स्वास्थ्य स्कीम** : जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, मातृ एवं बाल ट्रेकिंग व्यवस्था, प्रजनन स्वास्थ्य सेवा, संस्थागत प्रसव सेवा

2. **पी.सी. एण्ड पी.एन.डी.टी. स्कीम** : गर्भ धारण पूर्व और प्रसूति पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिशोध अधिनियम)

3. **टीकाकरण विभाग** : जरूरी टीकाकरण, मिशन इन्द्रधनुष कवच।

4. **बाल स्वास्थ्य स्कीम** : नवजात शिशु की देखभाल, शिशु एवं छोटे बच्चों के आहार की विधियां, अनीमिया, न्यूटरीशियन रिहेबिलीटेशन केन्द्र, आशा द्वारा नवजात शिशु घरेलू देखभाल कार्यक्रम।

5. **परिवार नियोजन स्कीम** : परिवार नियोजन मुआवजा योजना, परिवार नियोजन क्षतिपूर्ति योजना, Performance Linked Payment Plan for PPIUCD to Services Providers and ASHAs आशा द्वारा गर्भनियोजन सुविधाओं को लाभार्थियों

को उनके घर पर उपलब्ध करवाना, आशा द्वारा गर्भ जांच के उपकरणों को लाभार्थी तक उपलब्ध कराना।

6. **किशोर स्वास्थ्य स्कीम** % किशोरों के स्वास्थ्य हेतु दिशा केन्द्र, साप्ताहिक आयरन एवं फोलिक एसिड पूरक कार्यक्रम, वार्षिक कृमि नियंत्रण कार्यक्रम।

(ख) विवरण ''परिशिष्ट–क'' पर संलग्न है। 70 A, 70 B

(ग) **मातृ स्वास्थ्य** : उपरलिखित सारी योजना एवं सेवा बवाना क्षेत्र के लिये हैं।

पी.सी. एवं पी.एन.डी.टी. विभाग : (गर्भ धारण पूर्व और प्रसूति पूर्व निदान तकनीक लिंग चयन प्रतिशोध) अधिनियम कानून को लागू करना।

टीकाकरण विभाग : जरूरी टीकारण और मिशन इन्द्रधनुष कवच के तहत टीकाकरण सुविधाएं बवाना क्षेत्र के लिये निःशुल्क उपलब्ध हैं।

बाल स्वास्थ्य विभाग : उपरलिखित सारी योजना और सेवा बवाना क्षेत्र के लिये है।

परिवार नियोजन विभाग : उपरलिखित सारी योजना और सेवा बवाना क्षेत्र के लिए उपलब्ध हैं।

किशोर स्वास्थ्य विभाग : उपरलिखित सारी योजना और सेवा बवाना क्षेत्र के लिए उपलब्ध हैं।

(घ) टीकाकरण विभाग की योजना में कोई भी गैर–सरकारी संस्था टीकाकरण कार्यक्रम के लिये सम्बन्धित जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ Memorandum of Understanding सत्यापित करके अपनी भागीदारी दे सकता है।

(ङ) टीकाकरण विभाग में नियम एवं शर्तें Memorandum of Understanding के अनुरूप मान्य हैं।

परिशिष्ट–क

क्रम सं. (ख) (परिवार कल्याण विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के अन्तर्गत प्रदान की जा रही सुविधाओं का विवरण)

1. मातृ स्वास्थ्य :

tuuh lqj{kk ;kstuk % अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/गरीबी रेखा से नीचे की सभी गर्भवती महिलाओं के संस्थागत प्रसव के लिये एवं गरीबी रेखा के नीचे की सभी गर्भवती महिलाओं के गृह प्रसव के लिये प्रोत्साहन राशि दी जाती है। प्रोत्साहन राशि 600 रुपये (शहरी क्षेत्र में संस्थागत प्रसव के लिये), 700 रुपये (ग्रामीण क्षेत्र में संस्थागत प्रसव के लिये) और 500 रुपये (गृह प्रसव के लिये) प्रसव के 7 दिन के अंदर दिये जाते हैं।

जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम : इसके अंतर्गत सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में गर्भवती महिलाओं के लिये संस्थागत निःशुल्क प्रसव एवं प्रसवोत्तोर जटिलताओं के निःशुल्क इलाज की सुविधा के साथ एक साल तक के अस्वस्थ बच्चों के लिये निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही निःशुल्क आहार और परिवहन की सुविधा भी उपलब्ध है।

मातृ एवं बाल ट्रेकिंग व्यवस्था : गर्भवती महिलाओं और बच्चों (पांच साल के अंदर) को स्वास्थ्य और टीकाकरण के लिये ट्रेक किया जाता है। इससे भारी जोखिम वाली गर्भवती महिलाएं पकड़ में आ जाती हैं और उनके स्वास्थ्य का बेहतर ध्यान रखा जाता है। यह व्यवस्था मातृ एवं बाल मृत्यु दर कम करने के लिये है।

प्रजनन स्वास्थ्य : गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व, प्रसव के समय और

प्रसव उपरान्त स्वास्थ्य की देखभाल की जाती है। यह सेवा मातृ दर कम करने के लिये है।

संस्थागत प्रसव : संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित करने के लिये योजनाएं चलाई जाती हैं। यह मातृ दर कम करने के लिये है।

2. पी.सी. एवं पी.एन.डी.टी. विभाग :

[गर्भ धारण पूर्व और प्रसूति पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिशोध) अधिनियम कानून को लागू करना]

इसके अन्तर्गत अल्ट्रासाउंड मशीनों एवं केन्द्रों का पंजीकरण किया जाता है, जिसमें लिंग जांच पर नियंत्रण किया जा सके।

ऐसे केन्द्रों एवं अल्ट्रासाउंड मशीनों पर निरंतर निगरानी रखी जाती है एवं समय–मसय पर निरीक्षण किया जाता है। राज्य एवं जिला स्तर पर इस कार्य को किया जाता है।

3. टीकाकरण विभाग :

t : jh Vhdkdj.k ½ टीकाकरण कार्यक्रम दिल्ली राज्य में ''यूनीवर्सल टीकाकरण कार्यक्रम'' के तहत अमल में लाया जाता है। इसके अन्तर्गत बच्चों को बचपन की जानलेवा बीमारियां जैसे टी.बी., पोलियो, डिप्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, खसरा, कनफेड, रूबेला, टायफायड से बचाव के लिये दिल्ली के समस्त 11 जिलों में विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं में निःशुल्क लगाए जाते हैं।

मिशन इन्द्रधनुष कवच : इस टीकाकरण मुहिम के तहत दो वर्ष की उम्र तक के टीकाकरण से वंचित व छूटे हुए बच्चों व गर्भवती महिलाओं

को दिल्ली की सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं और ए.एन.एम. द्वारा उनके क्षेत्रों में टीके लगाए जाते हैं। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री की पहल से यह मुहिम दिल्ली के सभी जिलों में पूरे वर्ष 2015–16 में चलाई जा रही है।

4. बाल स्वास्थ्य विभाग :

नवजात शिशु की देखभाल जिला अस्पतालों में विशेष इकाइयों द्वारा बाल चिकित्सकों द्वारा प्रदान की जाती है।

शिशु एवं छोटे बच्चों एवं अति कमजोर बीमार बच्चों के लिये आई.वाई.सी. एफ. एवं न्यूटरीशियन रिहेबिलीटेशन केन्द्रों द्वारा परामर्श एवं देखभाल की सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जाती है।

आशा द्वारा नवजात शिशु की देखभाल के लिये घरेलू देखभाल सुविधाएं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों द्वारा कार्यान्वित की जाती है।

5. परिवार नियोजन विभाग :

ifjokj fu;kstu eqvkotk ;kstuk % किसी भी सार्वजनिक या मान्यताप्राप्त निजी स्वास्थ्य संस्था में नलबंदी/नसबंदी करवाने वाले को मुआवजे के तौर पर निश्चित धनराशि प्रदान की जाती है।

परिवार नियोजन क्षतिपूर्ति योजना : नलबंदी/नसबंदी आपरेशन की विफलता/जटिलता मृत्यु के पश्चात् पीड़ित/पीड़िता/मृतक के परिवार को निश्चित धनराशि प्रदान की जाती है।

Performance Linked Payment Plan इस योजना के तहत सुविधा प्रदान करने वाले स्वास्थ्यकर्मी एवं आशा कार्यकर्ता को निश्चित धनराशि दी जाती है।

Home Delivery of Contraceptives : इस योजना के तहत आशा द्वारा गर्भनिरोधक उपायों को घर–घर तक पहुंचाया जाता है।

Pregnancy Testing Kit : इस योजना के तहत आशा द्वारा उनके क्षेत्र के लोगों को गर्भधारण की जानकारी किट द्वारा तुरन्त उपलब्ध कराई जाती है।

6. किशोर स्वास्थ्य विभाग :

fn'kk dsUnz % किशोरावस्था के दौरान शारीरिक एवं मानसिक बदलाव के बारे में विभिन्न दिशा केन्द्रों में सही जानकारी दी जाती है। इन केन्द्रों पर व्यक्तिगत पहचान गुप्त रखी जाती है।

साप्ताहिक आयरन एवं फोलिक एसिड पूरक कार्यक्रम : इस कार्यक्रम के तहत विभिन्न सरकारी स्कूलों/सरकारी साहयता प्राप्त स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में 10–19 वर्ष के किशोरों को प्रत्येक बुधवार आयरन एवं फोलिक एसिड की गोली खिलाई जाती है।

वार्षिक कृमि उन्मूलन कार्यक्रम : इस कार्यक्रम के तहत विभिन्न सरकारी स्कूलों/सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में 1–19 वर्ष के बच्चों को एलबेन्डोजोल की खुराक निःशुल्क प्रदान की जाती है।

16. सुश्री अलका लाम्बा : क्या **उप मुख्यमंत्री** जी यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चांदनी चौक विधान सभा क्षेत्र में तह बाजारी के लिए कौन–कौन सी सड़कें अधिसूचित की गई हैं

(ख) दिल्ली गेट से लालकिला तक लगने वाले रविवार बाजार को किन नियमों के अन्तर्गत अनुमति दी गई है;

(ग) क्या इन बाजारों में फेरीवालों को इसके कोई अधिकार दिये गए हैं;

(घ) क्या यह सत्य है कि पुरानी लाजपत राय मार्केट के पीछे/मोर सराय एरिया में स्थित दुकानों अनाधिकृत कब्जा करके बनाई गई है;

(ङ) यदि नहीं, तो क्या इन दुकानों को बनाने हेतु सम्बन्धित विभाग द्वारा अनुमति प्रदान की गई; और

(च) क्या दिल्ली नगर निगम की शाहाजानाबाद एरिया को पैदल चलने वालों के लिए सुगम बनाने हेतु फुटपाथों को अनाधिकृत कब्जों से मुक्त करने की कोई योजना हैं।

उप मुख्यमंत्री : (क) सूची संलग्न है।

(ख) ऐसे बाजारों को लगाने के लिए नगर निगम का केंद्रीय लाइसेंसिंग और प्रवर्तन सेल समय–समय पर नीतियाँ निर्धारित करता है।

(ग) इन बाजारों के फेरीवाले जो निगम शुल्क अदा करते है उनका सामान जब्त नहीं किया जाता।

(घ) पुरानी लाजपत राय मार्केट में 57 व मोर सराय सड़क पर 196 तहबाजारी की दुकानें लगाने का अधिकार नगर निगम के शहरी क्षेत्र के द्वारा दिया गया है।

(ङ) हाँ, ये तहबाजारियाँ लगाने की नगर निगम द्वारा अनुमति दी गई है।

(च) शाहजानाबाद क्षेत्र को पैदल चलने वाले के लिए शाहजानाबाद पुनरोद्धार विकास निगम के पास योजना विचाराधीन है। नगर निगम समय–समय पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करता है।

सूची वार्ड सं. 80

1. भर्ती दफ्तर लाल किला
2. पुराना यू.पी. बस स्टैण्ड
3. पुराना पंजाब बस स्टैण्ड
4. बिजली रोड पीली कोठी नया बाजार
5. कुतुब रोड
6. एच.सी. सेन रोड
7. बापू मार्किट
8. खोया मंडी
9. कूचा नटवा
10. कोडिया पुल के पास
11. कूचा काबिल अत्तार
12. मोर सराय रोड
13. भागीरथ पैलेस
14. चर्च मिशन रोड

15. कूचा बुलाकी बेगम

16. गांधी मैदान

17. दंगल मैदान

18. शनि मंदिर

19. कच्चा बाग

20. संजय मार्किट बाग दिवार

21. सब्जी मार्किट बाग दिवार

22. गांधी मेला ग्राउंड बाग दिवार

सूची वार्ड सं. 79

1. पुरानी लाजपत राय मार्किट

2. नई लाजपत राय मार्किट

3. एसपेलेन्डर रोड

4. परेड ग्राउंड रोड

5. लिंक रोड

6. प्लेजर गार्डन

7. हकीकत राय मार्किट

8. घड़ी मार्किट

17. **सुश्री सरिता सिंह** : क्या **उप मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि सरकार द्वारा विधान सभा क्षेत्रानुसार महिला शौचालयों का निर्माण करवाया जा रहा है;

(ख) यदि हाँ, तो प्रत्येक विधानसभा वार कितने शौचालय का निर्माण करवाया जा रहा है,

(ग) इन शौचालयों का निर्माण कब तक पूरा कर लिया जायेगा; और

(घ) डीडीए तथा रेलवे की भूमि पर बसी झुग्गियों में ये शौचालय किस ऐजेन्सी द्वारा निर्मित करवाए जाएंगे?

उप मुख्यमंत्री : (क) जी हाँ।

(ख) महिला शौचालयों का निर्माण क्षेत्रीय दिल्ली नगर निगम द्वारा किया जाता है। दिल्ली नगर निगमों द्वारा 134 जगह में महिला शौचालयों के निर्माण की योजना है जिनमें से 69 शौचालयों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, 61 शौचालयों का निर्माण कार्य चल रहा है तथा 4 का निर्माण कार्य जगह की उपलब्धता न होने के कारण रुका हुआ है। इसके अलावा दिल्ली नगर निगम के विभिन्न क्षेत्रों में 604 महिला एवं पुरुष शौचालय पहले से ही चालू हालत में हैं जिनका रख–रखाव अभियांत्रिक व पर्यावरण विभाग द्वारा किया जा रहा है।

दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड द्वारा भी प्रत्येक विधानसभा के जे.जे. कलस्टरों में शौचालयों का निर्माण किया जाता है। जे.जे. कलस्टरों में जन सुविधा परिसरों

में लगभग 50 प्रतिशतत महिलाओं के लिए सुरक्षित होते हैं। इस साल के शुरू में 473 परिसरों में 12747 शौचालय चालू हालत में हैं। पिछले 8 महीनों में 58 नये परिसर चालू किये गये, जिसमें 2031 शौचालय हैं और 41 नये परिसरों में 1407 शौचालय निर्माणाधीन हैं जो कि 31.03.2016 तक चालू हो जायेंगे। दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड द्वारा जहाँ जहाँ शौचालयों का निर्माण किया जा रहा है वह जगह 22 विधानसभा क्षेत्रों में आती है।

(ग) दिल्ली नगर निगमों द्वारा जिन 61 शौचालयों का निर्माण कार्य चल रहा है वे लगभग 31.03.2016 तक पूरा कर लिया जाएगा। लगभग 173 नये प्रस्तावित शौचालय (महिला एवं पुरूष) नगर निगम के सदन द्वारा पास होने के छः महीने के अन्दर बनाने की योजना है। दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड द्वारा जे.जे. कलस्टरों में चल रहे शौचालयों का निर्माण कार्य 31.03.2016 तक पूरा कर लिया जायेगा और इस साल के अंत तक 3438 शौचालयों को जनता को समर्पित किये जायेंगे।

(घ) डी.डी.ए. तथा रेलवे की भूमि पर बसी झुग्गियों में शौचालयों का निर्माण दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड द्वारा ही इन विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेकर किया जाता है।

18. श्री जगदीश प्रधान : क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में झुग्गी बस्तियों में कितनी मोबाइल डिस्पैंसरियां चल रही थी;

(ख) वर्तमान सरकार बनने के उपरान्त कितनी मोबाइल डिस्पैंसरियों की संख्या बढ़ाई गई;

(ग) क्या यह सत्य है कि वर्तमान सरकार के गठन के उपरान्त दिल्ली के कई कलस्टर्स में मोबाइल डिस्पैंसरी बंद कर दी गई हैं;

(घ) क्या यह भी सत्य है कि लाल बाग में चल रही मोबाइल डिपैंसरी बंद कर दी गई है; और

(ङ) यदि हाँ, तो उसका क्या कारण है?

स्वास्थ्य मंत्री : (क) दिल्ली की विभिन्न झुग्गी बस्तियों में 45 मोबाइल वैन डिस्पैंसरियां कार्यरत हैं।

(ख) इस अवधि में किसी मोबाइल वैन डिस्पैंसरी की संख्या नहीं बढ़ाई गई हैं।

(ग) जी नहीं।

(घ) जी नहीं।

(ङ) उपरोक्तानुसार।

19. श्री आदर्श शास्त्री : क्या **उप मुख्यमंत्री** जी यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि सरकार ने 1800 अनाधिकृत कॉलोनियों के नियमितिकरण का वादा किया था;

(ख) यदि हां, तो इसकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) सरकार द्वारा हाल ही में नियमित की गई 895 कॉलोनियों में सम्पत्ति के पंजीकरण की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(घ) 1 अप्रैल, 2015 से आज तक कुल कितनी सम्पत्तियों का पजीकरण कराया गया है; और

(ङ) उपरोक्त पंजीकरण से अब तक कितना राजस्व प्राप्त हुआ है?

उप मुख्यमंत्री : (क) 1639 (1797 सभी हिस्सों को मिलाकर) अनाधिकृत कॉलोनियां अधिसूचना 24.03.2008 और उसके बाद हुए संशोधनों के अनुसार नियमितकरण के लिए विचाराधीन है।

(ख) उपरोक्तानुसार।

(ग) शहरी विकास विभाग दिल्ली सरकार के आदेश दिनांक 04.09.2012 के अनुसार 312 कॉलोनियां निजी भूमि पर बनी हुई थीं। तदोपरान्त 11.06.2013 को शहरी विकास विभाग ने आदेश जारी किए कि जो भूखण्ड/भू–सम्पत्तियां निजी भूमि पर हैं उन भूमियों का पंजीकरण तथा हस्तांतरण किया जा सकता है। लेकिन बाद में भूमि स्थित रिपोर्ट के अनुसार 312 कॉलोनियों की कई भू–सम्पत्तियां सार्वजनिक/सरकारी भूमि पर पाई गई। 312 अनाधिकृत कॉलोनियों में से जो अनाधिकृत कॉलोनियां निजी भूमि पर बसी हैं उन कॉलोनियों में स्थित भू–सम्पत्तियों का पंजीकरण उपरोक्त आदेशानुसार किया जा सकता है लेकिन अन्य अनाधिकृतत कॉलोनियों में भू–सम्पत्तियों का स्थानान्तरण/पंजीकरण अनाधिकृत कॉलोनियों के सीमा निर्धारण जो टोटल स्टेशन मैथेड/उपग्रह चित्र के द्वारा होगा, उसके बाद ही किया जा सकता है।

(घ) सम्पत्तियों की पृथक जानकारी तुरन्त उपलब्ध नहीं है।

(ङ) उपरोक्तानुसार।

20. श्री ओ.पी. शर्मा : क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) डेंगू की रोकथाम के लिये निगमों को कितनी धनराशि दी जानी थी;

(ख) यह धनराशि कब तक दी जानी होती है;

(ग) यह धनराशि इस वर्ष कब दी गई;

(घ) क्या यह सत्य है कि विशेष परिस्थितियों में निगम को समय–समय पर निर्धारित से ज्यादा राशि दी जाती रही है; और

(ङ) यदि हाँ, तो इस वर्ष विकट परिस्थितियों में ये राशि क्यों नहीं दी गई?

स्वास्थ्य मंत्री : (क) बजट अनुमान 2015–16 के तहत डेंगू, मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम के लिये निम्न धनराशि दी जानी थी :

उत्तरी दिल्ली नगर निगम : रु. 3722 लाख

दक्षिण दिल्ली नगर निगम : रु. 2842 लाख

पूर्वी दिल्ली निगर निगम : रु. 1588 लाख

(ख) यह धनराशि तीन किस्तों में जारी की जानी होती है। पहली किस्त बजट अनुमान का 25 प्रतिशत, दूसरी किस्त बजट अनुमान का 50 प्रतिशत तथा तीसरी किस्त बजट राशि पर अथवा 31 मार्च, 2016 से पहले जारी की जायेगी, जो समस्त अनुमान राशि का 25 प्रतिशत होगी।

(ग) विवरण संलग्न हैं।

(घ) जी नहीं।

(ङ) क्रम सं. घ के अनुसार लागू नहीं।

डेंगू की रोकथाम के लिये तीनों निगमों को दी जाने वाली राशि का विवरण निम्नलिखित प्रकार से है :

उत्तरी दिल्ली नगर निगम :

पहली किस्त : रु. 930.50 लाख, दिनांक 04.06.15 को

दूसरी किस्त : रु. 1861.00 लाख, दिनांक 23.09.15 को

कुल जारी की गई राशि : रु. 2791.50 लाख।

इसके अतिरिक्त रु. 930.50 लाख (तीसरी किस्त) एवं रु. 720.11 लाख का Moratorium grant का प्रस्ताव वित्त विभाग में अनुमति हेतु भेजा गया है।

दक्षिण दिल्ली नगर निगम :

पहली किस्त : रु. 710.50 लाख, दिनांक 17.09.15 को

दूसरी किस्त : रु. 1421.00 लाख, दिनांक 23.09.15 को

कुल जारी की गई राशि : रु. 2842.00 लाख

इसके अतिरिक्त रु. 359.48 लाख Moratorium grant जारी किया है।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम :

पहली किस्त : रु. 397.00 लाख, दिनांक 18.09.15 को

दूसरी किस्त : रु. 794.00 लाख, दिनांक 23.09.15 को

कुल जारी की गई राशि : रु. 1191.00 लाख

तीसरी किस्त का प्रस्ताव/प्रयोग प्रमाणपत्र पूर्वी दिल्ली कार्यालय से प्राप्त नहीं हुआ है। पूर्वी दिल्ली कार्यालय से यह प्रमाणपत्र प्राप्त होने के उपरान्त वित्त विभाग को अनुमति हेतु भेजा जायेगा।

तीनों नगर निगमों को जारी की गई कुल राशि : रु. 6824.50 लाख

अतारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

1- Jh fotsUnz xxZ % क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है दिल्ली के कुछ अस्पतालों में सभी प्रकार की जाँच आदि की सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं; और

(ख) यदि हाँ, तो इस दिशा में दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्या प्रयास किये जा रहे हैं?

स्वास्थ्य मंत्री : (क) जी नहीं।

(ख) उपरोक्त (क) के अनुसार लागू नहीं।

2. **श्री आदर्श शास्त्री** : क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में दादादेव मातृ शिशु चिकित्सालय के समान कितने स्थानों पर आम जनता को प्राथमिक चिकित्सा की सुविधाएं प्राप्त हैं;

(ख) क्या सरकार द्वारा दादादेव मातृ शिशु चिकित्सालय जैसी सुविधाओं को अपग्रेड कर इन्हें महिलाओं एवं बच्चों के लिये सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में तब्दील करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है;

(ग) यदि हाँ, तो उसका विवरण क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य मंत्री : (क) गिरधारी लाल मातृ सेवा सदन अस्पताल तथा कस्तूरबा गाँधी (मछलीवाला) अस्पताल में ऐसी सुविधायें प्राप्त हैं।

(ख), (ग) एवं (घ) दादादेव मातृ शिशु चिकित्सालय को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में तब्दील करने का अभी कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। फिर भी इस चिकित्सालय के स्त्री रोग एवं बाल रोग विभाग की वर्तमान सुविधाओं को अपग्रेड करने का प्रस्ताव विचाराधीन है।

3. श्री जगदीश प्रधान एवं श्री आदर्श शास्त्री : क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली सरकार के अधीनस्थ प्रत्येक जन स्वास्थ्य केन्द्रों/डिस्पैंसरियों और अस्पतालों के डॉक्टर्स एंव पैरामेडिकल स्टाफ के कितने–कितने पद स्वीकृत हैं;

(ख) इनमें से कौन–कौन से पद रिक्त हैं;

(ग) इन रिक्त पदों को नियमित आधार पर भरने की सरकार की क्या योजना है;

(घ) क्या यह सत्य है कि इन नियमित स्टाफ की नियुक्ति होने तक इन पदों को कान्ट्रेक्ट आधार पर भरने की योजना सरकार के विचाराधीन है;

(ङ) यदि हाँ, तो सरकार द्वारा इस बारे में अभी तक क्या कार्रवाई की गई है; और

(च) दिल्ली सरकार के अधीनस्थ स्वास्थ्य केन्द्रों, डिस्पैंसरियों और अस्पतालों में दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और इनमें बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिये सरकार द्वारा क्या प्रयास किये जा रहे हैं?

स्वास्थ्य मंत्री : (क) एवं (ख) दिल्ली सरकार के जन स्वास्थ्य केन्द्रों/डिस्पैंसरियों/अस्पतालों में डॉक्टर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ के स्वीकृत एवं रिक्त पदों की स्थिति इस प्रकार से है :

डॉक्टर्स		पैरामेडिकल स्टाफ	
स्वीकृत पद	रिक्त पद	स्वीकृत पद	रिक्त पद
2294	278	4256	1563

(ग) चिकित्सकों के रिक्त पदों को भरने का कार्य संघ लोक सेवा आयोग के साथ प्रक्रियारत है और शैक्षणिक चिकित्सकों की नियुक्ति का कार्य समय–समय पर केन्द्र सरकार के द्वारा किया जाता है। पैरामेडिकल स्टाफ के पदों की नियुक्ति के लिये भर्ती प्रक्रिया डी.एस.एस.एस.बी. कार्यालय में जारी है।

(घ) जी हाँ। कुछ अस्पतालों में कुछ पद कान्ट्रैक्ट पर भरने का विचार है।

(ङ) अखबार में विज्ञापन देकर इन पदों को सीमित अवधि के लिये भरा जायेगा।

(च) दिल्ली सरकार के अधीनस्थ स्वास्थ्य केन्द्रों, डिस्पैंसरियों और अस्पतालों में दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये वर्तमान में केन्द्रीय क्रय एजेंसी (सी.पी.ए.) को दिल्ली स्वास्थ्य सेवा निगम में परिवर्तित किया जा रहा है व दवाओं के भण्डार गृह के निर्माण का भी प्रस्ताव है।

4. श्री वेद प्रकाश : क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि महर्षि वाल्मीकि अस्पताल, पूठ खुर्द में सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स की कमी है;

(ख) क्या यह सत्य है कि इस अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग में एक भी सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर उपलब्ध नही है,

(ग) यदि हाँ, तो इन पदों पर सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों की नियुक्ति कब तक कर दी जाएगी;

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या यह भी सत्य है कि महर्षि वाल्मीकि अस्पताल में हृदय से सम्बन्धित मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं,

(च) क्या यह सत्य है कि दिल्ली सरकार के इस अस्पताल में हृदय विशेषज्ञ की नियुक्ति कर हृदय रोगी विभाग शुरू करने की कोई योजना है;

(छ) यदि हाँ, तो यह योजना कब तक शुरू कर दी जायेगी; और

(ज) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य मंत्री : (क) जी हाँ।

(ख) जी नहीं। इस अस्पताल में दो सीनियर रेजिडेंट (रेडियोलॉजी) के पद स्वीकृत हैं, जिनमें से एक सीनियर रेजिडेंट (रेडियोलॉजी) एडहोक पर कार्यरत है।

(ग) उपरोक्त (ख) के अनुसार लागू नहीं।

(घ) रेडियोलॉजी विभाग के सीनियर रेजिडेंट के रिक्त पदों को भरने के लिये स्वास्थ्य विभाग की वेबसाईट पर तथा समाचारपत्रों में लगातार विज्ञापन दिया जाता है। लेकिन साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों में से योग्य सीनियर रेजिडेंट का चयन होने के उपरान्त वे अक्सर अपना पदभार ग्रहण नहीं करते हैं।

(ङ) जी नहीं। इस अस्पताल में हृदय से सम्बन्धित निम्न मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं :

ECG, Cardia Enzymes, CPK-T, N-3, MB, Trop T., CXRPA View, Thrombolysis.

(च) जी नहीं।

(छ) उपरोक्त (च) के अनुसार लागू नहीं ।

(ज) अस्पताल में कार्डियोलोजिस्ट के पद की स्वीकृति एवं सर्जन हेतु प्रस्ताव स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से विभागाध्यक्ष (कार्डियोलॉजी), जी.बी.पन्त अस्पताल को भेजा गया था, जिसमें उन्होंने सुझाव दिया है कि इस अस्पताल में कोर्डियोलोजी यूनिट की आवश्यकता नहीं है तथा हृदय रोग से पीड़ित मरीजों को महर्षि वाल्मीकि अस्पताल में दाखिल करके, उनकी स्थिति स्थिर होने पर जी.बी.पन्त अस्पताल में समुचित इजाल हेतु रैफर कर दिया जाये।

5. **श्री वेद प्रकाश** : क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि महर्षि वाल्मीकि अस्पताल, पूठ खुर्द में पैथोलोजी

लैब, में (गर्भवती महिलाओं के डबल/ट्रिपल टैस्ट जैसे) आधुनिक टैस्ट करने की सुविधा उपलब्ध नहीं है;

(ख) क्या यह भी सत्य है कि इस अस्पताल के पैथोलोजी लैब. और माइक्रो बॉयलोजी लैब. में आधुनिक मशीनें उपलब्ध नहीं हैं;

(ग) यदि हाँ, तो उपरोक्त लैब का कब तक पूरी तरह आधुनिकीकरण कर दिया जायेगा; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य मंत्री : (क) जी हाँ।

(ख) जी नहीं। इस अस्पताल में लैब. से सम्बन्धित आधुनिक मशीनें उपलब्ध हैं।

(ग) उपरोक्त (ख) के अनुसार लागू नहीं होता।

(घ) उपरोक्त (ग) के अनुसार लागू नहीं होता।

6. **श्री वेद प्रकाश** : क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि महर्षि वाल्मीकि अस्पताल, पूठ खुर्द में सी.टी. स्कैन, ब्लड बैंक और पोस्टमार्टम की सुविधा उपलब्ध नहीं है;

(ख) क्या यह भी सत्य है कि महर्षि वाल्मीकि अस्पताल, पूठ खुर्द में अल्ट्रासाउंड व डिजिटल एक्स–रे की सुविधा भी नहीं है;

(ग) यदि हाँ, तो क्या दिल्ली सरकार की भविष्य में इस अस्पताल में उपरोक्त सुविधाएं उपलब्ध करवाने की कोई योजना है;

(घ) यदि हाँ, तो यह सुविधाएं कब तक उपलब्ध करवा दी जाएंगी; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य मंत्री : (क) जी हाँ।

(ख) इस अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन डिजिटल एक्स–रे की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

(ग) डिजिटल एक्स–रे मशीन क्रय करने एवं इसे अस्पताल में उपलब्ध करवाने का प्रस्ताव केन्द्रीय क्रय एजेंसी (Central Procurement Agency) में क्रय हेतु भेजा गया है।

(घ) केन्द्रीय क्रय एजेंसी द्वारा इसे खरीदकर उपलब्ध करवाने के उपरान्त यह सुविधा आरम्भ कर दी जायेगी।

(ङ) उपरोक्तानुसार।

7. **श्री ओ.पी. शर्मा** : क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में फलों, सब्जियों और दालों में हो रहे कैमिकल्स के प्रयोग को रोकने के लिये सरकार ने क्या कदम उठाये हैं; और

(ख) दिल्ली में नकली दवाइयों की बिक्री रोकने के लिये पिछले छः महीने में सरकार ने क्या–क्या कदम उठाए हैं?

स्वास्थ्य मंत्री : (क) इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग ने Pesticide Residue Management Comittee का गठन किया है तथा लगातार फलों एवं सब्जियों के नमूने उठाये जाते हैं व उनमें पाये जाने वाले कैमिकल्स की जांच की जाती है।

(ख) स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत औषधि नियंत्रण विभाग ने नकली दवाइयों के हानिकारक प्रभाव को रोकने के लिये निम्नलिखत कदम उठाए हैं :

1. **कानूनी नमूना** : बाजार/सरकारी चिकित्सालयों से नियमित रूप से कानूनी नमूने उठाते हैं। पिछले छः महीने में कुल 70 नमूनों में से केवल 2 नमूने असफल हुए हैं।

2. **सर्वेक्षण नमूना** : दूरदराज के क्षेत्र में तथा जे.जे. बस्ती से नियमित रूप से सर्वेक्षण नमूने उठाये जाते हैं। पिछले 6 महीनों में कुल 200 नमूने उठाये थे तथा जिनमें से केवल 8 नमूने पास हुए हैं।

3. **बहुजातिय संस्था का नामी** : दामी ब्रैंड की दवाइयों का सर्वेक्षण नमूना भी बाजार से उठाया जाता है। पिछले 6 महीनें में कुल 66 नमूनों में से 55 नमूनों का वर्णन प्राप्त हुआ और सभी असली पाये गये।

4. पिछले छः महीनों में इस विभाग के अधिकारियों ने भारत सरकार के औषधि नियंत्रण विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर 4 छापे मारे, जिनमें से 10 नमूने इस विभाग के अधिकारियों द्वारा तथा 02 नमूने भारत सरकार के औषधि नियंत्रण विभाग के अधिकारियों द्वारा उठाये गये हैं। कुल 4 लोगों को पकड़ा गया है तथा उनके खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज की गई हैं, बाकी जाँच पड़ताल सभी क्षेत्रों में जारी है।

8. **श्री ओ.पी. शर्मा** : क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली सरकार के अधीनस्थ कार्यरत कौन–कौन सी डिस्पैंसरी पहले 7 दिनों 24 घंटे खुला करती थी;

(ख) क्या यह सत्य है कि सरकार द्वारा उन डिस्पैंसरियों को सप्ताह में मात्र छः दिन और प्रातः 8:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक खोलने के आदेश जारी किये गये हैं;

(ग) यदि हाँ, तो कब से;

(घ) क्या यह सत्य है कि दिल्ली सरकार के अन्तर्गत कार्यरत गुलाबी बाग की डिस्पैंसरी पहले 7 दिनों 24 घंटे खुला करती थीं;

(ङ) क्या उन सभी डिस्पैंसरियों को जनहित में पुनः 7 दिनों 24 घंटे खोले जाने की योजना सरकार के विचाराधीन हैं; और

(च) क्या सरकार की बड़े अस्पतालों में मरीजों के बढ़ते हुए बोझ को देखते हुए सभी सरकारी डिस्पैंसरियों में टैस्ट लैब. की व्यवस्था प्रदान करने की कोई योजना है?

स्वास्थ्य मंत्री : (क) दिल्ली सरकार के अधीनस्थ निम्नलिखित डिस्पैंसरियां 7 दिनों 24 घंटे कार्यरत थीं :

1. तीमारपुर (उत्तरी जिला)
2. गढ़ी (दक्षिण जिला)
3. कड़कड़डूमा गांव (शाहदरा जिला)

(ख) जी हाँ।

(ग) वर्ष 2014–2015 से।

(घ) जी नहीं।

(ङ) जी नहीं।

(च) मूलभूत लैब. टैस्ट की सुविधा सभी सरकारी डिस्पैंसरियों में पहले से ही दी जा रही है।

9. श्री जगदीप सिंह : क्या **स्वास्थ्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल, हरी नगर के विस्तारण और इसके साथ की खाली जमीन पर मेडिकल कॉलेज बनाने की योजना सरकार के विचाराधीन है,

(ख) यदि हाँ, तो प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज के लिये डी.डी.ए. से जमीन लिये जाने हेतु सरकार द्वारा अब तक क्या कार्रवाई की गई है, और

(ग) दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल का विस्तारण कब तक कर दिया जायेगा?

स्वास्थ्य मंत्री : (क) जी हाँ।

(ख) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जमीन के आवंटन का प्रस्ताव दिल्ली विकास प्राधिकरण के पास भेज दिया है।

(ग) दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा जमीन के आवंटन एवं दिल्ली सरकार द्वारा इसके अधिग्रहण के उपरान्त अस्पताल के विस्तारण का कार्य कर दिया जायेगा।

10. श्री ओ.पी. शर्मा : क्या **उप मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि दिल्ली की शहरीकृत गांवों के लिए चौपालों

के रख–रखाव और नई चौपाल बनाने के लिए दी जा रही धनराशि को रोक दी गयी है।

(ख) यदि हाँ तो इसके क्या कारण है;

(ग) क्या सरकार भविष्य के इन निर्देशों पर पुनर्विचार करेगी; और

(घ) यदि हाँ, तो कब?

उप मुख्यमंत्री : (क) दिल्ली के शहरीकृत गाँवों के लिए चौपालों के रख–रखाव और नई चौपाल बनाने के लिए शहरी विकास विभाग द्वारा कोई धनराशि नहीं दी जाती है। किन्तु पहले से बने हुए चौपालों के नवीनीकरण एवं सुधार हेतु शहरी विकास विभाग, सिचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को धनराशि उपलब्ध कराता है।

(ख), (ग) और (घ) उपरोक्तानुसार प्रश्न ही नहीं उठता।

11. श्री जगदीश प्रधान : क्या **उप मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले एक वर्ष में दिल्ली के अनाधिकृत कॉलोनियों के विकास कार्य हेतु कितनी धनराशि शहरी विकास विभाग द्वारा दी गई;

(ख) पिछले एक वर्ष में शहरी विकास विभाग द्वारा अनाधिकृत कॉलोनियों में कितनी सड़क बनाई गयी; और

(ग) इनमें कितनी नालियाँ बनाने का कार्य सरकार द्वारा किया गया?

उप मुख्यमंत्री : (क) पिछले वित्त वर्ष 2014–15 में अनाधिकृत कॉलोनियों के विकास कार्य हेतु शहरी विकास विभाग द्वारा रु. 56768.27 लाख धनराशि जारी की गई है।

(ख) पिछले वित्त वर्ष में अनाधिकृत कॉलोनियों में 388.65 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया है।

(ग) पिछले वित्त वर्ष में अनाधिकृत कॉलोनियों में 625.13 किलोमीटर नालियों का निर्माण किया गया है।

12- Jh vkn'k 'kkL=h % क्या **उप मुख्यमंत्री** जी यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि डी.डी.ए द्वारा लैण्ड पूलिंग की कोई नीति बनाई गई है;

(ख) यदि हां, तो किसी पूर्ण तथा सुरक्षित योजना के अभाव में निवेशकों के गाढ़े पसीने की कमाई की सुरक्षित करने हेतु क्या सरकार द्वारा कोई कदम उठाए गए हैं; और

(ग) यदि नहीं, तो लैण्ड पूलिंग नीति के अन्तर्गत हाउसिंग के नाम पर इन निजी समूहों को बुकिंग अमाउण्ट इकट्ठा करने की अनुमति क्यों दी जाती है?

उप मुख्यमंत्री : (क) जी हाँ, लैंड पूलिंग नीति, अध्याय–19 लैंड पोलिसी के रूप में मास्टर प्लान दिल्ली–2021 का हिस्सा है जो दिनांक 05.09.2013 को एस.डी. नं. 2687 (ई) द्वारा पारित है।

(ख) एवं (ग) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने किसी भी हाउसिंग समूह को बूकिंग अमाउंट इकट्ठा करने की किसी भी प्रकार की कोई अनुमति नहीं दी है। दिल्ली विकास प्राधिकरण ने समय–समय पर आम जनता को अखबारों में इश्तिहारों द्वारा सूचित किया है कि वे इनसे सतर्क रहें।

13. श्री राजेन्द्र पाल गौतम : क्या **उप मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सीमापुरी विधान सभा क्षेत्र के चारों निगम वार्डों में विशेष रूप से नई सीमापुरी के रोड नं. 70 सुरक्षा नर्सिंग होम के पीछे वाला रोड व नई सीमापुरी के कब्रिस्तान वाले रोड के अवैध कब्जों को हटवाने के लिए संबंधित विभागों द्वारा कोई नीति बनाई गई है; और

(ख) यदि हाँ, तो उसका ब्यौरा क्या है?

उप मुख्यमंत्री : (क) एवं (ख) इस विषय में उक्त अवैध कब्जों को हटाने की कार्यवाही पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा इस वर्ष 7 बार की जा चुकी है, तथा दिल्ली पुलिस को भी अतिक्रमण की पुनरावृत्ति रोकने हेतु सूचित किया जाता है।

14. श्री जगदीप सिंह : क्या **उप मुख्यमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि डीडीए के झील वाला पार्क की झील, हरीनगर को पुनर्जीवित कर इसके सौन्दर्यीकरण की योजना सरकार के विचाराधीन है;

(ख) इस मामले में सरकार द्वारा इस बारे में अब तक क्या कार्रवाई की गई है;

(ग) क्या यह भी सत्य है कि झील के पुर्नजीवित करने के साथ–साथ इसमें वाटर हार्वेस्टिंग और असहाय और विकलांग महिलाओं के लिए छोटी–छोटी दुकानें खोलने का प्रस्ताव भी सरकार के विचाराधीन है; और

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस बारे में अब तक क्या कार्रवाई की गई है?

उप मुख्यमंत्री : (क) यह सत्य है। दिल्ली विकास प्राधिकरण की योजना के अनुसार यह पार्क पहले से विकसित है तथा पानी की व्यवस्था, नये झूले ओपन–जिंम आदि उपलब्ध कराते हुए इसका रख–रखाव किया जा रहा है।

(ख) उपरोक्तानुसार, ओपन–जिम झूले, बैंच आदि लगा दिये गए है। रास्ते में फिटनैस टेल की मरम्मत भी कर दी गई है। पेड़ों व झाड़ियों की क्षति–पूर्ति कर दी गई है तथा सी.ई.पी.टी. प्लॉट से क्षेत्र में पानी की व्यवस्था की जा रही है।

(ग) यह सत्य है कि पानी की व्यवस्था के साथ ही वाटर हारवैस्टिंग की व्यवस्था भी की जाएगी। पार्क के अन्दर स्टाल आदि बनी हुई है जिनका वितरण किया जाना है।

(घ) उपरोक्तानुसार।

15. **सुश्री सरिता सिंह** : क्या **उप मुख्यमंत्री जी** यह बताने का कष्ट करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि सम्पूर्ण दिल्ली में डीडीए के पार्कों की दशा अत्यन्त ही दयनीय है;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा पार्कों की दशा सुधारने के लिए अब तक क्या उपाय किए गए हैं;

(ग) क्या यह भी सत्य है कि पार्कों में बने पैदल पथ भी अत्यन्त ही दयनीय अवस्था में है;

(घ) पार्कों में पीने के पानी, पेड़ों की कटाई एवं झूलों के उचित रख–रखाव हेतु सरकार की क्या योजना है;

(ङ) पार्कों में बंजर व वीरान होने से रोकने के लिए इनके सौन्दर्यीकरण हेतु सरकार द्वारा क्या प्रयास किए जा रहे हैं; और

(च) पार्कों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए डीडीए द्वारा क्या–क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उप मुख्यमंत्री : (क) दिल्ली विकास प्राधिकरण के पास 11.291 एकड़ क्षेत्रफल तथा 1.079 पार्क हैं। जिसका रख–रखाव डी.डी.ए. द्वारा किया जा रहा है।

(ख) पार्कों का रख–रखाव उचित तरह से किया जा रहा है जिसके लिए एस.टी.पी एवं सी.ई.टी.पी. के प्लानंटों से पानी की पूर्ति की व्यवस्था की जा रही है। जैसे स्मृति वन कोंडली, सेक्टर–10,3,25,24 एवं 23 रोहिणी एवं मायापुरी, राजौरी गार्डन आदि पार्कों में जन सुविधाएं कूड़ेदान एवं कमपोस्टपिट, पार्कों का कूड़ा, पत्तियों नयी तकनीक से खाद बनाने की योजना है। झूले, बैंच आदि दिए जा रहे हैं। फुटपाथ, बाकट्रंकिग टेंक आदि की सुविधाएं दी जा रही हैं।

(ग) यदि किसी पार्क में पैदल पथ टूट गए हैं तो उसकी मरम्मत जल्दी ही कर दी जाती है।

(घ) जिस पार्क के लिए पब्लिक की मांग होती है जल बोर्ड से पानी को उपलब्ध करा दिया जाता है। पेड़ों की कटाई आदि पब्लिक की मांग के आधार पर वन विभाग से अनुमति लेकर कराई जाती है, झूलों के रख–रखाव हेतु पार्कों से सम्बन्धित कर्मचारी को विशेष तौर से लगाए गए हैं।

(ङ) ट्यूब वैल आदि लगाने पर प्रतिबंध है अतः पानी की व्यवस्था एस.आी.पी. एवं सी.ई.टी.पी. का पानी लेकर पार्कों का सौन्दर्यीकरण करने एवं वीरान होने से बचाने के लिए योजना है।

(च) पार्कों के रख–रखाव के लिए जहां बहुत जरूरी है प्राइवेट एजेन्सीयों द्वारा सुरक्षा गार्ड लगाए जाते हैं तथा छोटे–छोटे पार्कों तथा अलग–अलग फैले पार्कों की पैट्रोलिंग ड्यूटी के लिए सुरक्षा गार्ड लगाये जा रहे हैं।

lnu iVy ij iLr|r dkxtkr

अध्यक्ष महोदय : चलिये Committee on Private members bills and Resolution समिति के प्रतिवेदन सदन में प्रस्तुत करेंगे।

सुश्री राखी बिड़ला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से गैर सरकारी सदस्यों के विधेयक को एवं संकल्पों को संबंधित समिति का दूसरा प्रतिवेदन सदन पटल पर प्रस्तुत कर रही हूं। धन्यवाद[1]।

fo'k"k mYy[k

अध्यक्ष महोदय : धन्यवाद। नियम 280 श्री मनोज कुमार जी।

श्री मनोज कुमार : धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं दिल्ली सरकार को हार्दिक बधाई देना चाहता हूं कि कल जो छठ महापर्व के ऊपर दिल्ली के पूर्वांचल वासियों के लिये छुट्टी का तोहफा दिया, उसके लिये तहेदिल से धन्यवाद देना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय 280 पर बोलने का आपने मुझे मौका दिया बहुत बहुत शुक्रिया। मैं एक महत्वपूर्ण विषय की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि जो स्कूल अभी बने हुए हैं, उनकी बाउण्ड्री के साथ कहीं ना कहीं हर

---

* पुस्तकालय में संदर्भ संख्या R–15469 पर उपलब्ध।

विधानसभा में शराब के ठेके लगे हुए हैं दिल्ली सरकार ने शिक्षा मंत्री महोदय ने बहुत अच्छा कार्य किया कि शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिये इतना बजट भी दिया और उसी के अंदर एक कड़ी यह भी महत्वपूर्ण है कि स्कूल के बाहर जहां से बच्चे एण्ट्री करते हैं और एग्जिट करते हैं, वहां गेट बने हुए हैं। किस गेट को मेन गेट माना जाये। कुछ गेट ऐसे हैं। जिनसे बच्चे पैदल एण्ट्री करते हैं और कुछ गेट ऐसे हैं जिनसे बस और गाड़ियों से बच्चे स्कूल के अंदर आते हैं तो कहीं ना कहीं उन बच्चों के साथ समाज के साथ ये खिलवाड़ है कि हमने नियम तो बना दिये कि स्कूल के गेट से 100 मीटर से दूर शराब का ठेका होगा, मंदिर से इतना दूर होगा, मस्जिद से इतना दूर होगा, अस्पताल से इतना दूर होगा परंतु अस्पताल, स्कूल से बाहर बनाने का ठेका मुझे नहीं लगता कि यह उचित हैं क्योंकि वहां पर स्कूल से बच्चे जब निकलते हैं तो उसकी तरफ ध्यान जाता है शराब की दुकानों की तरफ जिससे बच्चे आकर्षित होते हैं अगर बाउण्ड्री वॉल के साथ शराब का ठेका बना हुआ है उस शराब के ठेके से स्कूल का मेन गेट 100 मीटर से दूर है परंतु बिल्डिंग में बैठा हुआ बच्चा अगर शराब की दुकान को देख रहा है लोगों को खरीदते हुए, पीते हुए देख रहा है तो वह कहीं ना कहीं उसकी तरफ आकर्षित होता है तो मैं चाहता हूं दिल्ली सरकार की तरफ से भी कि इसके अंदर कोई ऐसा रूल भी बने कि शराब की दुकानें कम से कम स्कूल की बाउण्ड्री वॉल से इतनी दूर हों कि कोई भी बच्चा पैदल निकले, गाड़ी से निकले या बिल्डिंग में बैठा हुआ उस शराब की दुकान की तरफ न देख सके ताकि बच्चे उसकी तरफ आकर्षित न हों।

अध्यक्ष महोदय : मनोज जी, इसमें किसी स्कूल का नाम आप अगर थोड़ा इंगित करते तो ज्यादा अच्छा रहता।

श्री मनोज कुमार : मैं बताना चाहूंगा मयूर विहार फेस–III में एक बहुत बड़ा स्कूल है।

अध्यक्ष महोदय : स्कूल का नाम बोलिये।

श्री मनोज कुमार : रेयान इण्टरनेशनल स्कूल उसकी ठीक बाउंडरी ऐसी है शराब का ठेका ऐसे है बिल्कुल आमने सामने है। ...(व्यवधान)... दूसरा एक सरकारी स्कूल है हमारा कल्याण पुरी के अंदर। कल्याण पुरी स्कूल के ठीक बाजू में कल्याण पुरी स्कूल की बिल्डिंग दो मंजिला इमारत बनी हुई है जिसमें बच्चे बाहर बैठते हैं और वहां से ठीक पीछे की तरफ शराब का सरकारी ठेका है जिसकी तरफ बच्चे लगातार देखते हैं। आये दिन वहां पर बच्चे शराब खरीदते हुए ड्रेस में कई बार पकड़े जा चुके हैं।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, ठीक है।

श्री मनोज कुमार : धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय : सुश्री भावना गौड़ जी।

सुश्री भावना गौड़ : शुक्रिया अध्यक्ष जी...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अभी समय है हमारे पास बहुत आप अपने स्कूलों का अलग से 280 में लिख के दीजिये ना।

सुश्री भावना गौड़ : शुक्रिया अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं इस सदन के माध्यम से अपनी सरकार को और इस सदन के सभी सदस्यों को बहुत बहुत बधाई दूंगी। यमुना के तट पर सायं आरती का जो कार्यक्रम दिल्ली सरकार की तरफ से तय किया गया, बहुत बहुत बधाई के पात्र हैं हमारे भाई

कपिल मिश्रा जी। वह वास्तव में एक ऐतिहासिक दिन था और हम सभी लोग उस दिन को हमेशा याद रखेंगे।

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं नियम 280 के अंतर्गत सर्वप्रथम दिल्ली जल विभाग के मंत्री आदरणीय कपिल मिश्रा जी को धन्यवाद देना चाहूंगी क्योंकि उनके अथक प्रयासों से दिल्ली में टेंकर माफियाओं का अंत हुआ है तथा दिल्ली के लोगों को पाईप लाईनों में पानी उपलब्ध हुआ है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी का ध्यान दिल्ली जल बोर्ड द्वारा उपभोक्ताओं को भेजे गये उन बिलों की तरफ दिलाना चाहूंगी जो पूरी तरह से नाजायज है। आश्चर्य की बात तो यह है कि जिन नियमित और अनियमित कालोनियों में बरसों पुरानी लाईनें डाली गई हैं। वहां पर पानी नहीं आया। अगर कुछ आया तो केवल उनके बिलिंग विभाग द्वारा उनके पानी को भेजे जाने का बिल आया। अध्यक्ष महोदय, जो कि अनावश्यक रूप से लोगों को परेशान कर रहा है। इन नाजायज बिलों की वजह से लोग पानी का स्थायी कनेक्शन नहीं ले पा रहे क्योंकि वे लोग जब भी पानी का कनेक्शन लेने के लिये आवेदन करते हैं तो उन्हें कनेक्शन देने के लिये अस्वीकृत लौटा दिया जाता है। उनके कनेक्शन की फाइल को स्वीकार नहीं किया जाता तथा उनसे यह कहा जाता है कि बकाया राशि का भुगतान किये बगैर उन्हें नया कनेक्शन नहीं दिया जायेगा जब कि उन्हें भेज गये बिल नाजायज, पूरी तरह से नाजायज है, पूरी तरह से गलत है। अतः मेरा माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि पानी के नाजायज बिलों को माफ किया जाये जिससे संबंधित उपभोक्ता को राहत मिलेगी तथा स्थाई कनेक्शन लेने पर दिल्ली सरकार के रेवेन्यू को बढ़ाया जा सके। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी से यह भी अनुरोध है कि विकास शुल्क या

कनेक्शन शुल्क में जो छूट आप लोगों ने दी थी, लगभग 25 सितम्बर को खत्म हो गई थी। उस सुविधा शुल्क को आप दोबारा से पुनः उसी तरह से लागू करें। क्योंकि जिन कालोनियों में लगभग जुलाई के आस पास पानी दिया गया और सितंबर में ये छूट आप लोगों के द्वारा खत्म कर दी गई। उन कालोनियों में रहने वाले निवासी स्थाई कनेक्शन आज तक नहीं ले पाये हैं और मुझे लगता है कि जल विभाग में अगर कोई बहुत ढीले अधिकारी काम कर रहे हैं तो वह बिलिंग व्यवस्था को देखने वाले अधिकारी हैं। मेरी विधानसभा के साथ साथ जो दूसरी विधानसभाएं भी हैं, वहां भी हमारे विधायकों को और वहां के निवासियों को इसी तरह की समस्या का कोई समाधान मिल नहीं पा रहा। इसलिए मेरा मंत्री जी से अनुरोध है कि कृपया करके वो जितने भी अफसर हमारे बिलिंग डिपार्टमेंट में बैठे हैं, उन्हें थोड़ा सा टाईट करें, उन्हें थोड़ा सा सख्त करें।

अध्यक्ष महोदय : भावना जी कम्पलीट करें।

सुश्री भावना गौड़ : बस, आखिरी बात कह के मैं समाप्त करूंगी अध्यक्ष जी, क्योंकि मैं साउथ वैस्ट डिस्ट्रिक्ट की चेयर पर्सन हूं। चेयर पर्सन होने के नाते पांच विधानसभाएं मेरे अंडर आती हैं और उसमें बिजवासन विधानसभा भी बिल्कुल मेरे पड़ोस में लगती हुई विधानसभा है। अभी लगभग 70 से 75 प्रतिशत विधानसभा में हम वहां पानी उपलब्ध नहीं करवा पाये हैं। इसीलिये सबसे बढ़िया माध्यम केवल ट्यूबवैल के बोर लगने का है और लगभग 14 ट्यूबवैल के बोर वहां पर आलरेडी मई से पास हुए पड़े हैं। लेकिन अधिकारियों के ढीलेपन की वजह से और ठेकेदारों की कमजोरियों की वजह से वो ट्यूबवैल आज तक उस स्थान पर नहीं लग पाये जहां उन्हें लगना चाहिये था। मेरा आदरणीय मंत्री जी से यह अनुरोध है कि कृपया करके इस काम

को जल्द से जल्द शुरू कराये ताकि ये पीने का पानी लोगों के पास में उपलब्ध हो सके। बहुत बहुत धन्यवाद।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : भई, देखिये ऐसे नहीं चलेगा। सदन को ठीक से चलने दें। कितना ही महत्वपूर्ण विषय है, आपके पास समय होता है। उसमें लिख के दीजिये आप। श्री ओम प्रकाश जी।

श्री ओम प्रकाश : धन्यवाद अध्यक्ष जी। अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से दिल्ली सरकार के अनेकों अनेक विभागों में कार्य कर रहे अनुबंध कर्मियों की ओर दिलाना चाहता हूं। सरकार ने बार बार अनुबंध कर्मचारियों को पक्का करने के लिये, उनकी मदद के लिये अनेकों अनेक वायदे किये परंतु सरकार के आने से पहले भी जो बात की जा रही थी कि अनुबंध कर्मियों को पक्का किया जायेगा, परंतु बड़ा खेद का विषय है कि आज तक किसी भी अनुबंधकर्मी को पक्का नहीं किया गया। इसमें जो यूथ है ज्यादातर जो अनुबंधकर्मी हैं उनका भविष्य अधर में लटका हुआ है। अनेकों डिपार्टमेंट में उनका शोषण हो रहा है। कुछ बाहर से सुनने में आया है कि कार्य कर रहे अनुबंधकर्मियों का अनुबंध पांच साल के लिये बढ़ाया जायेगा, परंतु इस विषय में भी कोई प्रगति नहीं हुई। मेरे क्षेत्र में अनेकों अनेक संस्थान जैसे कि हेडगेवार हास्पिटल उसमें भी अनेकों अनेक अनुबंधकर्मी और आउट सोर्स पर काम करते हैं। अनुबंधकर्मी और आउट सोर्स किये गये लोगों को मिनिमम वेजिज नहीं मिल रहा है। उनका शोषण हो रहा है। उनका जो समय है, जितने कार्य के घण्टे होने चाहिये, उससे ज्यादा उनसे काम लिया जा रहा है और मिनिमम वेजिज से कम पैसा उनको दिया जा रहा है। अनेकों अनेक बार इनकी शिकायत की गई है परंतु

संबंधित डिपार्टमेंट की ओर से इस विषय में कोई कार्रवाई नहीं हुई। दिनांक 16.11.15 के अखबारों में आया है कि एनडीएमसी अपने सात हजार कर्मियों को पक्का करेगा। अतः मेरा आपसे अनुरोध है कि आप सरकार को निर्देश दें कि जल्द से जल्द एनडीएमसी और दिल्ली सरकार के विभागों में कार्यरत अनुबंधकर्मी और आउटसोर्स लोगों की दयनीय दशा और उनकी परेशानियों को हल करते हुए उन्हें पक्का करने का आदेश करें। धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय : श्री जगदीश प्रधान जी।

श्री जगदीश प्रधान : धन्यवाद अध्यक्ष जी।

आदरणीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान मेरे विधानसभा क्षेत्र मुस्तफाबाद में शिक्षा हेतु अनुकूल वातावरण ना होने की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। मैंने गत सत्र में भी आपका ध्यान इस ओर अकार्षित किया था परंतु बड़े खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि इस दिशा में अभी तक कोई भी प्रगति नहीं हुई है।

महोदय, मैं आपको पुनः ध्यान दिलाना चाहता हूं। मेरी विधानसभा क्षेत्र में करीब चार लाख की आबादी है और चार लाख की आबादी के ऊपर केवल एक सैकेण्डरी विद्यालय है और एक सीनियर सैकेण्डरी विद्यालय है। दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि एक ही स्कूल के अंदर चार शिफ्ट लगती हैं। तीन घंटे आधे बच्चे पढ़ते हैं और तीन घंटे आधे बच्चे पढ़ते हैं। ये देश की राजधानी का हाल है। सैकेण्डरी स्कूल मुस्तफाबाद में करीब दो हजार बच्चे हैं। इसमें अंदर बैठने की व्यवस्था केवल एक हजार बच्चों की है। एक हजार बच्चे स्कूल के बाहर बैठते हैं। चाहे गरमी हो या सर्दी हो और वह भी तीन घंटे के लिये आधे बच्चे पढ़ते हैं और तीन घंटे आधे बच्चे पढ़ते हैं। इसी तरह से

एक सीनियर सैकेण्डरी विद्यालय तुकमीरपुर के नाम से है, उसमें करीब सात हजार बच्चे हैं। सात हजार बच्चों में भी कम से कम हजार पंद्रह सौ बच्चे बाहर बैठते हैं, तो मैं ज्यादा कुछ ना कहते हुए क्योंकि मेरी पर्सनली भी शिक्षा मंत्री महोदय से बात हुई उप मुख्यमंत्री जी से और मुझे उम्मीद भी लग रही है। शायद अगर ये रूचि लेंगे तो हमारी विधानसभा में दो तीन विद्यालय बनेंगे।

अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा न कहते हुए इतना ही कहूंगा मुख्यमंत्री जी आपसे कि जैसे मेरी विधानसभा है, मेरे साथ में लगती हुई करावल नगर विधानसभा भी ऐसी है। उधर गोकुलपुर विधानसभा है। उन विधानसभाओं की भी शिक्षा के मामले में यही हालात है जैसी मुस्तफाबाद की है। स्कूलों के लिए जब तक आप जमीन खरीदने की कोई प्रक्रिया या कोई कानून नहीं बनाएंगे तब तक इन विधानसभाओं में विद्यालय नहीं बन पायेंगे क्योंकि जो 2013 में कांग्रेस लैंड बिल लेकर आई थी, वह लैंड बिल इतना कठिन है कि आप जमीन एक्वायर नहीं कर सकते। मेरी आपसे हाथ जोड़कर विनती है कि जो गरीब बच्चे, क्योंकि एक तो हमारे यहां सबसे पिछड़ी हुई आबादी है। हमारे यहां बहुत गरीब लोग रहते हैं, मजदूर तबका रहता है, पांच छह हजार आठ हजार रुपये की नौकरी करता है। वह प्राइवेट स्कूल में अपने बच्चों को नहीं पढ़ा सकता और सरकारी स्कूल वहां है नहीं और बाहर जाने के लिये बसें हमारे यहां आती नहीं हैं। न करावल नगर विधानसभा में बस आती है न मुस्तफाबाद में आती हैं। मैं तो हाथ जोड़कर आपसे यही प्रार्थना करना चाहता हूं कि जल्दी से जल्दी मेरे यहां दो तीन स्कूलों का इंतजाम करायें। मैं आपका हमेशा आभारी रहूंगा। धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय : सुश्री अलका लाम्बा जी।

सुश्री अलका लाम्बा : धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने मुझे मौका दिया। अध्यक्ष जी मैं आपका ध्यान मेरे क्षेत्र की एक बहुत गंभीर समस्या है, विकास का मामला है क्योंकि अभी गुरूपर्व भी आ रहा है और जो अभी सीसगंज गुरुद्वारे से लगातार जो सड़क का निर्माण कार्य अधूरा है, फतेहपुरी मस्जिद से लालकिले तक का, मैं निवेदन करना चाहती हूं कि उस सड़क का और जामा मस्जिद की सड़क का निर्माण जल्द किया जाये। उसकी वजह से वहां घंटों जाम लगता है और जो घंटों जाम लगता है, वही एक कारण प्रदूषण का भी बनता है और बहुत बार कस्तूरबा गांधी अस्पताल जो जामा मस्जिद के तहत आता है उसकी सड़क की वजह से जाम लगने की वजह से बहुत बार मरीज अस्पताल पहुंचने तक क्योंकि वो शिशु मातृ अस्पताल है। पिछले सात–आठ महीनों में बहुत बार सड़क और रास्तों पर भी डिलीवरी हुई है। यह एक गम्भीर मुद्दा है जिसकी ओर मैं सदन का ध्यान दिलाना चाहती हूं और उम्मीद करती हूं कि इस पर तुरन्त कार्रवाई करके इस विकास के कार्यों को आगे बढ़ाया जायेगा।

अध्यक्ष महोदय : धन्यवाद, श्री प्रवीण कुमार जी।

श्री प्रवीण कुमार : अध्यक्ष महोदय जी, धन्यवाद जो आज आपने मुझे यहां बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, आज मैं यहां पर जो इशू उठा रहा हूं, यह मेरे क्षेत्र का बहुत गम्भीर इशू है और जिसके कारण, मेरे क्षेत्र की करीब 10,000 जनता, खौफजदा है और क्योंकि करीबन 4 से 5 किलोमीटर का जो स्ट्रैच है भगवान नगर–सनलाइट कालोनी–सरायकाले खां इस सारे एरिया से एक हाईटेंशन वायर जाती है। ऊपर से जा रही इस हाईटेंशन वायर होने के कारण साल में लगभग तीन या चार मौतें सिर्फ उसके करंट के कारण होती हैं तो अध्यक्ष महोदय इस बारे में काफी बार पहले भी प्रपोजल रेज कर चुके

हैं और कन्सर्न्ड मिनिस्टर को मैं भी इस बारे में लिख चुका हूं। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत गम्भीर समस्या है। लेकिन अभी तक इसका निदान नहीं हो पाया है। तो मैं आपके माध्यम से संबंधित मंत्री जी साहब से गुजारिश करता हूं कि वो थोड़ा ध्यान दें और इस बारे में हमारी क्षेत्र की जनता को सॉल्यूशन दें।

अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा यहां पर मनोज भाई ने एक और गम्भीर इशू उठाया था उसका पूर्ण तरीके से समर्थन करते हुए, उसमें एक बात मैं और जोड़ना चाहूंगा कि एक तो शराब के ठेके स्कूल के पास हैं और दूसरी एक और कठिनाई जो है वो यह कि ठेके रिहाईशी इलाके में हैं जो कि झुग्गी—बस्ती और काफी सारी आर्गनाइज रेजिडेन्शियल कालोनी भी हैं तो मेरी गुजारिश है कि जो ठेके हैं वो रेजिडेन्शियल कालोनीज से थोड़ा अलग हों ताकि जिस तरीके से जो दुष्प्रभाव शराब से पड़ता है, उसको थोड़ा रोका जा सके और इसमें एक और एडीशनल चीज, मुझे लगता है कि बाकी सदस्य भी इसमें मुसेमुखातिम होंगे कि जिस तरीके से शराब को प्रोजेक्ट किया जा रहा है टेलीविजन, थियेटर्स और फिलम्स के माध्यम से। कोई भी गाना उठा लीजिये, शुरू होता है शराब से और खत्म होता है शराब पे। और इसका बहुत बड़ा दुष्प्रभाव पूरी सोसाइटी पर पड़ रहा है और इस बारे में सदन को, देश को सोचने की जरूरत है कि हम अपनी सोसाइटी को किस तरफ ले जा रहे हैं। यह बहुत गम्भीर मसला है और जब एक दो साल का बच्चा भी अगर देखता है कि शराब को किस तरीके से फैशन के साथ परोसा जा रहा है कि शराब पिओ तो फैशन है और शराब के बिना तुम्हारी जिन्दगी व्यर्थ है तो जिस तरीके से शराब को फैशन से रिलेट किया जा रहा है, यह बहुत दुखद है और इस तरीके से किसी भी गाने में क्योंकि आप चार बोतल वोडका गाना सुनते हैं,

अध्यक्ष महोदय : प्लीज।

श्री प्रवीण कुमार : तो उसमें भी किस तरीके से शराब पर चालू होकर शराब पर ही खत्म है।

v/;{k egkn; % क्लोज करिये।

Jh izoh.k dqekj % तो इस तरीके से बहुत सारे वाकये है जो कि हमारे देश को, हमारी सोसायटी को डाइवर्ट कर रहे हैं, और हमारे बच्चों का भविष्य खतरे में डाल रहे हैं। धन्यवाद अध्यक्ष महोदय।

v/;{k egkn; % अमानतुल्लाह जी।

Jh vekurqYykg [kku % बहुत–बहुत शुक्रिया आपने 280 के तहत बोलने का मुझे मौका दिया। मैं जो बीएसईएस बिजली की कम्पनी है, मैं उस पर बात करना चाहता हूं कि आज उसके जुल्म से पूरी दिल्ली परेशान है। खासकर मेरे इलाके में बीएसईएस ने ठेका दिया एक प्राइवेट आईएसएस एन्टरप्राइजेज को। वो मनमाने ढंग से लोगों के घरों में जाती है, छापे मारती है और मनचाहा पैसा वसूलती है। एक दूसरा चलन और चला है कि पूरे इलाके के अन्दर हर दिन एक टीम निकलती है और वह यह कहते हैं कि हम मीटर बदल रहे हैं, हम मीटर बदलने का काम कर रहे हैं जबकि उनके पास ऐसा कोई आर्डर नहीं है और ऐसा कोई उनके पास सबूत नहीं है कि जो पुराना मीटर लगा हुआ है या तो वह धीमे चलता है और या खराब है और वह मीटर बदल कर ले जाते हैं। अपनी मर्जी से ले जाते हैं, और उसके बाद वो लैब में भेजते हैं और कहते हैं कि इसमें तो टैम्परिंग था और टैम्पर के नाम पर लाखों का बिल वो दे देते हैं। एक अच्छा इन्सान जो कम इंकम वाला है, वो इस बिल को पे

नहीं कर पाता और बिल पे न करने की वहज से जो नया मीटर लगा था वो भी उखाड़ कर ले जाते हैं। तो एक अच्छा जो इन्सान है, वह चोर बन जाता है। तो यह सिलसिला मेरी विधानसभा में चल रहा है। तो मेरा आपसे अनुरोध है कि इसको पूरे तौर पर रोका जाये।

दूसरा, यह लोग जो रेड करते हैं जो थैफट के नाम पर रेड करते हैं, वहां पर ये जाते हैं। डीईआरसी एक्ट यह कहती है कि अगर आप रेड कर रहे हो तो एक बल्ब आप लगा रहे हो। वह जलना चाहिए, उसका कनैक्शन भी होना चाहिए। अगर किसी की एक मशीन खराब पड़ी है, किसी की तीन मोटर खराब पड़ी हैं या चार वाशिंग मशीन खराब पड़ी हैं तो वह उसको भी उसके अन्दर एड करके और उस पर बिल बनाकर भेज देते हैं। और उस पर कोई किसी किस्म की लगाम नहीं है। डीईआरसी एक्ट यह कहती है कि आप ऐसा नहीं कर सकते अगर आप बल्ब को लगा रहे हैं कि वो डायरेक्ट जल रहा है तो वह जलता हुआ नजर आना चाहिए और कनैक्शन भी होना चाहिए। लेकिन ऐसा यह लोग नहीं करते और यह मनचाहे ढंग से और मीटर के बारे में डीईआरसी की एक्ट में अगर एक आदमी बिल पे नहीं कर पा रहा है तो उस वक्त तक छः महीने तक उस दीवार से उसका मीटर नहीं उतार सकते लेकिन यह जाते हैं 15 दिन में, 20 दिन में एक महीने में उसका मीटर उखाड़ कर ले जाते हैं फिर यह दोबारा से अपने हिसाब से उस पर जुल्म करते हैं, ज्यादती करते हैं। बिल न देने की वजह से वहां पर रेड मारते हैं। मेरा आपसे अनुरोध है कि बीएसईएस वालों की जो ज्यादती है, उसको खत्म किया जाये और इस हरकत के लिये जो यह कह रहे हैं अगर कोई अच्छी सी ईमानदार कम्पनी अगर दिल्ली की बीएसईएस कम्पनी की जगह अगर ठेका चलाने के लिये तैयार है तो उसे दिया जाये।xxx[1]

1. xxxxx चिह्नित शब्द अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गये।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यहां बीएसईएस के बाद जो भी बातचीत हुई है, उसको कार्रवाई से निकाल दीजिये।

अध्यक्ष महोदय : ओम प्रकाश जी बैठिये, मैं बिठा रहा हूं उनको। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं आपसे प्रार्थना कर रहा हूं बैठ जायें। ओम प्रकाश जी बैठिये, मैं बिठा रहा हूं उनको।

अध्यक्ष महोदय : चलिये, सोमदत्त जी।

श्री सोमदत्त : धन्यवाद, अध्यक्ष जी।

अध्यक्ष महोदय : सोमदत्त जी आप बोलिये।

श्री सोमदत्त : मैं आपका ध्यान अपनी विधान सभा से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण समस्या की तरफ दिलाना चाहता हूं।...

अध्यक्ष महोदय : आप जारी रखिये।

श्री सोमदत्त जी : एमसीडी के गैर जिम्मेदाराना रवैये का एक उदाहरण आपके सामने रखना चाह रहा हूं। दिल्ली जल बोर्ड पानी की इमरजेंसी सर्विस प्रोवाईड करता है और मेरी विधानसभा में कई जगह पानी की लाईनें डली हैं लेकिन पिछले कई महीनों से दिल्ली जल बोर्ड को एमसीडी कोई भी लाईन डालने की अनुमति नहीं दे रहा और मैं समझता हूं कि यह समस्या सिर्फ अकेले मेरी विधानसभा से नहीं जुड़ी हुई, दिल्ली की और भी जितनी भी विधानसभायें हैं वहां एमसीडी दिल्ली जल बोर्ड को अपनी सर्विस प्रोवाईड करने से रोक रहा

है। पहले पास्ट में ऐसा होता था कि जब भी कोई एजेन्सी चाहे बीएसईएस, एनडीपीएल या एमटीएनएल एमसीडी की रोड पर कोई भी काम करती थी, तो जे.ई. एक अण्डरटेकिंग लिख कर दे देता था कि मैं यह काम कर रहा हूं और इसके बाद मैं इसको रेस्टोर कर दूंगा। लेकिन आज की डेट पर एमसीडी पक्षपात पूर्ण रवैया अपना रही है एमसीडी द्वारा लोगों को तरह–तरह से परेशान किया जा रहा है। कोई भी पानी की लाईन नहीं डालने दी जा रही है। मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है कि इस बारे में जल्दी से जल्दी से कोई पॉलिसी बनाई जाये। जो लोग प्यासे हैं, वह फाइलों को नहीं समझते हैं। पानी उनकी इमरजैन्सी सर्विस है, इमरजैन्सी रिक्वायरमैन्ट हैं उसके लिये कोई फार्मेलिटी नहीं होनी चाहिये और जल बोर्ड जो भी काम करे पानी की, या सीवर की लाईन डालें, उसके लिये जे.ई. द्वारा वो अण्डरटेकिंग ही पर्याप्त होनी चाहिये। एमसीडी ने पिछले लगभग एक से डेढ़ साल में मेरी ऐसेम्बली के अन्दर अभी तक एक भी लाईन नहीं डालने दी। तीन बार सामान उठा कर ले गये FIR lodge करा दी। लोग पानी के लिये परेशान हो रहे हैं और एमसीडी पब्लिक को परेशान कर रही है। दिल्ली की जनता को परेशान करने का कोई मौका नहीं चूक रही। इसलिये कोई पालिसी बनाकर जल्द से जल्द निर्णय लिया जाना चाहिए। धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय : श्री राजेश ऋषि जी।

श्री राजेश ऋषि जी : अध्यक्ष जी, सबसे पहले तो मैं सदन को दीपावली की और छठ की शुभकामनायें देता हूं। आपने नियम 280 के अधीन मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिये भी मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं अपने क्षेत्र में खाद्य पदार्थों में हो रही मिलावट पर सबका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। क्योंकि हमारी सरकार ने स्वास्थ्य के बजट को डेढ़ गुना किया और हम लोग

स्वास्थ्य को अच्छा करने की कोशिश कर रहे हैं, स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन दिल्ली के अन्दर जो मिलावट का माफिया बन गया है, मिलावटखोरों ने इस वक्त दिल्ली में हमारी जो दीवाली आई उसमें लाखों–करोड़ों रुपये का नकली मावा, नकली दूध बेचा। हमारे यहां जो मिलावट इस समय चल रही है, सबसे ज्यादा मिलावट दूध में हो रही है। दूध में डिटरजैंट की मिलावट हो रही है, सिंथेटिक दूध आ रहा है। मिलावटी दूध की वजह से एक अनजान मां अपने बच्चे को डिटरजैन्ट पिला रही है। उसको यह नहीं पता कि जो दूध वह पिला रही है, उसके अन्दर क्या–क्या है। इस मिलावट की वजह से लोग बीमार पड़ रहे हैं, बच्चों की किडनी और लीवर खराब हो रहे हैं। गरीब आदमी किडनी और लीवर की बीमारी का महंगा इलाज होने के कारण इलाज नहीं करा पाता जो कि बहुत महंगा इलाज है। इसके कारण वह अपने बच्चे को तिल–तिल मारते हुए देखता है। मिलावटखोरों और भ्रष्टाचारियों को दंडित करने के लिये कानून दर कानून बनते जा रहे हैं, लेकिन हमारा कानून बहुत लचीला है। ऐसे कृत्य करने वालों को सजा मिलनी चाहिए। लेकिन उनको सजा मिलती है, लेकिन कुछ दिनों बाद वह छूट कर फिर आ जाते हैं। यह लोग जेल की सलाखों के पीछे होने चाहिए। इनको कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि सरकार कानून का कड़ाई से पालन करे और ऐसे मिलावटखोरों को कड़ी से कड़ी सजा दे ताकि आगे जो मिलावट करने वाले हैं, इससे वो सबक ले सकें। धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय : श्री राजेन्द्र पाल गौतम जी।

श्री राजेन्द्र पाल गौतम : धन्यवाद, अध्यक्ष जी। आपने मुझे नियम 280 के तहत बोलने का अवसर दिया। मैं आपका ध्यान डीडीए और एमसीडी द्वारा

संचालित पार्कों की तरफ ले जाना चाहता हूं। मेरी विधानसभा में जितने भी बड़े पार्क हैं, वो डीडीए के अधीन आते हैं और जितने भी छोटे पार्क हैं वो एमसीडी के अधीन आते हैं लेकिन सभी पार्कों की स्थिति बड़ी दयनीय है। मेन्टेनेन्स के नाम पर पैसा तो खर्च होता है लेकिन पार्कों में नजर नहीं आता। पार्कों में धूल उड़ती है, न पौधारोपण होता है, न पौधों को पानी दिया जाता है, न घास लगाई जाती है और ऐसा लगता है कि बदहाली की हालत में इन पार्कों को जानबूझ कर छोड़ा जा रहा है। बार–बार लिखने के बावजूद, बोलने के बावजूद डीडीए और एमसीडी के अधिकारी बिल्कुल भी ध्यान नहीं देते। यहां तक कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल की जो गाइडलाइन्स है कि उसकी पत्तियों को न जलायें बल्कि दबायें वह खाद बनती है। उन पत्तियों को इकट्ठा होने के बाद हर तीसरे चौथे दिन आग लगा दी जाती है तो वह खुले ओम एनजीटी की गाइडलाइन्स का भी उल्लंघन कर रहे हैं। जिसके ऊपर पैनल्टी का प्रोविजन है, सजा का प्रोविजन है। तो मैं सदन का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं और सदन के माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि डीडीए और एमसीडी को डायरेक्शन्स दी जाये और अगर वह गाइड लाइन्स को नहीं फौलो करते तो सजा दी जाये। आपने मुझे बोलने का मौका दिया। बहुत–बहुत धन्यवाद।

v/;{k egksn; % श्री जरनैल सिंह (रा.गा.)।

Jh tjuSy flag ¼राजौरी गार्डन½ % अध्यक्ष महोदय, मैं यह पूछना चाहता हूं कि नियम 280 के जो उल्लेख किये जाते हैं, जो सवाल प्रश्नकाल में आ जाते हैं, उनके जवाब तो आते हैं। मैंने यह सवाल पहले भी उठाया था जो कई महत्वपूर्ण विषय हमारे सारे विधायक उठाते हैं। इसकी कोई व्यवस्था होनी चाहिए क्योंकि मीडिया के लिये, हम सरकार के लिये सरकार की तरफ से कोई

जवाब, उनके ऊपर कोई कार्रवाई अगर इसकी भी कोई व्यवस्था की जाये तो यह जो सवाल हम उठाते हैं, हम विषय उठाते हैं उसकी एक सैंक्टिटी रहेगी, उसका कोई महत्व रहेगा। इसकी कोई व्यवस्था जरूर कीजिये।

v/;{k egkn; % इसके लिये पहले भी मैंने लिखा है। एक बार दोबारा फिर से, मैं आलरेडी लिख चुका हूं। एक बार दोबारा रेमाइन्डर भेजते हैं। समय–सीमा भी दी थी कि 30 दिन के अन्दर–अन्दर 280 के विशेष उल्लेख के उत्तर आ जाने चाहिए। अब एक महत्वपूर्ण घोषणा रह गई थी। मैं माननीय उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी से प्रार्थना कर रहा हूं हमारे नये खाद्य मंत्री श्री इमरान हुसैन जी का इन्ट्रोडक्शन सदन को दें।

mi e[;e=h] Jh euh"k fllkfn;k % गलती हो जाती है, हमसे भी गलती हो सकती है। हमारे मंत्रिमण्डल में नये साथी के रूप में मैं सदन की ओर से इमरान हुसैन जी का स्वागत करता हूं। इमरान हुसैन जी बल्लीमारान विधान सभा से हमारे बीच में सदस्य के रूप मे चुन कर आये हैं और इससे पहले वो दिल्ली नगर निगम में पार्षद के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। इन्होंने बीबीएस ग्रेजुएशन की जामिया से डिग्री ली है। अन्ना जी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई चली थी, उसमें भी सक्रिय भागीदारी इन्होंने की थी। ये इनका संक्षिप्त सा परिचय है। खाद्य आपूर्ति और पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय सरकार की ओर से, माननीय मुख्यमंत्री जी की ओर से इनको दी गई है। मैं सभी साथियों की ओर से इनका बहुत–बहुत स्वागत करता हूं।

v/;{k egkn; % बहुत–बहुत धन्यवाद। सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए टी–ब्रेक हेतु स्थगित की जाती है।

¼lnu dh dk;Zokgh 4%00 cts rd lk;adky gqr, LFkfxr dh xbZ½

सदन अपराह्न 4:05 पुनः समवेत हुआ

अध्यक्ष महोदय ¼Jh jke fuokl xks;y½ *पीठासीन हुए।*

vYidkfyd ppkZ

v/;{k egksn; % अल्पकालिक चर्चा। 27 सदस्यों के मेरे पास नाम आए थे जिनमें से समय को देखते हुए तीन को छांटा गया है जो महत्वपूर्ण थे। सर्वप्रथम श्री जगदीश प्रधान जी, ओम प्रकाश शर्मा और विजेन्द्र गुप्ता दिल्ली में अनधिकृत कालोनियों के हालात से उत्पन्न स्थिति के संबंध में अल्पकालिक चर्चा आरंभ करेंगे। अन्य सदस्य भी चर्चा में भाग लेंगे। सर्वप्रथम जगदीश प्रधान जी।

Jh txnh'k iz/kku % धन्यवाद, अध्यक्ष जी। अध्यक्ष जी मैं दिल्ली की जो 1639 अनअथोराईज्ड कालोनियां हैं, उनकी तरफ आपके माध्यम से उप–मुख्यमंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, कि मेरी विधान सभा के अंदर करीब 99.5 परसेंट अनअथोराईज्ड कालोनियां हैं और मैं कुछ तस्वीर अपने साथ लेकर आया हूं कि गदंगी का स्तर ऐसा, ऐसे पानी भरा हुआ है कालोनियों के अंदर कि कोई भी डिपार्टमेंट, डीएसआईडीसी वाले कह देते है कि फ्लड वाले बनाएंगे। फिर दूसरे आर्डर हो जाते है कि डीएसआईडीसी वाले बनाएंगे तो इस तरह से हमारे यहां समस्या पैदा हो रही है जिससे बीमारी फैल रही है और अनअथोराईज्ड कालोनियों के अन्दर मैं आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं कि जो पोल्यूशन है, हमारे यहां जीन्स की फैक्ट्री लगी हुई हैं, उन लोगों ने, एक तो पानी निकालते है अंदर से और दूसरा जो गंदा पानी होता है, उसे जमीन के अंदर छोड़ देते है। जिसकी वहज से कैंसर से लोग दिन–ब–दिन पीड़ित

होते जा रहे हैं तो मेरा सबसे पहले तो सिसौदिया साहब से आग्रह है कि जो हमारा डीएम है उसको आप कड़ाई से आदेश करें कि जिन अनअथोराईज्ड कालोनियों में दिल्ली के अंदर कहीं भी इस तरह का पोल्यूशन हो रहा है, उसको तुरंत रोका जाए, ताकि लोगों की जान न जा पाएं। आप जाएंगे, इलाके में देखेगे टोटल नालियों के अंदर जो जीन्स की धुलाई होती है उसका पानी भरा रहता है और वो पानी नीचे जाता है और स्वच्छ पानी लोगों को पानी के लिए मिल नहीं पाता तो जो गरीब लोग हैं, जिनके पास कनैक्शन नहीं हैं, वो हैंड पम्प का पानी यूज करते है। अब जब हैंड पम्प का पानी, उस गंदे पानी को आदमी पिएगा तो बीमार होने से वो आदमी नहीं बच पाएगा।

दूसरा जो 1639 कालोनियों की बात मैं कर रहा हूं कि इस साल में करीब नौ महीने सरकार को बने हो गए, अभी तक कोई भी, साहब एक भी विकास कार्य शुरू नहीं हो पाया है। ये उस पर डाल देते हैं, वो उस पर डाल देते हैं। ये तस्वीर मैं कुछ आपके पास साहब दे रहा हूं, इन्हें आप देख लेना। तो मेरा आपसे यही आग्रह है कि अनअथोराईज्ड कालोनियां जितनी भी दिल्ली में हैं, मैं सभी की बात कर रहा हूं अपने यहां की नहीं, उनकी दुर्दशा काफी खराब है क्योंकि इस साल के अंदर कोई भी ना एसटीमेट बना है, ना कोई टैंडर लगे हैं तो मेरा आपसे आग्रह है कि इनमें बजट देकर इनमें टैंडर लगवाए जाएं और जहां तक धन उसके लिए चाहिए तो सैंट्रल गर्वमेंट ने एक योजना आरंभ की थी, आपकी भी जानकारी में होगा सिसोदिया साहब, 'अमृत योजना', जिसमें अनअथोराईज्ड बस्तियों में सीवर डालने के लिए, पानी की लाइन डालने के लिए, सड़कें बनाने के लिए, नालियां बनाने के लिए 1/3 पैसा सैंट्रल गर्वमेंट देगी। जहां तक मुझे जानकारी है कि अब तक भारतवर्ष के अंदर करीब डेढ़

सौ शहरों के लिए 'अमृत योजना' से पैसा मंजूर हो चुका है और उनमें विकास कार्य शुरू हो गए हैं तो मेरा आपसे आग्रह है कि यदि पैसे की कमी है तो आप सैंट्रल गर्वमेंट से 'अमृत योजना' के अंतर्गत पैसे लेकर कालोनियों का विकास कराएं, यही मेरा आपसे आग्रह है, धन्यवाद।

v/;{k egkn; % चौ. फतेह सिंह जी।

pk- Qrg flg % अध्यक्ष महोदय, जहां तक अनाधिकृत कालोनियों का सवाल है। सन् 1993 से इन अनअथोराईज्ड कालोनीज के मुद्दे को लेकर के, चाहे भाजपा की सरकार हो, चाहे कांग्रेस की सरकार हो और वर्तमान में जिस प्रकार से हमारी सरकार ने इन अनअथोराईज्ड कालोनीज के बारे में संज्ञान लिया है और उसके आधार पर जिस प्रकार से दिल्ली के अंदर 1639 कालोनी ही नहीं बल्कि 1800, लगभग 1800 कालोनियों में हमारी सरकार आने वाले दिनों में विकास करने की योजना बना रही है और हमारी सरकार के द्वारा जिस प्रकार से हर जिले के अंदर विकास की गति को तेज करने के लिए, हर जिले में कमेटियों का गठन हुआ और जिस प्रकार से अनअथोराईज्ड कालोनीज के अंदर चाहे वो पानी का मामला हो, चाहे सीवर डालने का मामला हो, हमारी सरकार ने सौ रुपये मीटर के हिसाब से चार्जिज और पानी के डेवलपमेंट चार्जिज के रूप में जो बात जनता के बीच में दी थी, उसके आधार पर आज इस प्रकार से दिल्लीवासी, अनआथोराईज्ड कालोनीज में रहने वाले लोग लगातार अपने पैसे जमा करा करके उनमें पानी की सुविधा और सीवर की सुविधा लेने के लिए आतुर है और हमारी सरकार उस ओर लगातार तेजी से कदम बढ़ा रही है और कुछ कालोनियों में सीवर का काम रुका हुआ भी है लेकिन अधिकारियों को बार–बार इस बारे में बताया जा चुका है कि इन कालोनियों में जहां सीवर

डालने हैं, उसके कारण से थोड़ी दुविधा वाली स्थिति है। जैसा कि प्रधान जी ने कहा कि उनके क्षेत्र की स्थिति और ऐसा ही हमारा विधान सभा क्षेत्र है। जहां पर सीवर का थोड़ा अवरूद्ध होने के कारण से, क्योंकि हम सड़कों का निर्माण जब तक नहीं कर सकते, जब तक कि वहां पर पानी की लाईन और सीवर की लाईन नहीं डाली जाती और वहीं कार्य हमारी सरकार कर रही है। तो चाहे करावल नगर हो, मुस्तफाबाद हो, गोकलपुरी विधानसभा हो या दिल्ली के और अन्य क्षेत्र जहां पर सीवर लाइन डालने का काम, पानी की लाईन डालने का काम चल रहा है, वहां पर अभी ये सब चीजें थोड़ी दिक्कत की हैं। ये ऐसा हम महसूस करते है लेकिन आने वाले समय में निश्चित रूप से एक अच्छा डवलपमेंट इन अनअथोराईज्ड कालोनिज का होने वाला है और आज आप देखेंगे कि दिल्ली के अंदर जिस प्रकार से आज सरकार ने अनेकों योजनाओं को अमलीजामा पहनाया है, उससे लगता है कि आने वाले दिनों में दिल्ली की सभी 1800 कालोनियों में विकास को गति प्रदान होगी और एक समुचित विकास इन अनधिकृत कालोनियों का होगा। मैं आपका हार्दिक गहराईयों से धन्यवाद करता हूं कि आपने अनधिकृत कालोनियों पर चर्चा करने के संबंध में मुझे बोलने का मौका दिया, धन्यवाद।

v/;{k egkn; % श्री विजेन्द्र गुप्ता जी।

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष जी, 1639 कालोनियों के बारे में जिक्र किया गया जगदीश प्रधान जी द्वारा और अगर कुल संख्या अनाधिकृत बस्तियों में रहने वाले लोगों की लगाई जाए तो लगभग 40 लाख लोग मेहतनकश गरीब, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग इन कलोनियों में रहते हैं और मैं अगर ये कहूं कि दिल्ली को बनाने का काम, दिल्ली को संवारने का काम, दिल्ली को बसाने का काम, दिल्ली को विकास की राह पर ले जाने का काम का क्रेडिट अगर

किसी एक वर्ग को देना है तो मैं कह सकता हूं कि अनधिकृत बस्ती के नागरिक, उसमें सर्वप्रथम स्थान प्राप्त करेंगे। लेकिन वास्तविकता क्या है? वास्तविकता ये है कि इन कालोनियों में रहने वाले लोग आज भी नारकीय जीवन व्यतीत करने के लिए मजबूर है। बार–बार सरकार की तरफ से ये बयान भी आए, ये जानकारियां भी आई, यहां तक कि केबिनेट के निर्णय भी आएं कि अनधिकृत बस्तियों को नियमित किया जा रहा है। उसके लिए कोई रोड मैप भी दिए गए लेकिन वास्तविकता इससे अलग है। वही ढाक के तीन पात, वही स्थिति, वही सिर्फ वादें, वहीं सिर्फ आश्वासन, या यूं कहूं कि वही सिर्फ झूठे आश्वासन, जनता के आगे झूठे आश्वासनों के रूप में सिद्ध हुए हैं। इन कालोनियों के लिए ये कहा गया सरकार की तरफ से जो मीटर लगे हैं उसमें एवरेज के तौर पर पानी के बिल भेजे जा रहे है। जो बिल कभी 50–100 रुपए होते थे आज ढाई–ढाई हजार रुपए के बिल एक छोटे से मकान में रहने वाले व्यक्ति को, एक छोटे से परिवार को भेजे जा रहे है। कोई सुनने वाला नहीं है, कोई जानने वाला नहीं है, कोई समझने वाला नहीं है। अभी कुछ चित्र यहां पर जगदीश प्रधान जी द्वारा उप–मुख्यमंत्री जी के पास भेजे गए है। पानी की निकासी की समुची व्यवस्था नहीं है। एक भी कालोनी में पिछले नौ महीने में, एक भी विकास कार्य अतिरिक्त इस सरकार के द्वारा नहीं किया गया है। एक भी कालोनी के अंदर एक सीवर लाइन डालने का काम भी इस सरकार के द्वारा नहीं किया गया है। हम ये जानना चाहते हैं कि सरकार अपनी स्थिति स्पष्ट करे। क्या इन कालोनी में रहने वाले लोग क्या दिल्ली के नागरिक नहीं है? क्या दिल्ली के विकास से उनका कोई संबंध नहीं है? दिल्ली में मिलने वाली सुविधाओं से उनको क्यों महरूम रखा जा रहा है? क्यों उनके प्रति इस तरह का व्यवहार, सौतेला व्यवहार सरकार के द्वारा किया जा रहा है?

हमारा ये कहना है कि 1639 कालोनियों में मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि कम से कम पचास हजार परिवार ऐसे हैं, कम से कम और आन रिकार्ड कर रहा हूं, बहुत जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं, पचास हजार परिवार ऐसे हैं पचास हजार घर ऐसे हैं जिनके घर पर सूरज ढलने के बाद एक बल्ब भी नहीं जलता है, अंधेरे में है। उनको बिजली का कनैक्शन नहीं मिल रहा है। उनको बिजली का कनैक्शन सरकार देने को तैयार नहीं है और उन तमाम बिजली कंपनियों जिनको वहां पर बिजली की लाइन बिछाकर बिजली का कनैक्शन देना चाहिए, उन्होंने साफ रूप से, लिखित रूप से इंकार कर दिया है कि हम आपको बिजली का कनैक्शन नहीं देंगे। क्या ये कोई सोच सकता है कि देश की राजधानी में, दिल्ली के अंदर ऐसे परिवार भी हैं, जिनके पास बिजली के कनैक्शन नहीं हैं। जो अंधेरे में है। जहां पर बिजली की लाइन, बिजली की सुविधा नहीं पहुंच रही है। अध्यक्ष जी, लेकिन सरकार जानबुझकर इस पूरे मामले पर, जिसको कहते है ना कुंडली मारकर बैठी है। इस मामले को हल करने के लिए तैयार नहीं है। उनको बिजली के कनैक्शन मिल जाए इसकी कोई समुची व्यवस्था करने के लिए तैयार नहीं है। तो कहने का अर्थ ये है कि ना पानी की निकासी है, ना बिजली के कनैक्शन हैं, ना पानी की व्यवस्था है। अगर है तो बड़े–बड़े बिल जो सरकार के द्वारा इन कालोनियों में भेजे जा रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, हमारा साफ रूप से कहना है कि दिल्ली की अनधिकृत बस्तियों के साथ ये दोहरा मापदंड, ये सौतेला व्यवहार करना सरकार बंद करे और विकास की जो बात सरकार ने पहली कही थी, इन कालोनियों को नियमित करने की बात जो सरकार ने पहले कही थी, सरकार से हम मांग करते हैं, कि इन कालोनियों को तुरंत नियमित किया जाए और नागरिक सुविधाओं से

ये क्षेत्र, विद्यालय नहीं हैं। क्या आप सोच सकते है कि एक चार साल का बच्चा, पांच साल का बच्चा अगर उसको किसी प्राइमरी स्कूल में भी पढ़ने जाना है तो उसको हाईवे, जी.टी.करनाल रोड, आउटर रिंग रोड जैसी बड़ी–बड़ी सड़कों को पार करके जाना पड़ेगा। पांच–पांच किलोमीटर तक एक भी विद्यालय नहीं है। एक–एक स्कूल में सात–सात हजार बच्चे पढ़ रहे हैं, सात हजार। क्या ये व्यवस्था किसी नारकीय व्यवस्था से कम है? विद्यालयों की व्यवस्था न हीं है, स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था नहीं है, सड़कें नहीं हैं, पीने का पानी नहीं है, बिजली नहीं है, पानी की निकासी नहीं है, सीवर नहीं हैं। इन नौ महीनों में ये सरकार पूरी तरह अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रही है...व्यवधान

v/;{k egkn; % विजेन्द्र जी, कन्क्लूड करिए, प्लीज।

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष जी, सरकार का रवैया सौतेला है, दोहरा है और जो पूरी तरह से अन्यायपूर्ण है, धन्यवाद।

v/;{k egkn; % श्री गुलाब सिंह जी।

Jh xykc flg % धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, अभी अनाधिकृत कालोनी पर चर्चा हो रही है और चर्चा में नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता जी ने अपने विचार रखे। मैं बताना चाहता हूं कि आज तक दिल्ली सिर्फ 895 कालोनियों में ही विकास कार्य कराए जा सकते थे। मैं इस सरकार को बधाई देना चाहता हूं कि आज उस बाउण्डेशन को खत्म करके 1740 की लिस्ट जारी की गई जो अपने आप में बहुत सराहनीय कदम है। अगर आपको इस बात की सूचना नहीं है तो मैं आपको देना चाहता हूं और दूसरा एक और काम जिसके लिए खुद हमारे सभी साथी और खासतौर से तीनों साथी मानेंगे कि आज तक विधायक

फंड, एमएलए फंड सिर्फ गांव में या फिर जो वैध कालोनियां थी द्वारका जैसी जगह थी, वहां पर शहरीकृत गांव। उन गांव में सिर्फ एमएलए फंड इस्तेमाल होता था ये सरकार का बहुत ही सराहनीय कदम है जो एमएलए फंड को भी अनाधिकृत कालोनी में इस्तेमाल करने की इजाजत दी है। ये सरकार का बहुत ही बड़ा कार्य है। दूसरा विजेन्द्र जी, ये बीमारी बहुत लंबी है आपके वक्तव्य से लग रहा था कि जब से दिल्ली की विधान सभा सजी है, यहां पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ही था और उन्होंने ही सारी समस्या पैदा की है। दूसरा अभी कहा गया कि समस्याएं है, हम मानते हैं। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि 9 महीने के अन्दर दिल्ली के अन्दर कितनी सारी अनाधिकृत कालोनियों के अन्दर पानी की लाइनें डाली गयी है। इस बात की मेरे सारे साथी हामी भरेंगे। स्वयं मेरे यहां पर पिछले एक सप्ताह के अन्दर 15 करोड़ रुपये की पानी की लाइन डालने का कार्य शुरू हुआ है। और साउथ वेस्ट के अन्दर मुण्डका, नजफगढ़, मटियाला इन सारी विधानसभा में 600 करोड़ रुपये की पानी की लाइन डालने का कार्य शुरू हो चुका है ये मैं आपके संज्ञान में लेकर आना चाहता हूं। ये सारे के सारे काम अगले 6 महीने के अन्दर पूरे भी होने जा रहे हैं और ये दावा करता हूं कि वहां पर आप कह रह हैं कि वहां पर पानी भरा पड़ा है, वहां पर रोड नहीं है, वहां पर हालत खराब है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि एनजीटी कोर्ट की वजह से जो स्टे आई कि पहले दिल्ली के अन्दर एसटीपी बनाए जाए। हमारी सरकार की मैं तारीफ करना चाहता हूं कि पूरे क्षेत्र के अन्दर दिल्ली जल बोर्ड ने जगह फाइंड आउट की है, उन जगह की लिस्ट बन रही है और अगले 18 महीने के अन्दर दिल्ली में बहुत सारे एसटीपी बनाने का प्रयोजन है एसटीपी बनेंगे जोकि समस्या का निराकरण करने का एक बहुत कठोर कदम सरकार ने उठाया। दूसरा रोड की बात यहां पर आई। मैं बताना चाहता हूं

कि इससे पहले पैसे का किस तरह से दुरूपयोग हुआ पूर्व की सरकारों ने आज सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला लिया 14 तारीख को एक सर्कुलर आया जिसमें कहा गया कि जहां पर पानी या सीवर लाईन दोनों है, वहां पर आरएनसी रोड कर दिए जाए। लेकिन इनमें से अगर कुछ भी नहीं है यदि इनमें से कोई एक सुविधा दी है तो वहां पर तारकोल के रोड बनाए जाएं जो कि अपने आप में बहुत सराहनीय कदम, अगर बजट को देखते हुए, जनता के पैसे को बचाने को देखते हुए, उस पैसे का ध्यान रखते हुए एक सराहनीय कदम है और जब भी सीवर का दो साल बाद या ढाई साल बाद दिल्ली में सीवर लाइन डालने का प्रस्ताव पास हो तो मैं ये मानता हूं कि उन रोडस को उखाड़ने के बाद उसमें सीवर लाइन डालते वक्त हमारा पूरी दिल्ली की जनता का बहुत सारा खून पसीने का पैसा बचेगा, यह इस सरकार ने बहुत अच्छा सरकुलर आपके सामने पेश किया। लेकिन मैं ये जरूर कहना चाहता हूं कि हां, अभी कामों की जरूरत है लेकिन मुझे विश्वास है अपनी सरकार पर अपने सारे मंत्रियों पर, अपने सारे विधायकों पर और सबसे पहले मैं एक बात कहना भी चाहूंगा कि साथ में जितने भी हमारे अधिकारीगण है, उन्होंने भी अनाधिकृत कालोनियों के लिए जो सरर्कुलर लेकर आए है, जो मैंने योजनाएं बनायी है, उसके लिए पूरे के पूरे विभाग के अधिकारी भी बधाई के पात्र है। मेरा खुद का अनुभव है परसों की एक घटना है। अभी भाई साहब कह रहे थे कि अभी पानी भरा पड़ा है, आउट्स फॉल नहीं है। मेरी खुद की कालोनी मटियाला विधानसभा में समस्या थी आउट्स फॉल की। चेतन सांघी जी का तहेदिल से धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मेरी बात को बहुत ध्यानपूर्वक सुना और परसों डीएमआईडीसी, दिल्ली जल बोर्ड और फ्लड डिपार्टमेन्ट का ज्वाइन्ट सर्वे कराया और अगले एक

महीने में वहां पर पिछले 25 साल की समस्या है। अगले एक महीने के अन्दर उस समस्या को खत्म कर दिया जाएगा ये लिखित में उन्होंने आश्वासन दिया है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि...

v/;{k egksn; % कन्क्ल्यूड करिए गुलाब जी।

Jh xqykc flag % अनाधिकृत कालोनियों के लिए सरकार ने बहुत अच्छी योजानाएं बना रखी है, चाहे वो मौहल्ला क्लीनिक की बात हो, 15 मौहल्ला क्लीनिक खुद मेरी विधानसभा में और दिल्ली में 1000 मौहल्ला क्लीनिक का प्रस्ताव पास हुआ है जो आने वाले 4 से 6 महीने के अन्दर मौहल्ला क्लीनिक भी आपको मिलने जा रहे हैं। तो ये सारी की सारी सुविधाएं आने वाले 6 महीने से लेकर एक साल के अन्दर आपको धरातल पर कार्य दिखेगा, थोड़ा सा धैर्य रखें। आपने मुझे बोलने का मौक दिया, इसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद।

v/;{k egksn; % श्री ओम प्रकाश शर्मा जी।

Jh vkse izdk'k 'kekZ % धन्यवाद माननीय अध्यक्ष जी, दिल्ली में अनाधिकृत कालोनियों के विषय में माननीय सीएम साहब और उनकी पार्टी ने जो लॉलीपोप और जो तरह तरह के जो वायदे किए थे, आज 9 महीने पूरे होने के बाद भी उन कालोनियों में किसी प्रकार की कोई सुविधा लोगों को नहीं मिल पा रही है, चाहे स्कूल की बात हो, चाहे दवाई की बात हो, चाहे वो लेट्रिन ब्लाक्स की बात हो, इन्फ्रास्ट्रक्चर की बात हो। अनेकों अनेक ऐसी चीजें है जिसके लिए आज अनाधिकृत कालोनी में जो लोग रह रहे हैं वो दोयम दर्जे के नागरिक की तरह अपना जीवन आज बिता रहे हैं। अस्पतालों में कोई सुनवाई नहीं होती, स्कूलों में बच्चों के एडमिशन में दिक्कत आती है तो इस प्रकार के जो

कार्य जो इस सरकार के 9 महीने का कार्यकाल पूरा होने के बाद भी इनके ऊपर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। तो माननीय सिसोदिया जी से आग्रह करता हूं कि आप जो बड़े–बड़े वायदे पूरे दिल्ली और देश के लिए जो आपने किए है कृपया अनाधिकृत कालोनी में रहने वाले व्यक्तियों का जो जीवन स्तर है वो ऊपर उठे उसके लिए सोचे और विशेष रूप से एक दिन का कोई विशेष उनके लिए बिल आप इस सदन में उसके लिए तैयार करें, धन्यवाद।

v/;{k egkn; % संजीव झा जी।

Jh latho >k % बहुत–बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया और धन्यवाद आप सब लोगों का कि एक महत्वपूर्ण विषय आप लोगों ने उठाया है। पर आपने एक गहरे घाव को छेड़ा है 1993–94 से आज तक अनाधिकृत कालोनी के नाम पर आप लोग राजनीति करते रहे। बहुत सारे वादे, हम सब लोग अनाधिकृत कालोनी में रहते है और इसकी दुर्दशा अगर हुई है तो इसके लिए आप और कांग्रेस दोनों जिम्मेदार है। सबसे बड़ी बात मैं देख रहा था कि अनअथोराईज्ड कालोनियों के मुद्दों पर पिछले 20 साल में कितनी बार बहस हुई और कितनी बार आप लोग बचने के लिए कितनी बार अपनी अवाज उठायी। मुझे कहीं नहीं दिखा कि आपने गंभीरता से कभी भी इस विषय को छेड़ा था। मुझे याद है कि 2010 में जब कांग्रेस चुनाव लड़ रही थी तो अनाधिकृत कालोनियों में एक सर्टिफिकेट बांटा गया था कि आपकी कालोनी अथोराइज्ड कर दी गई उसके बाद 5 साल तक सरकार रही विपक्ष में आपने एक बार आवाज नहीं उठायी। मैं धन्यवाद करता हूं अपनी सरकार का कि इन 8 महीनों में जो ऐतिहासिक काम किया है, इसके लिए धन्यवाद

देता हूं माननीय मंत्री जी का और अधिकारियों का। पहली बार सरकार बनने के दो महीने के अन्दर ये फैसला हो गया था कि 1639 कालोनी और 1799 कालोनी का पार्ट आप ऐड कर दें तो उनमें विकास का काम कर सकते हैं ऐसा इन्होंने एक आदेश जारी किया। एमएलए फंड हम लगा सकते हैं 895 कालोनी में काम कर सकते है ऐसा कोई निर्देश नहीं दिया गया था कि उस निर्देश को बदलकर हम जितनी भी कालोनियां है सारी कालोनियों में पैसे लगा सकते हैं। दूसरी बात कि इसके बाद बहुत सारी ऐसी कालोनी आती है जहां पीने के लिए पाइपलाइन नही थी। सरकार बनने के 3 महीने के अन्दर फैसला लिया गया। अभी 1092 कालोनी में पाइपलाईन बिछने का काम जारी है और बाकी सारी कालोनियों में 6 महीने के अन्दर पाइप लाईन बिछाने का काम पूरा कर दिया जाएगा। उसके बाद अनाधिकृत कालोनी में रहने वाले लोगों की सबसे बड़ी समस्या थी विकास शुल्क को लेकर डेवलपमेन्ट चार्ज को लेकर। जब कभी हम चुनाव में वोट मांगने के लिए जाते थे हर किसी का यह मानना था कि विकास शुल्क बहुत ज्यादा है। हम लोग चाहते हुए भी कनेक्शन नहीं ले पाते। आपने 20 साल में एक बार भी आवाज नहीं उठायी और इस सरकार ने आते ही विकास शुल्क को कम कर दिया जो 442 वसूल किया जाता था आज 100 रुपये में कनेक्शन मिल रहा है। आपको धन्यवाद देना चाहिए। आप कहते है कुछ नहीं हुआ है। सबसे बड़ी समस्या थी 'ओ' जोन में रहने वाले लोग 'ओ' जोन की समस्या को लेकर के 20 साल से संघर्ष कर रहे थे। 6 महीने के अन्दर सरकार ने यह फैसला किया कि 'ओ' जोन में विकास का काम भी शुरू हो सकता है तो ये बहुत सारे ऐतिहासिक फैसले ऐसी सरकार ने दिए है जो 20 साल में फैसले नहीं हुए। ये ही तो दुविधा है साहब लोगों की समस्याओं से कभी आप जुड़े नहीं, लोगों की समस्या कभी देखें नहीं। राजनीति करते रहे

मीडिया के सामने। यहां बैठकर केवल सत्ता की रोटी सेकते रहे। आज जनता के मुद्दों को लेकर आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है।...(व्यवधान) दिन रात सरकार काम कर रही है। ये आपके सामने है।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % राखी जी प्लीज।...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % संजीव जी, कन्क्ल्यूड करिए। प्लीज कन्क्ल्यूड करिए।

Jh l:tho >k % सर सरकार ने काम ही इतने किए है कि कन्क्ल्यूड करना बहुत मुश्किल है।...(व्यवधान)

Jh l:tho >k % अध्यक्ष महोदय, किसी की जानकारी रखते नहीं। 790 करोड़ अनआथोराईज्ड कालोनियों के लिए दिया गया था। 341 करोड़ सभी एजेन्सीज को दे दिये गए हैं। अब मैं बता दूं आपको कि 1639 कालोनी में किस कालोनी में कौन सी एजेन्सी काम करेगी। इस आर्डर को काम करने की एजेन्सी को अलाट कर दिया गया है। अपने विधान सभा में जाकर ये पता कर लीजिए साहब की कौन सी कालोनी में कौन सी एजेन्सी काम करेगी ये पता कर लेंगे तो काम आपका आसान हो जाएगा। लेकिन ध्यान नहीं है आपका। केवल बात करने के लिए बात करते हैं आप। उससे भी बड़ी बात...व्यवधान

v/;{k egkn; % कन्क्ल्यूड करें प्लीज।...व्यवधान

Jh l:tho >k % अनआथोराईज्ड कालोनी में वो कालोनी भी जहां पर सीवर और पाईप लाईन एक साल के अन्दर बिछने हैं, उसके अन्दर भी डवलपमेंट

को काम होगा केवल वहां आरएमसी में होगा, खरंजा होगा। मेरा कहना है कि सरकार दोनों काम कर रही है कि मिनिमम कॉस्ट में आउट पुट कैसे आए और अनआथोराईज्ड कालोनी में रहने वाले लोगों को समाधान कैसे मिले। 20 साल तक आप सब लोग अनआथोराईज्ड कालोनी के नाम पर वोट मांगते रहे। अनआथोराईज्ड कॉलोनी के नाम पर राजनीति करते रहे। निश्चित रहिए इस पांच साल के बाद कोई मुद्दा नहीं रहेगा और राजनीति की रोटी सेकना बन्द कर देंगे। आगे कोई मुद्दा बचेगा नहीं। बहुत–बहुत धन्यवाद। ...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % अन्त में सोमनाथ भारती जी।

Jh lkeukFk Hkkjrh % धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया। जब विजेन्द्र गुप्ता जी बोल रहे थे।

v/;{k egkn; % संक्षेप में बोलिए सोमनाथ जी।

Jh lkeukFk Hkkjrh % उन सबने शब्द यूज किए। मुझे याद आ रहा है जब माननीय प्रधान मंत्री महोदय बिहार में अपना चुनाव प्रचार के दौरान एक रैली में उन्होंने जनता से पूछा कि बिजली आती है क्या? उनको लगा वहां बिजली नहीं आती। वहां 18 घण्टे बिजली आती है। तो जैसा नेतृत्व वैसे उनके ...व्यवधान जो उन्होंने बात कही वो जैसा मेरे साथी ने कहा कि 99.9 प्रतिशत वो बातें गलत थी औरे मेरे साथ गुलाब सिंह जी ने संजीव झा साहब ने बड़े अच्छे तरीके से कि सरकार कैसे कार्य किये जा रही है, समझाया है। ओ.पी. शर्मा जी ने कहा कि भई आपने जो नेशन से वादा किया था पूरा करोगे अरे! भई नेशन में जब आएंगे, पूरा कर लेंगे, 2019 तक वेट कर लो। आपने जो वादा किया, कब पूरा करोगे?

v/;{k egkn; % सोमनाथ जी, आप अगला विषय रखिए।

Jh lkseukFk Hkkjrh % अनआथोराइज्ड कालोनियों में जो सबसे बड़ी व्यथा है, सफाई नहीं हो रही है। वहां सफाई बिल्कुल नहीं होती। एमसीडी सफाई करके वहां राजी नहीं। वैसे तो सफाई कहीं नहीं हो रही है। पूरी दिल्ली में नहीं हो रही है। आपकी बची खुची पोलिटिक्स ऐसा करप्शन है इस सफाई विभाग में लेकिन मैं आपके जरिए सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं और चाहता हूं कि अपने बी.जे.पी के जो साथी आज एमसीडी में विराजमान हैं कि वहां पहुंचवाएं। एमसीडी के कर्मचारी जाएं वहां उनकी सफाई की जिम्मेवारी है, उसको पूरा करें। सीवर की एक समस्या है। मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि सीवर जो नहीं डल रही है अनआथोराईज्ड कालोनी में। उसमें एनजीटी का एक आर्डर आया। ये आर्डर शायद चैलेंज किया गया या नहीं किया गया, मुझे जानकारी नहीं है। लेकिन यथासम्भव जो प्रयास हो सकता है इसमें उसको जल्द से जल्द चैलेंज करें। मुझे नहीं लगता कि जब वो परिस्थितियां हैं अनआथोराईज्ड कालोनीज में जब उसको कोर्ट के सामने आगे लाया जाए तो वो मना किया जाएगा। अनआथोराईज्ड कालोनीज के नाम पर जो कुल राजनीति हो रही थी पूरे देश में दिल्ली सरकार ने चुनाव जीतने के साथ ही, सरकार बनने के साथ ही आम आदमी पार्टी सरकार ने जो कार्य किया है रेगूलराईज करने का, वहां सुविधाऐं प्रदान करने का एमएलए फंड अलाउ करने का वो आज तक इतिहास में कभी नहीं हुआ। इसके लिए मैं सबके माध्यम से और आपके माध्यम से सरकार को धन्यवाद देता हूं कि पहली बार अनअथोराईज्ड कालोनीज के नाम पर राजनीति नहीं हो रही। बहुत–बहुत धन्यवाद।

v/;{k egkn; % जगदीश प्रधान जी।

Jh txnh'k i/kku % अध्यक्ष जी, मैं दो शब्द इस बारे में कहने थे अनआथोराईज्ड कालोनी की जो चर्चा की है भाईयों ने। एक तो मैं कहना चाहता हूं कि आप वस्तुस्थिति से मुख्यमंत्री जी को अवगत कराएं ना कि यहां झूठी तारीफ करें। एक तो मैं यह कहना चाहता हूं। कि नौ महीने के अन्दर व्यवधान...मैं शालीनता से बोल रहा हूं मैं बगैर शालीनता से बोलता नहीं हूं। व्यवधान...मैं वहीं बता रहा हूं।

v/;{k egkn; % गुलाब जी। दो मिनट। बोलिए, बोलिए जगदीश जी।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % भई दूसरा विषय बहुत महत्वपूर्ण है इसमें समय चला जाएगा।

Jh txnh'k i/kku % सर मैं इतना कहना चाहता हूं कि बहुत शालीनता के साथ कह रहा हूं कि नौ महीने के अन्दर केवल इधर से उधर घुमाने के सिवाय अनअथोराइज्ड में एक भी काम नहीं हुआ। जहां तक हमारे जल बोर्ड के चेयरमैन साहब, मंत्री जी यहां बैठे हैं, इनकी विधान सभा मुस्तफाबाद विधान सभा और चौधरी फतेह सिंह, गोकुल पुर विधानसभा जो एक साल पहले सीवर डालने का काम शुरू हुआ था, वो केवल खोदकर गड्डे जो मैंने पानी की तस्वीर आपको दिखाई हैं, वो गद्दे खुदे पड़े है वो सीवर वाली कम्पनी का आज तक काम रोका हुआ है। मुझे नहीं जानकारी वो क्यों रोका हुआ है।

बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि एक साल के बाद भी वो सीवर का काम शुरू नहीं हो पा रहा है। जो कम्पनी सीवर का काम करना चाहती है और उसका काम होने नहीं दिया जा रहा है।

v/;{k egkn; % माननीय उप–मुख्यमंत्री मंत्री जी।

ekuuh; mi eq[;ea=h % अध्यक्ष महोदय, ये अनआथोराइज्ड कालोनीज का मुद्दा दिल्ली का मुझे लगता है दिल्ली के लिए हम सब दिल्ली के रहने वालो के लिए सबसे दुखती रग है। मैं तमाम सदस्य जिसमें पक्ष व विपक्ष के सदस्य शामिल है दोनों की इस बात से सहमत हूं कि बहुत कुछ करना बाकी है और हमारे कुछ साथियों ने बताया कि क्या हो रहा है उनका काम विरोध करना है। वो उसको झूठ सच करके जैसे भी विरोध करें। लेकिन हकीकत यह है कि हमारी सरकार इस बात पर यकीन करती है। जगदीश भाई ने यहां जो तस्वीर पेश की है कि ऐसी तस्वीर दिल्ली की किसी भी एक कालोनी की किसी एक गली में भी है, तब तक जिम्मेदारी हमारी बनती है। हमारी सरकार यह मानती है कि दिल्ली की किसी भी एक कालोनी में और उसकी किसी एक गली में भी अगर ऐसे सीन है, ऐसा पानी हैं, ऐसा कचरा है, ऐसी टूट फूट हो रखी है ये सरकार जिम्मेदार है। और उसकी जिम्मेदारी हम पूरी तरह से लेते हैं कि हमारी जिम्मेदारी है हम कर रहे हैं। हम पिछले नौ महीने में दिल्ली की सारी लगभग 1700 प्लस माइन्स कुछ डेटा सब अलग–अलग है मैं एक डेटा छोटा सा रखना चाहता था। इन कालोनीज में और दिल्ली की और बहुत सारी चीजों में काम करने में उतना काम करने में जितना आज जरूरत महसूस हो रही है निश्चित रूप से अगर यह तस्वीर बाकी है तो सफल नहीं रहे होंगे।

लेकिन मैं बहाने नहीं बनाना चाहता। मैं बिल्कुल नहीं कहना चाहता कि हमारी सरकार सिर्फ नौ महीने से है। मैं यह भी नहीं कहना चाहता कि दस महीने उससे पहले यह भी सरकार में रहे थे और एलजी की सरकार थी यहां। बीजेपी की सरकार थी। मैं बिल्कुल यह भी नहीं कहना चाहता कि उससे पहले भी 15 साल पहले कांग्रेस की सरकार रही थी। और मैं बिल्कुल याद नहीं दिलाना चाहता कि उससे पहले 5 साल पहले यही थे। तो ये 20 साल इन लोगों ने काम नहीं किया। यह जिम्मेदारी बिल्कुल नहीं देना चाहता जिनको आज हमारी जिम्मेदारी है और हम करेंगे। पांच साल के अन्दर–अन्दर करके दिखाएंगे। जो ये लोग 5 और 15...(व्यवधान) यह राजनीति में दोनों के दोनों मौसेरे भाई बैठे हैं। एक शून्य में बैठे हैं, एक तीन में बैठे हैं तो तीन की संख्या और शून्य की संख्या के ये मौसेरे भाई, इन्होंने 20 साल में मिल–जुल कर दिल्ली की अनअथोराइज्ड कालोनीज का जो हाल किया और अभी भी दिल्ली में केन्द्र में, क्योंकि डीडीए भी दिल्ली के शासन में है, दिल्ली की व्यवस्था में बहुत बड़ी भागीदारी निभाता है और नगर निगम भी निभाता है तो हम मान सकते हैं इसलिए हमने कहा कि हम जुमले में यकीन नहीं करते, हम तो काम करने में यकीन करते हैं। हम अपने किसी भी वायदे को जुमला नहीं कहेंगे, हम अपनी किसी भी घोषणा को जुमला नहीं कहेंगे, हमने जो कहा है वो करके दिखाया है ...(व्यवधान)

Jh fotsUnz xqIrk % आपने नौ महीने में क्या किया है, वो बताइये।

v/;{k egksn; % विजेन्द्र जी, मंत्री जी बोल रहे हैं, यह ठीक नहीं है। ओम प्रकाश जी, विजेन्द्र जी बैठिये।

mi e[;e=h % अध्यक्ष महोदय, विजेन्द्र जी की पार्टी जिस तरह सरकार चलाने में यकीन करती है, उसमें कामकाज को कामकाज नहीं माना जाता, जुमलों को कामकाज माना जाता है। पंद्रह लाख का जुमला, कालेधन का जुमला। अभी अगले चुनाव किस बात पर लड़ेंगे ये लोग? ये कहेंगे हमें जिता दो हम प्रधानमंत्री को वापस ले आयेंगे। कालाधन वापस नहीं आ रहा, प्रधानमंत्री को वापस ले आयेंगे।

v/;{k egkn; % विजेन्द्र जी, आपने भी तो अपनी बात रखी। उन्हें अपनी बात रखने दीजिए।

mi e[;e=h % अध्यक्ष महोदय, भारतीय जुमला पार्टी के आरोपी पर क्या कहना लेकिन मैं नौ महीने में अपनी पूरी जिम्मेदारी लेता हूँ कि हम नौ महीने में जो कुछ कर सके हैं उसमें बहुत तेजी से काम किया है मेरे साथियों ने जो चीज रखी है...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % आप सुनिये। वो बता रहे हैं।

mi e[;e=h % अध्यक्ष जी, वो सुन नहीं सकते...(व्यवधान) यह इनको पता नहीं चलेगा।

v/;{k egkn; % ओम प्रकाश जी, दो मिनट सुन लीजिए।

mi e[;e=h % अध्यक्ष महोदय, जिस समय पहली बार दिल्ली में एक साथ आठ अनओथराईज्ड कोलोनियों में पानी की सप्लाई शुरू हुई वो उनको दिखाई नहीं देने वाला है क्योंकि उनके तो प्रधानमंत्री के कार्यक्रम, जलसे विदेश में चल रहे हैं, ये टीवी पर वही देखते हैं। इनको पता नहीं चलता कि दिल्ली

की आठ कालोनियों में पानी की पाइपलाइन डाली जा चुकी है। रिठाला की आठ अनअथोराईज्ड कालोनियों में पानी की सप्लाई शुरू हो चुकी है। इनको समझ में नहीं आएगा क्योंकि ये तो प्रधानमंत्री के जलसे देखते हैं विदेशों में। द्वारका और बवाना में जो पानी के प्लांट पंद्रह–पंद्रह, बीस–बीस साल से बिल्डिंग बनकर पड़ी हुई थी,, अनको आकर अनथोराईज्ड कालोनीज में पानी की सप्लाई शुरू करवाई, यह हमने किया है। संगम विहार जैसे कालोनी जो नंबर वन पर थी इस मामले में कि वहां पर पीने के पानी की सबसे बड़ी समस्या है आज आप जाकर देख लीजिए वहां पर पानी की पाइप वाटर सप्लाइई भी शुरू हो चुकी है...(व्यवधान)।

Jh vke i:dk'k 'kek % सब xxxx कहा है इन्होंने।

v/;{k egkn; % देखिए, ओम प्रकाश जी, मैं एक बात कर रहा हूँ। यह उचित नहीं है मंत्री जी जब अपना भाषण दे रहे हैं, सुन लीजिए बात को, यह सदन है। सदन में मंत्री जी बोल रहे हैं तो एक रिकॉर्डिंड होता है।

mi e[;e=h % अध्यक्ष महोदय, डी.जे.बी. के एक्शन प्लान के मुताबिक अगले ढाई साल के अंदर–अंदर अनअथोराईज्ड कालोनीज को पाइप वाटर सप्लाई पहुंच जाएगी यह हमारी जिम्मेदारी है। हम जिम्मेदारी लेते हैं और 207 कालोनीज में पाइप डालने की मंजूरी सरकार ने दे दी है उन पर काम करना शुरू कर दिया गया है वो उनको दिखाई नहीं देगा, उनको सुनाई नहीं देगा। अध्यक्ष महोदय, ये सिर्फ...(व्यवधान)

---

1. xxxx चिह्नित शब्द अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से हटाया गया।

v/;{k egksn; % ओम प्रकाश जी, आप बार–बार छेड़ेंगे तो मंत्री जी, आप असत्य बोले, आप वो बोले। यह शब्द निकाल दीजिए कार्यवाही से। राखी जी, प्लीज बैठिये।

mi eq[;ea=h % अध्यक्ष महोदय, जी जगदीश भाई जी बात कर रहे हैं उन्होंने पहले भी अपनी बात रखी...(व्यवधान)

v/;{k egksn; % विजेन्द्र जी, यह तरीका ठीक नहीं है।

mi eq[;ea=h % अध्यक्ष महोदय, जगदीश भाई ने एक बात रखी, विकास की परिभाषा में वो बात भी आती है कि सिर्फ सड़क या बिजली या पानी नहीं है अगर वहां अस्पताल नहीं होंगे, वहां स्कूल नहीं होंगे तो कालोनी को भले ही हम सड़कों से चमका दें, वहां विकास नहीं हो सकता। तो इसलिए इनकी विधान सभा में भी और बाकी विधान जगह भी जहां स्कूल की भारी कमी है हम पॉलिसी देख रहे हैं कि किस तरह से कहीं से जमीन खरीद कर, अगर प्राइवेट पार्टी से भी जमीन खरीद कर स्कूल बनाने की जरूरत पड़े ऐसे में तो हम उसके लिए तैयार है और हम उसकी सम्भावनाओं को तलाश रहे हैं कि कैसे एक अनअथोराईज्ड कालोनी में सरकार जमीन परचेज करके स्कूल बना सकती है, उस पर गम्भीरता से हम लोग उसकी सम्भावनाओं को तलाशने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन साथ–साथ एक बड़ी चीज जो अनअथोराईज्ड कालोनीज में है, वो है कि वहां के रहने वालों की डिग्निटी कैसे शुरू हो। अभी अनअथोराइज्ड कालोनीज अवैध कालोनीज ये शब्द बड़े आपत्तिजनक है। दो ही तरह की कालोनीज है एक है जिनको रेग्युलर कर रखा है और एक है इररेग्युलर। अब इररेग्युलर कालोनी को अनआथोराईज्ड कहना, अवैध कहना ऐसा लगता है जैसे कोई

अपराधी आकर रहने लगे हो। ये शब्द ही गलत हैं, मुझे इस पर बुनियादी आपत्ति है। आपके कागजों में उनके नक्शे पास नहीं है या आपके कागजों में उनको आपने सिग्नेचर करके अथोराईज्ड घोषित नहीं कर रखा तो वहां के रहने वाले अवैध थोड़े ही हो गये। वो भी दिल्ली के नागरिक हैं, वो भी टैक्स देते हैं, वो भी मेहनत करते हैं दिल्ली में। वो भी दिल्ली की व्यवस्था में योगदान देते हैं। उनकी भी तो डिग्निटी चाहिए। वो सबसे महत्वपूर्ण है और इसमें हम लोगों ने, दिल्ली सरकार ने आपकी सूचना के लिए मैं एक डेटा दे दूं यहां पर अपने सदन के साथियों की सूचना के लिए भी कोई ऐसा, मैं किसी को काट नहीं रहा हूँ, यह अनअथोराईज्ड कालोनीज का मुद्दा, संजीव भाई भी बोल रहे थे, 1993 उससे भी पहले मिड 1970 से चला आ रहा है और उस वक्त 607 कालोनीज संज्ञान में आई थी और उस वक्त 567 कालोनीज को रेग्युलराइज किया गया था और उसके बाद 1993 में जिसकी बात हमारे कई साथियों ने कही, आपने भी कही 1993 में आरडब्ल्यूएज से प्रस्ताव मंगाये गये, 1639 ऐप्लिकेशन्स आई थी। उसमें कुछ पार्ट कालोनी थी, एक–एक ऐप्लिकेशन में दो–दो, तीन–तीन कालोनीज का पार्ट का जिक्र था। अगर देखा जाये तो 1799 अनअथोराईज्ड या इररेग्युलर कालोनीज के प्रस्ताव सरकार के पास आये थे अगर पॉर्ट्स को भी काउंट किया जाये 2007–08 में, उस वक्त सरकार के पास। उसके बाद 2012 में 895 इनमें से 1799 में से या अगर 1639 ऐप्लिकेशन के रूप में देखें, तो 1639 ऐप्लिकेशन में से 895 कालोनीज को उस वक्त की सरकार ने रेग्युलराइजेशन करने की बात कही थी, प्राइमा फेसी और उनको एक प्रोवजिनल सर्टिफिकेट देने की बात हुई। उसके बाद पिछले साल केन्द्र सरकार ने एक और उसमें एक कट ऑफ डेट थी जो उसका क्राइटेरिया था, उस क्राइटेरिया के लिए कट ऑफ डेट थी 24.03.2008 के उसमें 08.02.2007 की डेट थी। उसके बाद पिछले

साल केन्द्र सरकार ने एक प्रस्ताव पारित किया, उसमें उन्होंने उसकी कट ऑफ डेट चेंज कर 01.01.2015 की, हम चार–पांच महीने तक लगातार सरकार से जूझते रहे साहब वो जो फैसला कैबिनेट ने लिया था, उसका नोटिफिकेशन हो गया, हमको जुलाई में जाकर फरवरी से हमने पूछना शुरू किया था, सरकार बनने के बाद जुलाई में जाकर भारत सरकार ने लिखित में दिया कि हां जी, हमारी तरफ से यह कट ऑफ डेट चेंज कर दी गई है। पांच महीने के लिए इन्होंने, पांच महीने बाद जब हमें यह अथोराइज्ड रूप से कट ऑफ डेट होने की घोषणा की, क्योंकि अल्टीमेटली दिल्ली के मास्टर प्लान में जो डिसिजन लेने की जिम्मेदारी है, वो डीडीए के हिस्से में है। तो उसके बाद हमने दिल्ली के इररेग्युलर कालोनीज को कैसे रेग्युलर किया जाये, उसमें किस कालोनी को ए, बी, सी, डी, ई की किस केटेगरी में रखा जाये वहां पर किस तरह से शुल्क वसूला जाये, ताकि वहां डेवलपमेंट के काम भी हो सकें और उनको अथोराइज्ड भी किया जा सके, उनको रेग्युलर किया जा सके। उसके लिए एक पूरी प्लानिंग बना कर हमारे अरबन डेवलपमेंट मिनिस्ट्री, दिल्ली सरकार ने केन्द्र सरकार के अरबन डेवलपमेंट मिनिस्ट्री को भेजी है और मैं बीजेपी के अपने साथियों से भी चाहूँगा कि वो भी थोड़ा सा बात करें केन्द्रीय मंत्रालयों में और वहां से अगर जितनी जल्दी वो अप्रूव होकर आ जाएगी, उतनी जल्दी अनअथोराइज्ड कालोनीज में रहने वाले लोगों को डिग्निटी के साथ आगे बढ़ने का मौका मिल सकेगा। वहां पर रहने का मौका मिल सकेगा। उनके सर से यह ठप्पा हटना शुरू होगा, जिसको हम अवैध कहते हैं, कभी अनअथोराईज्ड कहते हैं, कभी कुछ कहते हैं। यह पॉलिसी बहुत महत्वपूर्ण है और जैसे ही यह पॉलिसी केन्द्र सरकार से मंजूर होकर आएगी उसमें हमें उसका प्लान ले–आउट, फिर नगर निगम की भी मदद की जरूरत पड़ेगी। वहां भी बीजेपी के साथियों की जरूरत पड़ेगी और पार्टी

लाइन से ऊपर उठकर मैं इनसे रिक्वेस्ट करना चाहूंगा कि वे केन्द्र सरकार से भी रिक्वेस्ट करें कि जो पॉलिसी दिल्ली सरकार ने बनाकर भेजी है उसे वहां से अनुमोदित करें और जैसे ही वहां से होगी हम अपना काम यहां से शुरू करेंगे। तब नगर निगम के ले आउट मैं इनकी मदद की जरूरत पड़ेगी। वहां भी उम्मीद है कि इनसे मदद हमें मिलेगी। बाकी क्योंकि अनोथराईज्ड कालोनीज में जो जो काम हो रहे हैं, वो उन विधायकों ने जो आपस में देख रहे हैं, यहां पर रखें, मैं उन बातों को दोहराने की जरूरत नहीं समझता। एक–एक चीज को, एक–एक प्रोजेक्ट को यहां रखने की जरूरत नहीं है। सरकार बहुत तेजी से काम कर रही है और जो काम 20 साल में नहीं हुआ था, हम 5 साल में करके दिखायेंगे। ये हमारा वादा है।

...(व्यवधान)

v/;{k egksn; % नहीं मंत्री जी के उत्तर के बाद अब नहीं।

Jh txnh'k i/kku % एक जवाब मैं जानना चाहूँगा। सर सीवर का काम 10 महीनों से बंद पड़ा है। उसके लिए कुछ प्रश्न हैं।

i;Vu ,oa ty ea=h ¼Jh dfiy feJk½ % तीन विधानसभाओं के बारे में प्रधान जी ने बात कही है, जहां पर ये सीवर का काम रुका था। कुछ लापरवाही की बात सामने आई थी। विजिलेंस की इन्क्वायरी कराये जाने के कारण इस काम को रोका गया। वही ठेकेदार था जो काम दूसरी जगह पर कर रहा था और इस जगह पर दो जगह पर कर रहा था और एक जगह पर काम बिल्कुल ठप्प कर दिया गया था। तो उसका बाकी जगह से पेमेंट रोक कर और उसको रिव्यू किया जा रहा है। इस महीने के अंत तक वो रिपोर्ट आएगी और सही

साबित होने पर ही उसको वहां पर काम करने दिया जाएगा वरना उसको बदलवा के दौबारा इस काम को शुरू किया जाएगा। जहां पर लापरवाही या गड़बड़ी है, वहां पर तो काम रुकेगा। हो सकता है, उससे जरूर लोगों को परेशानी हुई है। लेकिन गड़बड़ी पाई गई थी, इसलिए उस काम को रोका है। जांच रिपोर्ट आने के बाद दोबारा शुरू कराएंगे।

v/;{k egkn; % विजेन्द्र जी कपिल मिश्रा जी ने बहुत बढ़िया काम किया है, आपकी पसंद का यमुना आरती का। उसके लिए बधाई तो दे देते।

Jh fotUn xIrk % आरती करवाने का जिम्मा इनका और काम करने का जिम्मा केन्द्र सरकार का। केन्द्र सरकार काम कर रही है और आप आरती कर रहे हो। बहुत–बहुत बधाई।

v/;{k egkn; % चलिए दूसरा विषय।

Jh vkeidk'k % अध्यक्ष जी, जरा बधाई तो दे दूँ।

v/;{k egkn; % चलिए दूसरा विषय।

Jh vkeidk'k % अध्यक्ष जी जरा बधाई तो दे दूँ।

v/;{k egkn; % हाँ दीजिए–दीजिए।

Jh vkeidk'k % बधाई में भी झगड़ा है। ये जो कपिल जी ने काम किया है। ये ब्राह्मणोचित काम किया और मैं इसके लिए इनको बधाई देता हूँ।

v/;{k egkn; % बस बहुत–बहुत धन्यवाद। अच्छा बिड़ला जी प्लीज राखी जी चलिए दूसरा विषय आज का है राजेश गुप्ता जी, भावना गौड और महेन्द्र

यादव जी द्वारा मूव किया गया है। देश में बढ़ती असहिष्णुता से उत्पन्न स्थिति के संबंध में अल्पकालिक चर्चा प्रारंभ करेंगे। अन्य सदस्य भी चर्चा में भाग ले सकेंगे। श्री राजेश गुप्ता जी।

Jh jkts'k xqIrk % अध्यक्ष जी, आपने इस संवेदनशील और गंभीर विषय पर मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए हार्दिक धन्यवाद करता हूँ। अध्यक्ष जी, जो फ्रांस में हुआ है, हम सबने देखा टीवी पर। वो बहुत ही शर्मनाक और भयावह है। किसी भी सूरत में निर्दोष नागरिकों को मारने को सही नहीं ठहराया जा सकता और जो कोई भी मुट्ठीभर लोग इसे किसी प्रकार का कोई रिएक्शन मानते हैं या इस घृणित कृत्य को जस्टिफाई करने की कोशिश कर रहे हैं, मेरा मानना है कि वो भी एक प्रकार के आतंकवादी हैं। अध्यक्ष जी, ये मैं अपने विपक्ष के भाइयों के साथ में ये चीज साझा करना चाहता हूँ, मुझसे बड़े हैं। आप सभी लगभग ज्यादातर लोग यहां पर बड़े हैं। जब हम सामाजिक और राजनीतिक जीवन में प्रवेश करते हैं तो हम सभी ये सोचते हैं कि जब हम विधायक बन जाएं, पार्षद बन जाएं या मंत्री बन जाएं तो अपने क्षेत्र को कुछ बेहतर करेंगे अपने देश को कुछ अच्छा बनाएंगे। लेकिन कुछ कहना चाहता हूँ विजेन्द्र जी आप जरूर सुनिये :

D;k cukus vk;s Fks] D;k cuk cSBs
dHkh efnj cuk cSBs dHkh efLtn cuk cSBs
ge lsa rks oks ifjans vPNs gSa
tks dHkh efnj es tk cSBs
dHkh efLtn es tk cSBsA

आज दुख और तकलीफ इस बात की है कि भारत जो कि अध्यात्मिक विश्वगुरू है। हमारी सभ्यता वसुधैव कुटुम्बकम की है। हम विश्व को अपना परिवार मानते हैं। पेड़–पौधे, पंछी परिंदों की पूजा करते हैं। आज ये असहनशीलता यहां भी बढ़ती जा रही है और देखिये कि इनटोलरेंस कहना शायद बहुत आसान है जो कम पढ़े–लिखे लोग हैं, उनके लिए भी और बड़े–बड़े पढ़े–लिखों के लिए असहिष्णुता शायद मुझसे बोला भी नहीं जा रहा वो कितना मुश्किल है। शायद वो हमारी सभ्यता का शब्द ही नहीं है। न जाने कहां से ला के इसे हमारे ऊपर थोपा जा रहा है। अभी कुछ ही दिनों पहले वित्तमंत्री जी ने एक बयान दिया और उन्होंने कहा कि असहनशीलता कोई नई चीज नहीं है। ये तो बहुत पहले ही इस समाज में रही है। इस संस्कृति में रही है। वो शायद इस देश की संस्कृति को ज्यादा जानते नहीं हैं। बहुत पढ़े–लिखे हैं तो शायद पता नहीं है अकाउंट्स में बिजी रहते हैं कि यहां पर जहां ऐसे ऋषिमुनि हुए जिन्होंने कहा कि सब कुछ त्याग देना चाहिए, सबकुछ छोड़ देना चाहिए। परिवार को त्याग दो और वनों में जाकर रहो तो वहां पर कुछ ऐसे भी ऋषि हुए, ऋषि चार्वाक जैसे जिन्होंने कहा कि जब तक जियो मौज में जियो, उधार लो और घी पीओ। लेकिन देखिये, विरोधाभाषी बात। लेकिन दोनों को हम ऋषि मानते हैं। कोई लट्ठ लेकर एक दूसरे के पीछे नहीं भागा। किसी ने नहीं कहा कि किसी दूसरे देश में चले जाओ तो असहनशीलता तो कभी भी नहीं होती और ऐसी असहनशीलता देखिये इस शब्द में ही मैं रुक रहा हूँ और शायद कहीं नहीं रुक रहा हूँ। ऐसी असहनशीलता जहां पर एक चुनी हुई सरकार के द्वारा हो सकता है किसी तानाशाह राजा ने ऐसा करने की कोशिश की हो। लेकिन आज हम उन्हें जानते भी नहीं हैं, याद भी नहीं करते और यदि कोई राजा ऐसा है तो उसके नाम से सड़कों के नाम को हम बदल देते हैं। लेकिन जो

राजा महान कहलाये वो कहलाये जिन्होंने देश की सभ्यता को संस्कृति को जोड़कर रखा। वो अकबर दी ग्रेट कहलाये या वो अशोका दी ग्रेट कहलाये इस सभ्यता के अंदर। कोई औरंगजेब ग्रेट नहीं कहलाता। अध्यक्ष जी, जब ये आंदोलन शुरू हुआ तो मेरे जैसे युवा लोग और राष्ट्र प्रेमी, मैं जोर देकर कहूँगा राष्ट्र प्रेमी और राष्ट्रवादी नहीं क्योंकि वो कुछ कन्फ्यूजन का सा शब्द हो गया है कुछ अलग सा। यही सोचते थे कि कब तक जाति और धर्म की राजनीति चलती रहेगी कब तक निर्दोष लाशें जलती रहेंगी इसी तरीके से। आदरणीय अरविंद जी ने जब कभी भी सभा करते हैं, कहीं पर तो आप लोगों ने कभी क्योंकि मेरे बहुत सारे साथी यहां पर बैठे हुए हैं। विपक्ष के साथियों ने भी जरूर सुना होगा कि लोग इच्छा जताते हैं कि वो अपनी पसंदीदा जो प्रार्थना है, उसे गुनगुनायें ''इंसान का इंसान से हो भाईचारा'' और जब वो उसे गुनगुनाते हैं तो आप लोगों के भाव देखिये वो किसी को भड़काते नहीं हैं अपनी सभा में जब वो एंड करते हैं अपनी सभा में तो वो कहते हैं ''इंसान का इंसान से हो भाईचारा यही पैगाम हमारा'' और जो लोग उसे सुन रहे होते हैं बड़े शांति भाव से उसे सुनते हैं उसे गुनगुनाते हैं एक प्रसन्नमुद्रा में आ जाते हैं और वहां ये नहीं देखते कि वह हिन्दू है कि मुस्लिम है, वह सिख है कि ईसाई है, वह दलित है कि स्वर्ण है, कोई नहीं सब एक। अरविंद जी ने एक ऐसा मंच दिया जिसमें ऐसी विचारधारा और मानसिकता वाले लोग एकत्र हो चुके। न सिर्फ उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बिगुल बजाया बल्कि एक बहुत बड़ा नासूर जो भारत मां के ऊपर है जाति–धर्म की राजनीति का, उसके खिलाफ भी बहुत बातें की हैं और यकीन मानियेगा कि मेरे जैसे लोगों का जो झुकाव रहा। बहुत सारे लोगों में से युवा जो देश–विदेश छोड़कर यहां पर आ गये थे, जिन्होंने नौकरियां छोड़ीं और इस आंदोलन से जुड़े, इस पार्टी के बनने पर उससे जुड़े, उनका एक बहुत बड़ा कारण यही

था कि भ्रष्टाचार और ये धर्म–जाति की राजनीति ये असहनशीलता ये खत्म हो। आज मन का आप खा नहीं सकते। मन का आप गा नहीं सकते। मन के कपड़े नहीं पहन सकते। मन का कुछ न करें बस प्रधानमंत्री जी की मन की बात सुनें जो हमारे तो समझ में आती नहीं जी। बस उसको सुनते रहें हम। ये किस प्रकार की आजादी है। अफवाहें फैलाई जाती हैं ताकि लोग बटे रहें और कुछ लोगों की राजनीति चलती रहे। शायद मुझे बताने का किसी का नाम लेने की जरूरत नहीं है। नहीं तो मेरे विपक्ष के साथी खड़े हो जाएंगे। अगर मैं पार्टी का नाम लूँगा तो लेकिन सब लोग समझदार हैं। पत्रकार बहुत समझदार हैं। सभी जानते हैं कि मैं किस पार्टी की बात कर रहा हूँ। जिन राज्यों के अंदर चुनाव होने वाले हों, उनके आसपास अफवाह फैलाओ। गौ–हत्या जहां आलरेडी बैन हो वहां पर शोर मचवाओं कि गौ–हत्या हो रही है और चुनावों के अंदर वोटों का ध्रुवीकरण करो। हर बार लगातार एक ही तरीके की सरकार। लेकिन क्या लोग इतने बेवकूफ हैं? बयान देखिये इनके। ये बयान देते हैं कि अगर हम हार जाएंगे तो पाकिस्तान में पटाखे फूटेंगे। अब कौन कह रहा है? आप ही के अध्यक्ष कोई छोटा–मोटा कार्यकर्त्ता नहीं कि आप कह दें कि नहीं, जवाबदेही से आप बच नहीं सकते। पार्टी अध्यक्ष ये कह रहे हैं पाकिस्तान में पटाखे छूटेंगे। कितने फूटे? और देखिये आज तो कमाल हो गया। मैं एक लाईन इसमें जोड़ देना चाहता हूँ कि जिस जनता ने एक माननीय सदस्य को चुना, जो यहां पर हमारे बीच में बैठा है, उसे आतंकवादी कह रहे हैं। वो जनता का मजाक उड़ाये चले जा रहे हैं। अरे! आपको भी किसी ने चुना है। आप बताइये, आप उसे हम सबके सामने आतंकवादी कह रहे हैं। हम कोई खड़े नहीं हुए। हमने सदन की मर्यादा रखी, अध्यक्ष जी को देखते हुए। उन्होंने कहा,

'बैठे रहिये', 'हम बैठे रहे'। लेकिन ये सोचिये कि आपने क्या कहा अभी और आप उसे दोहराते रहे। मुझे ये समझ में नहीं आ रहा कि अगर मैं उसके ऊपर शोर भी मचाऊं तो मेरी सहनशीलता और मेरी पार्टी का जो गौरव है, ये कहता है कि मैं ऐसा न करुं। लेकिन समझ में नहीं आ रहा। आपसे सवाल पूछूँ कैसे कि आप इसका जवाब देंगे? कैसे ये सम्मानित सदस्य...

Jh vkeiidk'k % जवाब देंगे आपको।

Jh jkt'k xqIrk % बिल्कुल आप इस बात का जवाब दीजियेगा सर क्योंकि आपने उस जनता का भी...

v/;{k egkn; % आप विषय को रखिये और कन्क्ल्यूड करिये राजेश जी। व्यक्तिगत बहस में न जाएं।

Jh jkt'k xqIrk % और देखिये के ये बार–बार की नफरत की राजनीति है। इसके लिए मैं बिहार की जनता का बहुत–बहुत धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने दिल्ली की तरह ही एक उदाहरण पेश करके बता दिया है कि ये राजनीति चलेगी नहीं। उनको मार के ये पॉसिबिल नहीं है और मेरा तो एक कहना है कि एमसीडी के अंदर इनकी पावर है। सर, बहुत गाय माता से इतना प्यार है मुझे भी है और गांधी जी ने कहा है कि मैं गाय से बहुत प्यार करता हूं और जब कोई गाय की हत्या होती है तो मुझे बड़ी तकलीफ होती है लेकिन मैं अपना धर्म निभाऊं या किसी पर जबरदस्ती अपना धर्म निभवाऊं। ये इन्हें सोचना पड़ेगा और इतना प्यार है गऊ माता से तो मेरी तरह एक काम कीजिए रोज शोर मचाइए एमसीडी के लिए और कहिए की वो गाय जो रोड पर घूमती है और थैली खा–खाकर मर रही है, उसे रुकवाओ और जो लोग ऑक्सीडाइसन

का इंजेक्शन लगा रहे हैं ताकि उसका दूध बढ़ता रहे जो बछड़े के मर जाने के बाद खाल चढ़ाके उसका दूध खिंचते हैं, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करवाओ। सारे आपके विभाग हैं और सबसे अच्छा काम एक और होगा आप केंद्र सरकार को, मोदी सरकार को एक चिट्ठी लिखिए और उनसे कहिए कि गऊ मास का जो निर्यात होता है, उसे बंद कर दें, ये वो आपकी सरकार है...

Jh vke i:dk'k 'kek % ये तो पहले ही बैन है।

Jh jkt:'k x|rk % तो निर्यात भी बैन है? निर्यात को देख लिजिएगा आप देख लीजिए।

v/;{k egkn; % ओम प्रकाश जी, नहीं नहीं ऐसा नहीं है।

Jh jkt:'k x|rk % सर, जो एक सरकार हिन्दू धर्म की स्वंभू ठेकेदार बनी हुई है। मैं भी जी हिन्दू संस्कृति से हूं। उसी में पला बढ़ा और शायद इसीलिए सभी धर्मों का सम्मान करता हूं।

v/;{k egkn; % कन्क्ल्यूड करिए, राजेश जी, अब प्लीज।

Jh jkt:'k x|rk % मैं देश का एक आम आदमी, एक युवा इस बात को बहुत अच्छी तरह समझता हूं कि मेरा क्या भला है क्या बुरा है। मैं शायद इसीलिए 67 सीटें एक पार्टी को देता हूं और एक पार्टी को मैं एक स्कूटर की पार्टी बना देता हूं लेकिन मैं जानता हूं कि मेरा अच्छा क्या है और मेरा बुरा क्या है। मैं जितनी बात कहूं कैलाश वर्गीय जो कहते हैं कि शाहरुख खान पाकिस्तानी है, आप देखिए की हिन्दी पिक्चरें जिन्होंने हिन्दी संस्कृति को बढ़ाने में सबसे ज्यादा योगदान दिया हो, किताबें ज्यादा लोग नहीं पढ़ते, आज पिक्चरें देखते हैं। लेकिन जिन्होंने संस्कृति हिन्दी पिक्चरों के माध्यम से दिया उसको

आप ये कहते हैं पाकिस्तानी है। तो उसको पाकिस्तानी मानेंगे जिन्होंने उनको लॉच किया। जानते हैं किसने किया था? हेमामालिनी जी ने। ये अनुपम खेर को मानेंगे जिन्होंने ज्यादातर पिक्चरों में उनके पिता का किरदार निभाया। आपको समझ में आती नहीं सर ज्यादातर बातें।

v/;{k egksn; % कन्क्ल्यूड करिए राजेश जी, प्लीज।

Jh jkts'k xqIrk % सर, ये एक बात कमाल की देखिए कि इस देश के अंदर बहुत शोर मचता है, कोई बयान नहीं देता। प्रधानमंत्री जी से कहा जाता है बयान दो। वो देते नहीं है लेकिन वो पाकिस्तान में जाके वहां की कैमरून साहब के सामने कहते हैं ये देश महात्मा बुद्ध व महात्मा गांधी का है। सर, ये बात कैमरून साहब को बताने की जरूरत नहीं है। ये बात आप अपने देश में आरएसएस को बताइये, अमित शाह जी को बताइये, कैलाश विजय वर्गीय जो को बताइये की ये देश महात्मा गौतम बुद्ध का है। आप जीत के आओगे नहीं, तीन रह जाओगे किस–किस के बारे में बात करूं!

v/;{k egksn; % एक सैकंड राजेश जी। समय का बहुत अभाव है कई सदस्यों ने बोलना है। इसको कन्क्ल्यूड करिए।

Jh jkts'k xqIrk % सर, ये कहते हैं कि हम गोड़से का बलिदान दिवस बनाएंगे। इन्हीं के आरएसएस के जानमाने साहब ये कहते हैं कि भई, ये गलत है। इस बात का हम विरोध करते हैं। सर, आप विरोधाभास की राजनीति भी करते हैं। ये इस बात पर जबरदस्त कन्फ्यूजन में रहते हैं के इन्होंने महात्मा गांधी की तरफदारी करनी या गोडसे की, इन्हें ये भी नहीं मालूम। ये इतने कन्फ्यूज हैं की जहां इनको फायदा मिले, जहां गांधी के नाम पे वोट मिले,

ले लो। सरदार पटेल के नाम पर आज वोट मिल रहे हैं, आज ले लो। सर, आज ये पटेल के नाम पे वोट मांगने लग गए। जिस सरदार पटेल ने आरएसएस को बैन कर दिया। उस सरदार पटेल के नाम पर वोट मांगेंगे, गांधी के नाम पे वोट मांगेंगे और जहां जरूरत पड़ेगी गोड़से के नाम पे वोट मांगेंगे। इनकी कोई विचारधार है ही नहीं। ये कहते हैं हमारी विचारधारा है।

v/;{k egkn; % राजेश जी, अब कन्क्ल्यूड करिए। बस प्लीज।

Jh jkts'k xqIrk % सर, सिर्फ ये कहना है मेरा ये किस किस्म की भाषा का इस्तेमाल करते हैं ना कोई भारतीय संस्कृति है, ना कोई भारतीय समाज की है ये सारी की सारी इनकी अपनी बनाई वोटों की राजनीति है जो आज माननीय सदस्यों के लिए इन्होंने शब्दों का इस्तेमाल किया, वो अपने आप में, मैं गारंटी देता हूं हिन्दी संस्कृति की किसी किताबों में, किसी शास्त्रों में अपने किसी दुश्मन के लिए नहीं की। जहां राजा राम रावण को मारने के बाद में उसके सामने हाथ जोड़ के पूछते हैं कि मुझे कुछ ज्ञान दो। विरोध में ये तो दुश्मन भी नहीं है।...(व्यवधान) ये देखिए फिर वही बात।

v/;{k egkn; % अब छोड़ दीजिए।

Jh jkts'k xqIrk % मैं अपनी बात को यहीं विराम देना चाहता हूं, बस ये कहना चाहता हूं कि हम लोग अपना सम्मान और अपनी सहनशीलता को बनाए रखें, इसी शब्द में बार–बार रुकावट आती है और ये सब ना हो बहुत ही शर्मनाक है और उन चुने हुए नेताओं को सोचना पड़ेगा,...(व्यवधान) शर्माजी बात तो खत्म करने दो।

v/;{k egkn; % शर्मा जी, मैं एक प्रार्थना कर रहा हूं हम जैसा व्यवहार

करेंगे एक सैंकंड अमानतुल्लाह जी, वैसा व्यवहार करेंगे वैसा उनको मिलेगा अगर हम...

Jh jkts'k xqIrk % कश्मीर में सरकार किसने बनाई है? आप लोग बनाते हो, हर किसी के साथ में। आप लोग बार—बार इल्जाम लगाते हो कि हमने कांग्रेस के साथ बना ली।

v/;{k egksn; % कन्क्ल्यूड करिए राजेश जी, जरा प्लीज।

Jh jkts'k xqIrk % अध्यक्ष जी, सदन को एक बात और बताना चाहता हूं, मैं नया—नया आया मैंने टिवटर को खोला की देखूं कौन—कौन नेता किस—किस को फोलो करते हैं, मनीष जी का खोला, अरविंद जी का खोला, कुमार भाई का खोला, संजय भाई जी का खोला और जब मोदी जी का खोला तो आप खुद जाके देखो, मुझे नाम लेने की जरूरत नहीं है एक बार जरा चैक कर लें किस—किस को फोलो करते हैं आपको अचम्भा होगा देश के जाने—माने गुंडे लोगों पर स्याही फेंकने वाले, वकीलों की पिटाई करने वाले, धरने देके झगड़े करने वाले, बसों में आग लगाने वाले, उन्हें वो फोलो करते हैं तो सर वो, जिन्हें वो फोलो कर रहे है, उन्हें ये फोलो कर रहे हैं, हम जिन्हें फोलो करते हैं वो देश के हीरो हैं। उनके पीछे पूरी दुनिया, जो देख रहे हैं कि देश का बदलाव कैसे हो और आप जिन्हें फोलो करते हो देश का नाम बदनाम कर रहे हैं, इस बात पर बात करना चाहूंगा आप अपनी बात पर माफी मांग लीजिए। आपका सम्मान बढ़ेगा, धन्यवाद।

...(व्यवधान)

v/;{k egksn; % नितिन जी, बहुत शॉर्ट में, देखिए ओमप्रकाश जी मैं

एक प्रार्थना कर रहा हूं आपको भी बोलने की बारी मिलने वाली है। जब, वो नहीं बोल रहे हैं आप अगर बोलोगे तो ये बोलेंगे। चलिए अब नितिन जी बोल रहे हैं आप शांति रखिए बीच में। ओमप्रकाश जी मेरी बात सुन लीजिए। नितिन जी को शांतिपूर्वक सुन लीजिए और बीच में मत टोका–टाकी करिए, चलिए नितिन जी।

Jh fufru R;kxh % माननीय अध्यक्ष महोदय थोड़ा–सा आजकल इन्टॉलरेन्स असहनशीलता के बारे में जो बातें चल रही है या जैसे एग्जाम्पल आ रहे हैं सामने उस पर थोड़ा बोलना चाहता था कि जब कोई मंत्री दलितों की तुलना कुत्ते से करता है तो ये इन्टॉलरेन्स है...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % नहीं विजेंद्र जी ये बात ठीक नहीं है इसमें ऐसा कुछ नहीं है, नहीं इन्होंने मंत्री का नाम नहीं लिया, और ये सर्वविदित है, नितिन जी, आप अपनी बात रखते रहिए प्लीज और शालीनता से रखिए।

Jh fufru R;kxh % जब देश का एक बड़ा नेता एक क्षेत्र विशेष के लोगों के डीएनए...

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % मंत्री जी का नाम बोले हैं! कौन से मंत्री जी का नाम बोला है? नितिन जी चलिए बोलिए।

Jh fufru R;kxh % जब लोग इन्टालरेन्स से परेशान हो के अपने अवॉर्डस सम्मान जो देश ने दिया था, उसको लौटाते हैं तो उनको एण्टी–नेशनल बोला जाता है, वो इन्टोलरेन्स होती है। जब रिटायर्ड ऑफिसर जो देश के लिए लड़ा है। वो अपना सम्मान लौटाता है, अपना मैडल लौटाता है, क्योंकि उसके साथ

धोखा हुआ है, उसे अनपैट्रयोटिक कहा जाता है, वो इन्टालरेन्स होती है। जब देश का एक बहुत बड़ा एक्टर जिसको इतने लोग फोलो करते हैं, जितने कि माननीय प्रधानमंत्री जी को भी नहीं करते, वो इन्टालरेन्स पर बोलता है तो उसको हाफिज सईद बताया जाता है वो इन्टालरेन्स होती है।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % ओमप्रकाश जी, अब ये ठीक नहीं है प्लीज, आप बोलिए नितिन जी।

Jh fufru R;kxh % हम लोग ऐसे समाज की ओर बढ़ते जा रहे हैं जब जो पार्टी या सरकार आज देश चला रही है, जो नेशनलिज्म को डेफाइन करने लगी है आज की तारीख में, जो हिन्दुइज्म को डेफाइन करने लगी है आज की तारीख में, उसको समझाने की कोशिश करते हैं कि सबको साथ लेकर चलना चाहिए तो उनको ये पाकिस्तानी कहते हैं। मुझे लोकसभा चुनाव से पहले का एक भाषण याद है माननीय प्रधानमंत्री जी का जिसमें एके–49 कहा गया था जिसमें पाकिस्तानी एजेंट बोला गया था ये इन्टालरेन्स है, सबको साथ लेके चलना है, हमारी सभ्यता हमेशा टालरेन्स में रही है, सेकुलरिज्म के ऊपर जो बात कही आज हम लोग एक–दूसरे की जाति में, धर्म में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। आज हम डिफाईन करें कि हम लोग कितने सुपीरियर हैं और दूसरा कितना इन्फीरियर है या हम गलत हैं या वो गलत है। हमारा धर्म इसीलिए अच्छा है कि या उनका धर्म इसीलिए गलत है। हमारी जीने की शैली है। हम किस तरीके से किसी को क्या खाता है, क्या पहनता है, क्या बात करता है इसके ऊपर कन्ट्रोल कर सकते हैं। ऐसे नहीं चलता हमारा देश और न हमारे देश में इस तरीके से कभी सभ्यता रही है। हमें इस चीज को बदलना पड़ेगा।

एक टिवटर पर या फेसबुक पर यदि कोई कमेन्ट आ जाता है किसी का कि कोई भी एक पार्टी विशेष का नेता गलत कर रहा है तो इतने उस पर कमेन्ट आते हैं और इतनी गालियां देते हैं कि और आज भी मैं भुगता हूं। जो हमारी विधान सभा में हुआ epitome of tolerance Mahatama Gandhi was compared with intolerance personified Mr. Ashok Singhal shame, shame It is actually shame, it is extremely unfortunate to say that debate today is now totally and completely or what is true Indian, what is true Indianness, what is nationalism which is being defined by radical in tolerant people we should live and let live and will try be live human, thank you.

v/;{k egkn; % श्री राजेन्द्र पाल गौतम।

Jh jktUn iky xkre % आदरणीय अध्यक्ष जी, आज हमारा देश जिस दिशा में बढ़ रहा है। जिस तरह इन्टॉलरेन्स हमारे देश में बढ़ रही है, उससे देश की एकता और अखण्डता को खतरा पैदा हो गया है। इतिहास गवाह है जहां–जहां इन्टॉलरेन्स बढ़ता है, जहां–जहां कट्टरपन बढ़ता है वहीं पर अशान्ति पैदा होती है। और जहां अशान्ति पैदा होता है, उस देश का विकास रुक जाता है। अध्यक्ष जी,

लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में।
लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में।
किन्तु कुछ लोग तरस नहीं खाते बस्तियां जलाने में।

ये दर्दनाक स्थिति हमारी देश की दशा लगभग धीरे–धीरे पाकिस्तान, अफगानिस्तान, सीरिया और ईराक जैसी होती जा रही है। अगर समय रहते हमने सबक नहीं सीखा, इन्टॉलरेन्स ज्यादा जहां बढ़ा है, जहां पर असहिष्णुता ज्यादा बढ़ी है, जहां

पर कट्टरपन ज्यादा बढ़ा है। वहां आये दिन बम ब्लास्ट और सैकड़ों हजारों लोग आये दिन मरते हैं। इस तरह की घटनाओं से हमे सबक सीखना चाहिए। कम–से–कम इतना तो हमे समझना चाहिए कि हम लोग इस देश के निवासी हैं और इस देश में कानून का शासन है। भारत के संविधान की अगर केवल प्रिएम्बल को पढ़ लिया जाए। हमारी प्रिएम्बल कहती है हम भारत के लोग भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, पंथ निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सबमें व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बन्धुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी संविधान सभा में आज 26 नवम्बर... अभी आने वाला है जिस दिन भारत के संविधान को हमने अंगीकार किया था। संविधान की जो प्रस्तावना है संविधान की पूरी आत्मा उसके अन्दर समायी हुई है। हमारे देश की संस्कृति उसके अन्दर समायी हुई है। अगर हम फन्डामेन्टल राइटस को पढ़ें तो हमें संविधान गारन्टी देता है। वो सभी धर्म के लोगों को, सभी जाति के लोगों को समान रूप से बढ़ने की आगे बढ़ने की, स्वतंत्रता प्रदान करता है और जहां कान्स्टीट्यूशन फण्डामेन्टल राइट देता है भारत के नागरिकों को, वहीं आर्टिकल 51 ए कुछ ड्यूटीज, फन्डामेन्टल ड्यूटीज भी देता है। अगर हम फण्डामेन्टल ड्यूटीज को पढ़ें तो हम देखेंगे कि पिछले कुछ दिनों में जिस प्रकार की घटनाएं देश में हुई हैं जैसे कि इन्टॉलरेन्स की घटनाएं, जैसे एम.एम. कलबुर्गी जी की हत्या अभी अगस्त, 2015 में कर्नाटक में हुई उसके बाद गोविन्द पंसारे जी की फरवरी, 2015 में हुई। दादरी में केवल इस सन्देह पर की मुहम्मद अखलॉक ने शायद गाय का मीट खाया है, केवल इस सन्देह मात्र पर एक बेकसूर व्यक्ति

की हत्या कर दी गयी। उसके बाद जम्मू कश्मीर में एक रयूमर की वजह से जाहिद बेग, जाहिद को मार दिया गया। मणिपुर में सरकारी स्कूल के हेड मास्टर थे, उन्होंने मदरसे के अन्दर एक काउ को थेप्ट किया। इस वजह से उनकी हत्या कर दी गयी और हरियाणा में सुनपेड़ के अन्दर एक परिवार के घर में आग लगा दी गयी जिसमें दो दलित बच्चे जलकर मर गये। उनकी माँ भी गम्भीर रूप से घायल हो गयी। पिता भी गम्भीर रूप से घायल हुए। दुख की बात तो ये है कि किसी जानवर की हत्या होती है, उसका विरोध करना अच्छी बात है, लेकिन अगर बेकसूर दलितों की आये दिन हत्या होती है उस पर तो जो विपक्षी दल केन्द्र में सत्ता में है, उनकी तरफ से संवेदनशीलता नजर नहीं आती। ये बड़े दुख की बात है। इस देश का दलित जिन्होंने इस देश के निर्माण में अपनी भूमिका निभायी है, क्या वो इन्सान नहीं है? क्या उनको बराबरी का हक नहीं है? क्या सबके समान तरीके से रहने का हक नहीं है? उनकी हत्याओं पर वो संवेदनशीलता क्यों नजर नहीं आती? ये बड़े दुख की बात है। हमें अगर अपने देश को एकजुट रखना है, अपने देश को आगे बढ़ाना है तो उसके लिए आपस में भाईचारा, कम्यूनल हार्मोनी, एक दूसरे की जाति में हार्मोनी चूंकि ऊपर वाले ने पैदा करते वक्त जाति और धर्म नहीं बनायी। ऊपर वाले ने तो केवल हमें इन्सान के तौर पर पैदा किया है। जाति और धर्म का निर्माण तो इन्सान ने किया है। हमें इस बात को समझना चाहिए कि उन देशों का विकास ज्यादा होता है, जहां ज्यादा शान्ति है और जहां–जहां अशान्ति बढ़ी है, जहां–जहां कट्टरपन बढ़ा है, जहां–जहां असहिष्णुता बढ़ी है, उन सब देशों का उदाहरण हमारे सामने है। वो देश तबाह हो चुके हैं। वहां आये दिन सैकड़ों लोग मरते हैं। तो अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से ये कहना चाहूंगा सदन के बीच कि

हम सब मिल के पूरे देशवासियों को मिल के असहिष्णुता के खिलाफ आवाज बुलन्द करनी चाहिए। ऐसे लोगों को कन्डेम करना चाहिए और किसी भी प्रकार की सपोर्ट ऐसे लोगों को नहीं करनी चाहिए जो देश को तोड़ने की बात करते हैं और सबसे ज्यादा दुख की बात तो ये है कि पिछले दिनों जिस तरह की घटनाएं बढ़ी हैं।

v/;{k egkn; % गौतम जी, अब कल्क्लूड करें। समय देखिये जरा।

Jh jktUnz iky xkSre % थोड़ा सा मेरा दो लाईन का रह गया है। सिर्फ दो मिनट के लिए। हम जो एम.एल.ए. हैं हमारे देश के जो एम.पी. हैं। जब हम लोग जीत के आते हैं सरकार का गठन होता है। हम लोग संविधान की शपथ लेते हैं और शपथ लेते हुए हम ये शपथ लेते हैं कि हम संविधान के खिलाफ कोई काम नहीं करेंगे। लेकिन आज हमारे जो नेतागण हैं, जो एम.पी. हैं जैसे एक्जाम्पल के तौर पर साक्षी महराज, संगीत सोम, कर्नाटका से चन्दबसप्पा, साध्वी प्राची। इस तरह के और भी अनगिनत कई सारे नाम हैं। इनकी स्टेटमेन्ट को देखके...

v/;{k egkn; % गौतम जी कन्क्ल्यूड करिए प्लीज। आपने बहुत अच्छा विषय रखा था और अब विषय से भटक रहे हैं। कन्क्ल्यूड करिए। अब कन्क्ल्यूड करिए इसको अब।

Jh jktUnz iky xkSre % मैं विषय पर ही हूं ये असहिष्णुता अच्छी नहीं है देश के लिए। जो लीडर्स भारत के संविधान की शपथ लेते हैं, उन्हें भारत के संविधान का पालन करना चाहिए। हम सब लोग उससे बंधे हैं। ऐसे लोगों की तो सदस्यता समाप्त कर देनी चाहिए। बहुत–बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी।

v/;{k egkn; % श्री विजेन्द्र गुप्ता जी।

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष जी, आज सदन में एक ऐसे विषय पर चर्चा की जा रही है जिसमें विषय की गंभीरता पर कम और राजनीति पर ज्यादा ध्यान दे रही है। मुझे इस बात की खुशी है कि अभी प्रधानमंत्री जी ने जब देश से बाहर हिन्दुस्तान की व्याख्या की तो उन्होंने कहा कि अगर हिन्दुस्तान को जानना है तो अलवर के इमरान खान को जानिए। अगर हिन्दुस्तान को जानना है तो बीवीपुर हरियाणा के सरपंच सुई जागलान को जानें और इस देश के अन्दर अगर इनटोलरेंस के तीन बड़े एग्जाम्पल पहला इमरजेंसी जब लागू की गयी थी तो इनटोलरेंस का सबसे बड़ा उदाहरण है। दूसरा 1984 के अन्दर जब बेकसूरों की हत्या की गयी तो इनटोलरेन्स का दूसरा बड़ा उदाहरण था और आज...

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % ये इसके बाद उत्तर देना है सब लोग नोट कर रहे हैं अमानतुल्लाह जी, वो उत्तर देंगे सब चिंता न करें।

Jh fotUn xIrk % और आज इस सदन के अन्दर शोक प्रस्ताव पर जिस तरह की राजनीति हुई यह इनटोलरेंस का तीसरा बड़ा उदाहरण बन गया। जिस तरह की भाषा का यहां प्रयोग किया गया। मेरे पास शब्द नहीं है कि मुझे उससे कितनी तकलीफ और दुख हुआ है। अगर राजनीतिक...

v/;{k egkn; % देखिए इनटोलरेंस पर चर्चा चल रही है, हमको टोलरेंस दिखाना चाहिए। थोड़ा उसके बाद उत्तर देंगे सब तरीके से।

Jh fotUn xIrk % अगर राजनीतिक मत भिन्नता है, अगर राजनीतिक आचारिक दृष्टिकोण से भिन्नता है

...(व्यवधान)

v/;{k egksn; % आप बैठिए, आप बैठिए प्लीज। वो सब कार्यवाही से निकाल दिया, आप बैठिए। भई राजेश जी। ओम प्रकाश जी ये ठीक नहीं है, विजेन्द्र जी आप रोकिए, अगर ये आतंकवादी शब्द दोबारा इस्तेमाल करेंगे सदस्य के लिए नहीं, नहीं, आप कह रहे हैं। आप बार बार कर रहे हैं मैं कह रहा हूं, आपने पहले भी इस्तेमाल किया पर यह ठीक नहीं है तरीका। चलिए बैठिए। ...(व्यवधान) राजेश जी बैठ जाइए प्लीज। राखी जी बैठिए, राखी जी, ये ठीक नहीं है बैठिए प्लीज। ओमप्रकाश जी आप थोड़ी देर शांत हो जाइए सब ठीक हो जायेगा। आप पिन मारते हो अननेसेसरी मैं रोक रहा हूं सबको। आप बैठिए, बैठिए प्लीज सोमनाथ जी। आप न खड़े हों आप बैठ जाइए। राखी जी बैठ जाइए। मैं आग्रह कर रहा हूं बैठ जाइए विजेन्द्र जी, अरे भई, समय बर्बाद हो रहा है। आप समझिए। जिनको उत्तर देना है वो सारा रह जाएगा आप बैठिए, झा साहब, बैठिए प्लीज। अब कोई नहीं बोलेगा। त्रिपाठी जी, बैठ जाइए अब नहीं बोलिए मेरा आग्रह है। उनको बोलने दीजिए जो बोलना चाह रहे हैं। आपके लोग उत्तर देंगे।

Jh fotsUnz xqIrk % अध्यक्ष जी, वैचारिक भिन्नता हमारी राजनीतिक भिन्नता हो सकती है लेकिन मुझे गर्व व स्वाभिमान है अपने संविधान पर अनेकता में एकता का संदेश देता है। सर्वधर्म संभाव का संदेश देता है और टोलरेंस की पराकाष्ठा भी मेरे संविधान के अन्दर है, मेरे देश के संविधान के अन्दर। लेकिन असहिष्णुता का एक इतना बड़ा नजारा इस सदन में बार–बार देखने को मिलता है। इससे तकलीफ होती है। आप विपक्ष के चन्द शब्दों को सुनने को भी आप में कुछ मिनट आप लोग एक घंटा बोलते हैं, हम हाल ही 5 या 7 मिनट बोलते हैं लेकिन...

v/;{k egkn; % आप अपने विषय को ठीक से रखिए ना जी। आप छोड़ दीजिए।

...(व्यवधान)

Jh fotUn xIrk % ये क्या हो रहा है अध्यक्ष जी अब ये मीडिया को टारगेट कर रहे हैं। अब मीडिया से असहिष्णुता, विपक्ष से असहिष्णुता, व्यापारिक मतभेद पर असहिष्णुता...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % राजेश जी, ये ठीक नहीं है व्यवहार। ये व्यवहार जो हो रहा है। ठीक नहीं है। ऐसे नहीं चल सकता सदन। नहीं आप बैठ जाइए, मुझे ठीक नहीं लग रहा है...(व्यवधान) अलका जी, सोमनाथ जी, यादव जी। देखिए विजेन्द्र जी थोड़े से हम भी टीस होते है हम पिन मारेंगे, ये बोलेंगे। हम क्यों पिन मार रहे हैं? मैं बता रहा हूं अभी। मैंने शांत किया था बड़ी मुश्किल से। बैठिए सब अमानतुल्लाह जी, बैठिए प्लीज।...(व्यवधान) ओम प्रकाश जी, ये व्यवहार ठीक नहीं आपका...(व्यवधान) अब कोई सदस्य नहीं बोलेगा।

v/;{k egkn; % मैं माननीय सदस्यों से अनुरोध कर रहा हूं व्यवधान...

v/;{k egkn; % आप बैठ जाइए। ओमप्रकाश जी बैठ जाइए प्लीज। देखिए मैं बार–बार प्रार्थना कर रहा हूं इस सदन की मर्यादा को बनाएँ। ठीक ढंग से बनाएँ इतना गम्भीर विषय चल रहा है। पूरा देश आज चिन्तित है। देश ही नहीं पूरा विश्व और हम इस मुद्दे को जिस ढंग से ले रहे हैं व्यक्ति गत तौर पर वो ठीक नहीं है। विजेन्द्र जी मेरी आपसे प्रार्थना है आप बहुत गम्भीर बोल सकते है। बोलना जानते हैं। आप व्यक्तिगत तौर पर आपने उसे विषय को डायलूट किया फिर से मैं उसको नहीं छेड़ना चाह रहा। आप अपना कन्टिन्यू करें। करिए कन्टिन्यू प्लीज।

Jh fotUn xIrk % अध्यक्ष जी, ये देश अब विकास के रास्ते पर चल चुका है। इस सरकार का और देश की सरकार का एक ही एजेण्डा है।

v/;{k egkn; % भई दिल्ली भी तो इस देश में आती है। दिल्ली देश में नहीं आती क्या? अब हल्का को गया वातावरण हंस लिए हम थोड़ा सा। चलिए। (व्यवधान)...अमानतुल्लाह जी।

Jh fotUn xIrk % देश विकास के रास्ते पर चल चुका है और ये दुनिया ने मान लिया है कि हिन्दुस्तान की शख्सियत अब उसको और ज्यादा देर दबा कर रखा नहीं जा सकता। लेकिन ये बात सही है व्यवधान...

v/;{k egkn; % बीच में कोई टोके, टीका टिप्पणी न करे। ये मुझे ठीक नहीं लग रहा।

Jh fotUn xIrk % विकास होगा या देश विकास के रास्ते पर चलेगा तो कुछ लोगों को तकलीफ होगी। क्योकि उनकी राजनीतिक रोटियां और उनकी राजनीति सिर्फ और सिर्फ वोटों की और लाशों की पोलटिक्स पर टिकी हुई है। इसलिए वो चाहते है वो इसलिए चाहते हैं।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % भई, देखिए, बहुत टीका टिप्पणी हो रही है मुझे रोकना बड़ा कठिन हो जाएगा।

Jh fotUn xIrk % साथियो, मैं अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से सभी साथियो से कहना चाहता हूं कि वो समझ ले कि इस देश के अन्दर लॉ एंड आर्डर देखने का काम प्रदेश सरकारों का है और जिस भी प्रदेश के अन्दर इस प्रकार की लॉ एंड आर्डर की समस्या है और वो उसको रोकने में, समझने में, सुलझाने

में असफल हैं उसके लिए सीधे तौर पर उस प्रदेश की सरकार ही जिम्मेदार है। व्यवधान...

Jh fotUn xIrk % अपनी राजनीति रोटियां सेंकने के लिए अपने जनाधार को बड़ा करने के लिए कितनी भी साम्प्रदायिकता फैलाने की कोशिश आप करें, लेकिन ये देश इस बात का गवाह है सदियों हजारों हजारों वर्ष से ये देश सेकुलरिज्म का एक बड़ा उदाहरण है पूरी दुनिया के सामने और यहां का सेकुलरिज्म हमेशा जिन्दा रहेगा और जो लोग इस पर राजनीतिक रोटियां रोकने की कोशिश कर रहे हैं, इसकी सहिष्णुता पर प्रश्न पर उठाने की कोशिश कर रहे, उनको वक्त जवाब देगा। (व्यवधान)... मैं उन तमाम राजनीतिक दलों की कड़े शब्दों में निन्दा करना चाहता हूं, जो इस देश की सहिष्णुता पर प्रश्न उठाना चाहते हैं। मुझे गर्व है अपने देश की सहिष्णुता पर और मुझे गर्व है और मुझे गर्व है अपनी पार्टी पर और मुझे गर्व है भारत की सरकार पर। धन्यवाद

v/;{k egkn; % जरनैल सिंह जी (राजौरी गार्डन) अब जरा शान्तिपूर्वक रहिए।

Jh tjuy flg ¼राजौरी गार्डन½ % अध्यक्ष जी, ये विषय बेहत गम्भीर है और मुझे इस बात की खुशी है कि दिल्ली की विधान सभा देश में बढ़ती हुई असहिष्णुता के ऊपर चर्चा कर रही है। इससे पहले ही देश की संसद इस पर चर्चा करे, दिल्ली की विधान सभा चर्चा कर रही है। मैं बधाई देता हूं। मुझे याद आ रहा है गुरू नानक साहब का गुरुपर्व आने वाला है। उनके सामने सवाल आया :

^^dgr iN.k [kky fdrkc u] fgUn oMk fd eLyeukb]
ckck vk[k fgtkb;k 'kHk veyk cktk nkuk jkb**

जिस व्यक्ति ने जीवन में शुभ कर्म नहीं किये जिसने इंसान को इंसान नहीं माना, वो दोनो रोएंगे। तो बात कर्मों की है :

^^lCc lk>h oky lnk;.k dk, u fnLl ckgjk ftvk]
uk dk cjh ukgh fcxkuk lxy l?k gedk cu vkb]
u dk ejk n'keu jgk u ge fdldk cjkb]
^^voy vYgk uj vk ik;k dnjr d lc cUn]
,d uj r lc tx mit;k dk.k HkYy dk enA**

;g fgUnLrku dh lLÑfrA ;g fgUnLrku dk fl)krA
;uku] fel] jkek feV x, tgk l]
dN ckr g fd gLrh feVrh ugh gekjhA

विजेन्द्र जी, बहुत गम्भीरता से हमें विचार करना पड़ेगा। हमारे पड़ोस में एक घटना हुई गाय का मांस था कि नहीं था, बाद में आया कि नहीं था। एक बच्चे की जान चली गई। केन्द्र के मंत्री जाते हैं। कहते है नहीं–नहीं, ये तो इसके लिए ये उत्तरदायी है, और कल मैंने देखा किसी व्यक्ति ने कितनी असहिष्णुता उसके अन्दर कि उसके परिवार को जो मुआवजा मिला, उसके खिलाफ वो कोर्ट चला गया। कहते है कि उनको मुआवजा नहीं देना चाहिए। असहनशीलता बढ़ती जा रही है और जिस तरह से कोई व्यक्ति अपना विचार रखता है तो कह देते है कि पाकिस्तान भेज दो। अरविन्द केजरीवाल को पाकिस्तान भेज दो, ये शाहरूख खान को पाकिस्तान भेज दो। इस देश का बटवारा जिसका दंश हमने झेला है। गुरू नानक साहब का जन्म स्थान पाकिस्तान में रह गया। एक पाकिस्तान बन गया और कितने पाकिस्तान बनाएंगे हम? हम कितना बांटेंगे लोगों को? किस–किस को बांटेंगे हम लोग?

v/;{k egkn; % ओम प्रकाश जी, अब तो शान्त रहिए आप।

Jh tjuy flg (राजौरी गार्डन) : अभी कहते है बिहार के अन्दर पाकिस्तान में पटाखे बजे। मुझे लगता है कि शायद मोदी साहब ने यह मान लिया है कि दुबारा आना नहीं और नवाज शरीफ को बुलाना नहीं। तो इस लिए सबको पाकिस्तान भेज दो। अब कितनों को पाकिस्तान भेजोगे आप? ये सच्चाई है। मेरे मित्र गौतम जी ने कहा। अब पाकिस्तान का हाल तो देखो। ये सब हो गया कट्टरता से। धार्मिक कट्टरता से। अफगानिस्तान का हाल देखो, क्या हाल हो गया। इरान का, ईराक का, सीरिया का, बांगलादेश का क्या हाल हो गया।

हिन्दुस्तान आज विफल, असफल हो चुके राष्ट्रों से घिरा हुआ एक देश है, जिसे आगे बढ़ना है। जिसे चीन से भी मुकाबला करना है, जिसे अमेरिका से भी आगे जाना है। हमें देश को विकास की राह पर लाना पड़ेगा, आर्थिक विकास की दर पर ध्यान देना पड़ेगा। अगर 25 साल विकास की दर आगे बढ़ेगी तो हम आगे बढ़ेंगे। हरियाणा में दलितों को मार कर हम आगे नहीं बढ़ने वाले हैं। हम भूल गये कि हमें जाना किस ओर है, लेकिन कुछ हमें समझ में नहीं आ रहा है। कभी गिरीश कर्नाड के पीछे पड़ जाते हैं, कभी किसी के पीछे पड़ जाते हैं। अभी सदन में बताया, जिनकी हत्याएं कर दी गई। ये देश कैसा बने। गुप्ता जी ने कहा कि मैं सहमत हूँ कि ये देश अनेकता में एकता का प्रतीक है। लेकिन इस पर इम्पलीमैन्ट भी करें ना। आप ही के नेता हैं। जब मैं राजौरी गार्डन से इलैक्शन लड़ रहा था जो आप ही कि एक नेता हैं साध्वी प्रज्ञा...कहती हैं कि जो मानते हैं, वे राम जादे बाकी सब हराम जादे। ये बोला था कि नहीं बोला था? क्या आप उसका विरोध करते हैं कि नहीं करते हैं? क्या आप उसकी निन्दा करते हैं कि नहीं करते हैं। इस तरह के बयान आते हैं। आप कहते हैं कि विकास...मैं कहता हूँ कि सरकार सफल हो।

मेरे बच्चों के लिए भी होगा। हम सिर्फ राजनैतिक विरोध करने के लिए ये नहीं कह सकते कि देश पीछे चला जाये। मैं कहता हूँ कि मोदी की सरकार विकास करे। करे तो सही। लेकिन जो उसकी आड़ में एजेन्डा चल रहा है, या तो वे मान लें कि हमारे कंट्रोल में नहीं है। या तो वे मान लें कि हमारे एमपी हमारे कण्ट्रोल में नहीं हैं। कितने नाम गिना दिये आपके सामने। कोई क्या बोलता है, कोई क्या बोलता है। देश में आग लगाने का काम मत करो, समय बहुत कम है। मैं एक बात और कहना चाहता हूँ जो खास तौर पर गंभीर है कि पिछले कुछ दिनों में, जो पंजाब में आपकी सरकार चल रही है। अकाली दल और बीजेपी की और बहुत गंभीर स्थिति उत्पन्न होती जा रही है। वहाँ पर श्री गुरु ग्रंथ साहब ही बेइज्जती के मामले आये हैं। उनके पन्नों को जिनमें पन्द्रह भगत हैं इस देश के, जिसमें बाबा फरीद की वाणी है, जिसमें नामदेव की वाणी है। जिसमें सूरदास जी की वाणी है जिसके अंदर चार ब्राह्मण भक्तों की भी वाणी है, उनके पन्नों को फेंका, साजिश चल रही है। कुछ दिनों बाद रामायण के पन्ने फेंकेंगे, होगा ये कि कुछ दिनों बाद बाइबिल और कुरान के फेंके जायेंगे। हमारे देश के जो विरोधी हैं। लेकिन अफसोस आपकी जो सरकार है, वहां पर उसने जो लोग इसका विरोध कर रहे थे, उन पर गोलियां चलाईं और दो बच्चों को शहीद कर दिया। उसके बाद जो माहौल बन रहा है। वहां पर गांव गांव के अंदर आपके जत्थेदारों और अकालियों का लोगों ने घुसना बंद कर दिया है। लेकिन हालात के गलत इस्तेमाल किए जा सकते हैं। मैं फिर कह देता हूँ कि ये आग और जगह भी भड़काई जा सकती है। असहिष्णुता को आप कंट्रोल कीजिए। आप केन्द्र में बैठ हैं, लॉ एण्ड ऑर्डर आपके हाथ में है। मैं फिर आपसे कहता हूँ कि दिल्ली में लॉ एण्ड ऑर्डर हमें दे दीजिए फिर देखिए क्या होता है। हम करके दिखायेंगे आपको। हम आपको धार्मिक सहिष्णुता की मिसाल बनाकर दिखायेंगे, आपको हिन्दू, मुस्लिम, सिख ईसाई सब

एक प्लेटफार्म पर खड़े होकर दिखायेंगे।...आपके ही नेता जब आग लगाते हैं। आप जब थोड़ा आत्म चिंतन करेंगे न विजेन्द्र जी, तो आपको पता लग जायेगा कि गलती कहां पर है और कौन कर रहा है, कौन बयान दे रहा है और क्या–क्या कर रहा है। ये आपको मालूम है, बताने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन मैं आपकी मजबूरी को समझता हूँ।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % विजेन्द्र जी, कृपया बीच में न बोलें। जरनैल जी, आप शुरू रखिए।

Jh tjuly flg % अध्यक्ष महोदय, खास तौर पर मैं ये कहना चाहता हूं कि जिस तरफ देश जा रहा है, जिस तरह का माहौल उत्पन्न हो रहा है। उससे खास तौर से माइनॉरिटी में एक भय और आतंक का माहौल पैदा होता है और जो राष्ट्र विरोधी ताकतें हैं, वे लोगों को गुमराह करते हैं, वे इन हालातों का फायदा उठाते हैं। कभी ये हालात पंजाब में देखे हैं, कभी ये हालात आसाम में देखे हैं और कभी ये हालत कश्मीर में देखें हैं। हमारे घर में बहुत समस्याएं हैं। अब और समस्याएं पैदा मत करो।

v/;{k egkn; % जरनैल सिंह जी, कन्क्ल्यूड कीजिए प्लीज।

Jh tjuly flg % अध्यक्ष महोदय, इतना कहते हुए आखिरी में परमात्मा से विनती करता हूँ कि मोदी जो को और उनके जितने भी मुँहफट्ट, कट्टर और साम्प्रदायिक जितने भी नेता हैं, परमात्मा उनको सदबुद्धि दे, सदबुद्धि दे।

v/;{k egkn; % सुश्री भावना गौड़ जी।

l|Jh Hkkouk xkM+ ½ शुक्रिया अध्यक्ष महोदय, बहुत गहरा विषय। लेकिन, दुर्भाग्य शायद हमारा, आपका और यहां सदन में बैठे सारे लोगों का, इस सदन के बाहर भी जितने लोग हैं, उनका भी और शायद आने वीली पीढ़ी का भी। ये देश जिसे दुनिया भर में वसुधैव कुटुम्बकम से जाना जाता था, वहां अगर आज हम चर्चा कर रहे हैं तो असहिष्णुतता जैसे विषय को लेकर कर रहे हैं। अपने आप में यह गंभीर विषय है। जो शब्द भारतीय डिक्श्नरी के अंदर कभी होता ही नहीं था, जाति बिरादरी से अलग हटकर संस्कारों की बात करने वाला ये देश, परम्पराओं और सभ्यताओं की बात करने वाला ये देश, आज हम कहाँ आकर के खड़े हो गये हैं। ये विचार अगर आज हमें करना पड़ेगा तो सबसे पहले हमें स्वयं से ये विचार करना पड़ेगा। ये वो सब चीजें हैं उन मुद्दों के ऊपर हम आज बहस कर रहे हैं जो हमारी अपनी बनाई हुई है। जब परमात्मा किसी भी एक शिशु को इस पृथ्वी पर भेजता है तो उसे बहुत कुछ प्रकृति से हरा–भरा देता है लेकिन जब यहां आकर जो सब तरह के ये गड़बड़ घोटालों और जिस तरह का वातावरण दूषित हो गया है, उस दूषित वातावरण को करने के लिए अगर कोई सबसे ज्यादा जिम्मेवार है तो हम स्वयं हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपको यह बताना चाहूँगी कि भारत एक उदार लोकतांत्रिक देश है, जिसका शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व पर भरोसा है। इन तीनों जाति, नस्ल और धर्म के आधार पर बहुत सारी घटनाएं हिंदुस्तान के अंदर घट रही है और इनका इस्तेमाल केवल और केवल राजनैतिक फायदे के लिए किया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, देश को सुपर पॉवर बनाने के लिए सबके अंदर सहिष्णुता का एक भाव होना अपने आप में बहुत ज्यादा जरूरी है। हमारे आदरणीय न्यायाधीश टी.एस. ठाकुर जो सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश हैं उन्होंने भी इस बात

को माना कि मैं संविधान का छात्र हूँ लेकिन हममें केवल विवेकशीलता की जरूरत है, ऐसा नहीं है। हम सभी सहिष्णु हों इस बात की भी आवश्यकता है। आज देश में जो कुछ भी हो रहा है वो अपने आप में बहुत दुखद है। लेखकों, वैज्ञानिकों, कलाकारों के बाद में रिजर्व बैंक के गवर्नर रघुराम राजन और मेघनाथ देसाई जैसे अर्थशास्त्रियों ने भी बढ़ती हुई असहिष्णुता के ऊपर अपनी चिंता जताई है। यहां तक कि विख्यात पत्रकार और बहुत बड़े राजनेता अरुण शौरी जी ने भी इस बात की चिंता जताई है और उन्हें लगता है कि प्रधानमंत्री जी का इन सब मुद्दों के ऊपर मौन होना, यह अपने आप में, वो किसलिए नजरअंदाज कर रहे हैं, यह प्रश्न स्वयं वो उसी पार्टी के हैं, लेकिन उन्होंने भी यह प्रश्न प्रधानमंत्री जी से किए हैं। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं केन्द्र सरकार में बैठे हुए जितने भी लोग आज बहुत संयम की बात करते हैं या गम्भीरता की बात करते हैं मुझे ऐसा लगता है कि यह केवल और केवल मात्र एक दिखावा है। ऐसा लगता है कि सभी घटनाएं समाज में जितनी भी घटित हो रही हैं प्रि—प्लान हो रही हैं। पंजाब को बिगाड़ा जा रहा है, आज वहां घर—घर में बच्चों को नशे का आदि बनाया जा रहा है इन सब चीजों के पीछे एक रूपरेखा...

v/;{k egkn; % भावना जी, कन्क्ल्यूड कीजिए।

lJh Hkkouk xkM+ % अध्यक्ष महोदय, पांच मिनट।

v/;{k egkn; % बाहर कार्यक्रम है। एकदम कन्क्ल्यूड कीजिए प्लीज।

lJh Hkkouk xkM+ % अध्यक्ष महोदय, ऐसा लगता है कि ये सभी घटनाएं समाज को बांटने के लिए एक सोची—समझी साजिश है। दक्षिणपंथी और वामपंथी दोनों ही संगठन अपने वैचारिक विरोध को हिंसा के माध्यम से खत्म कर देंगे,

ऐसा उन्हें जायज लगता है। माना कि प्रोफेसर कलबुर्गी, गोविंद पनसरे की हत्या या दादरी में मोहम्मद अखलाक को पीट–पीट कर मार डालने वाली घटनाएं अपवाद हो सकती हैं। वी.के. सिंह जी का एक बयान, दलितों के दो बच्चे जिनको जिंदा जला दिया गया उनके लिए भी उन्होंने गालीनुमा शब्द का उपयोग किया। इस सदन की मर्यादा को देखते हुए मैं उस शब्द का तो इस्तेमाल नहीं करूंगी यहां पर क्योंकि आप सभी जानते हैं कि किन शब्दों का इस्तेमाल किया गया। भारतीय लोकतंत्र के इतने बड़े मंदिर जिसमें केन्द्र सरकार के चुने हुए लोग बैठते हैं, वो इस तरह का शब्द इस्तेमाल करेंगे तो स्वाभाविक तौर पर हमारा देश किस दिशा में जाएगा, यह अपने आप में एक बहुत बड़ा प्रश्न है।

v/;{k egkn; % भावना जी, कन्क्लूड कीजिए।

l|Jh Hkkouk xkM % अध्यक्ष महोदय, एक पैराग्राफ और है।

v/;{k egkn; % बहुत लम्बा हो रहा है।

l|Jh Hkkouk xkM % अध्यक्ष महोदय, किसी भी राजनीतिक दल का विरोध तो सभी राजनीतिक पार्टियां शायद अपनी–अपनी रोटियां सेकने के लिए कर सकती हैं लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि सारे प्रतिष्ठित लेखक, कलाकार, वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री अपने किसी स्वार्थ की वजह से ऐसा कर रहे हैं। इस समय बहुत सारे संगठन और नेताओं की अतिरिक्त सक्रियता और बयानबाजी ने देश में ऐसा माहौल बना दिया है कि सारी दुनिया में भारत की छवि खराब हो रही है। जब हम दुनिया में अपनपे आर्थिक विकास और उपलब्धियों का प्रचार करते हैं कभी कथित गौहत्या को लेकर एक व्यक्ति की हत्या, सारे प्रचार के ऊपर पानी फेर देती है। भारत हमेशा से ही बहुलतावादी देश रहा है असहिष्णुता का माहौल तभी खत्म होगा जब समाज की सारी ताकतें मिलकर के एक स्वर में

जोरदार तरीके से इन सब चीजों का विरोध करेंगी और मैं अपनी सरकार के हमारे मंत्री जी यहां बैठे हैं उनके माध्यम से और आपके माध्यम से ये बात मुख्यमंत्री जी को उप–मुख्यमंत्री जी को पहुँचवाना चाहूँगी कि वो अभी सरकार में हैं। अपने राजनैतिक पद का, उसकी गरिमा का इस्तेमाल करते हुए और अपने नैतिकता के आधार पर वो प्रधानमंत्री जी को पत्र लिखें कि इस तरह की बातें कम से कम हिन्दुस्तान में रहने वाला आम आदमी बर्दाश्त नहीं करेगा, बहुत–बहुत धन्यवाद।

v/;{k egkn; ¼ श्री अमानतुल्लाह जी, बहुत संक्षेप में, प्लीज।

Jh vekurqYykg [kku ¼ अध्यक्ष जी मैं आपका बहुत शुक्रिया अदा करता हूँ। अध्यक्ष जी जो आज पूरे मुल्क के अंदर माहौल है, आज हर कोई अपने आप को ये समझता है कि मैं इस मुल्क के अंदर महफूज नहीं हूँ। खासतौर से माइनोरिटी तबका। जब मुल्क आजाद हुआ था 15 अगस्त 1947 को, उससे पहले आजादी की एक बहुत लंबी लड़ाई चली थी। 1857 का गदर हुआ। उसके बाद मुस्तकिल एक जद्दोजहद हुई और उसमें कोई ये नहीं देखता था कि मैं हिन्दू हूँ, मुसलमान हूँ, या सिख हूँ वो सिर्फ ये देखता था कि मैं एक हिन्दुस्तानी हूँ और हिन्दुस्तानी होने के नाते उन लोगों ने इस लड़ाई को लड़ा और इस मुल्क को आजाद कराया। अगर उस वक्त में मजहब की बुनियाद पर फसाद की बुनियाद पर जाति की बुनियाद पर अगर लड़ाई लड़ी होती तो शायद आज हम आजाद नहीं होते। अगर हम आजाद हुए हैं तो सबके साथ से आजाद हुए हैं। कोई आदमी हिन्दुस्तान का ये नहीं कह सकता तवारीख पढ़ने वाला कि इस मुल्क में सिखों ने या मुसलमाननों ने या हिन्दुओं ने किसी ने कम या किसी ने ज्यादा हिस्सा लिया, सबने बराबर हिस्सा लिया। जिसकी जो

तादाद थी, जिसकी जो क्षमता थी, उसने उसको पूरा किया और इस मुल्क की आजादी में सबका हिस्सा था जिससे आज हम आजाद हुए हैं।

1992 का में जिक्र करूँगा कि उसमें बाबरी मस्जिद शहीद हुई। उस वक्त में जब बाबरी मस्जिद शहीद हुई तो बीजेपी के बड़े–बड़े लीडर उसकी सहादत में शामिल थे। वीएचपी के बड़े–बड़े लीडर, आरएसएस के विश्व हिन्दू परिषद के बड़े लीडर उसके अंदर मौजूद थे। बाबरी मस्जिद को शहीद किया गया। उसके बाद पूरे हिन्दुस्तान में 1992 में फसाद हुआ। मुम्बई में 1993 में फसाद हुआ उसके बाद मुम्बई के अंदर बम बलास्ट हुआ जिसमें याकूब मेमन को पिछले दिनों आरोपी मानकर सजा दे दी गई। हम कतई तौर पर ये नहीं कहते कि याकूब मेमन को आपने गलत सजा दी लेकिन कहना सिर्फ इतना सा है कि 1992 में जिन लोगों ने कत्लेआम किया। जिन लोगों ने बाबरी मस्जिद को शहीद किया। श्री कृष्णा आयोग बना और उसने ये कहा महाराष्ट्र के अंदर कि अगर 1992 में बाबरी मस्जिद शहीद नहीं हुई होती तो, 1992 का फसाद नहीं हुआ होता, तो 1993 का ब्लास्ट नहीं होता। आपने 1993 में जो ब्लास्ट करने वाला था उसको आपने फाँसी दे दी तो 1992 में जिन लोगों ने बाबरी मस्जिद को शहीद किया, जिन लोगों ने 1992 में सड़कों पर कत्लेआम किया, तीन हजार से ज्यादा अकेले महाराष्ट्र के अंदर कत्ल किये गये, उनको आपने सजा दी। श्री कृष्णा आयोग ने ये भी कहा कि बीजेपी, आरएसएस, शिवसेना के लोग उनके बड़े–बड़े लीडर जमा हुए और उन लोगों ने अपनी पाटी के कार्यकर्त्ताओं को जमा किया और जमा करने के बाद इस बात पर तैयार किया कि तुम कत्लेआम करो, मुसलमानों को काट डालो और उन लोगों ने उनको काटा। उन्होंने कहा कि इनका पूरी तौर पर मुल्लविश होने का उनका पूरी तौर पर शामिल होने का।

...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % वो किसी का नाम नहीं ले रहे। ठीक है कोई बात नहीं। श्री अमानुतुल्लाह जी।

Jh vekurYykg [kku % श्री कृष्णा आयोग की रिपोर्ट के अंदर यह कहा गया...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % ये आयोग की रिपोर्ट का हवाला दे रहे हैं पूरा।

Jh fotUn xIrk % ये कौन सी रिपोर्ट ऐसी है?

v/;{k egkn; % कृष्णा आयोग की रिपोर्ट है। चलिये, अमानुतुल्लाह जी ...(व्यवधान)

v/;{k egkn; % ओमप्रकाश जी बैठिए–बैठिए। बोलिये अमानुतुल्लाह जी।

Jh vekurYykg [kku % 1984 के अंदर, दंगे नहीं कहूँगा मैं कत्लेआम कहूँगा। दिल्ली की सड़कों के ऊपर कत्लेआम हुआ। 1984 में दंगा करने वाले सड़कों पर खुले आम घूम रहे हैं। आज भी ये भी देख लें वीएचपी के जिनका आज ये जिक्र कर रहे हैं श्रद्धांजलि का, उनका भी इन्वाल्वमेन्ट है, उसके बाद 2002 के दंगे हुए गुजरात के अंदर बीजेपी की सरकार थी और सरकार की जिम्मेदारी थी दंगों को रोका जाए। 3000 बेकसूर लोगों को कत्ल किया गया। कत्ल करने वाले आज कहां बैठे हैं ये सब हमको मालूम है। मेरा सिर्फ कहना इतना सा है कि जब एक फसाद करने वाले या झगड़ा करने वाले को, आप कोई छोटा सा केस होता है 323/341/307/302 आप जेल के अंदर डाल

देते हो। जो पूरे खानदान को कत्ल करने वाले उसकी पूरी संपत्ति को कत्ल करने वाले, पूरे मुल्क को बांटने वाले, पूरे समाज को बांटने वाले अगर इन लोगों को सही वक्त में सजा हुई होती तो आज ये हालात पैदा नहीं होते। आज ये लोग खुले आम अभी मुजफ्फरनगर में फसाद हुआ, फसादी उन लोगों में मौजूद थे, कुछ उसके अंदर एमपी भी मौजूद थे, एमएलए भी मौजूद थे उनको मिनिस्टर बना दिया गया। तो कत्ले आम करने वालों को, फसाद कराने वालों को, आप उनके ओहदों को बधाई दे रहे हैं, उनको तरक्की दे के तो ये फसाद रोकेंगे नहीं, फसादी चाहे कोई भी हो, किसी भी आहेदे पर बैठा हो। आप जब तक उसके जुर्म की सजा नहीं दोगे तब तक ये फसाद का सिलसिला नहीं रुकेगा, ये जो आप माहौल बना रहे हैं, ये माहौल ठीक नहीं होगा, इस मुल्क को अगर आजाद किया है तो उसके अंदर, आज जिस तरह से इन्होंने मुझे आतंकवादी कहा इनसे हमारे विधायकों ने माफी मांगने के लिए कहा लेकिन इन्होंने वो नहीं मांगी। लेकिन मैं अपने तौर पर इनका साथी होने के नाते मैं इनको माफ करने के लिए तैयार हूं। मैं अपनी इस बात को खत्म करता हूं, शुक्रिया, धन्यवाद।

v/;{k egkn; % देखिए इससे पहले कि मंत्री महोदय बोले मैं एक बात कहना चाहता हूं सभी माननीय सदस्यों से (व्यवधान) जरनैल जी आप बहुत गम्भीर व्यक्ति हैं, अभी अंत में जिन तीन सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया जरनैल सिंह ने बिना किसी का नाम लिए अपनी बात को बहुत सुंदर ढंग से पेश किया है, बहुत अच्छा लगा वो मन की गइराईयों को छूकर गई हैं। उसी ढंग से भावना जी ने भी किसी का नाम ना लिए हुए सब घटनाओं का जिक्र किया अच्छा कोट किया। इसी ढंग से अमानतुल्लाह जी ने भी कोई किसी व्यक्ति

का नाम नहीं लिया इसीलिए केवल उनको यहां बुलवाया था। अपनी बात रखें नाम ना लें और उन्होंने भी उस बात का पालन करके अपनी बात रखी है। मैं बहुत–बहुत बधाई दे रहा हूं, और कपिल मिश्रा जी से अनुरोध कर रहा हूं कि वे बहुत संक्षेप में उत्तर दें आज की बहस का।

i;Vu ,o ty e=h ¼Jh dfiy feJk½ % धन्यवाद अध्यक्ष महोदय सबसे पहले तो मैं इस सदन को बधाई देना चहूंगा कि इतने गम्भीर विषय पर चर्चा करने का निर्णय लिया गया और शुरूआत में मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि

u efLtn dh ckr gks] u f'koky;k dh ckr gksA
u efLtn dh ckr gks] u f'koky;k dh ckr gksA
ykx Hkw[ks gSa igys fuokyk dh ckr gksA
ykx Hkw[ks gSa igys fuokyk dh ckr gksA

देश में आज ये चर्चा करने की जरूरत क्यों पड़ी? जब शाहरूख खान, हाफिज सईद बन जाए और प्रकाश सिंह बादल, नेल्सन मंडेला बन जाए तो फिर लगता है कि देश में कहीं कुछ गड़बड़ हो रही है। चर्चा करने जी जरूरत हो जाती है।

v/;{k egksn; % भई, ये टोका–टिप्पणी बन्द कीजिए।

Jh dfiy feJk % दलाई लामा जी ने कुछ कहा है कुछ दिनों पहले। दलाई लामा जी ने एक बात कही और दलाई लामा जी ने बड़ी गहराई से

ये बात कही। उनकी बात तो दुनिया सुनती है। जब वो बोलते हैं। उन्होंने ये कहा कि इस देश का मेजोरिटी जो वर्ग है वो हिंसा को, इनटालरेन्स को बर्दाश्त नहीं करेगा, ये साबित हो गया है। बहुत बड़ी बात उन्होंने बोली है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मुझे बहुत अच्छा लगा गुप्ता जी ने बात बोली। हजारों वर्षों से हमारा देश सेक्यूलर है। बहुत ही अच्छा लगा सुनकर। लेकिन से बात भी है कि एक तरफ दलाई लामा है और एक तरफ दफलाई लामा है। दलाई लामा और दफलाई लामा। दलाई लामा कुछ बोल रहे हैं और दफलाई लामा के भक्तों को बहुत बुरा लग रहा है। उनको ये भी कहना बुरा लग रहा है कि इस देश में लोग शान्तिप्रिय हैं। इस बात की भी निन्दा शुरू कर दी दलाई लामा जी की। मुझे लगता है थोड़ा सा गम्भीरता से सोचने की जरूरत है। आज राजनीति, राजनीति तो करते ही रहेंगे कभी न कभी आगे–पीछे। लेकिन आज ये सोचने की जरूरत है कि आखिर ऐसा क्यों है। क्यों एफ.टी.आई.आई. के स्टूडेन्ट धरने पर बैठे हैं। वो प्रोटेस्ट कर रहे हैं। लेकिन उनको तक भी देशद्रोही, पाकिस्तानी इस तरह से नवाजा जा रहा है कि जैसे सरकार के खिलाफ बोलना ही देशद्रोह हो गया हो। तो अगर गलती से कोई ये बोल दे कि सरकार कुछ गलत कर रही है तो पाकिस्तानी और देशद्रोही बना दिया जाता है। इसको गतल माना जाता है। कोई भी ये नहीं कहता है कि ये देश इनटालरेन्ट है। देश सहिष्णु है लेकिन कुछ चन्द लोग, गलती से वो चन्द लोग शायद ताकत वाले जगहों पर बैठ गये हैं। उनके हाथ में डिसीजन लेने की ताकत आ गयी है लेकिन वो मानते हैं कि उनके खिलाफ बोलना ही देश के खिलाफ बोलना है। अपने आप को देश समझ लिया। जो उनके खिलाफ बोले वो देशद्रोही। जे.एन.यू को,

जे.एन.यू से अच्छे–अच्छे बहुत बड़े–बड़े लोग निकले हैं प्रोफेसर निकले हैं, विचारक निकले हैं। जिन्होंने समाज को दिशा दी है। विचारा धारा से ये हो सकता है कि आपको विचारधारा पसन्द न हों लेकिन जे.एन.यू. को फांसीवाद का गढ़ और वो भी सत्ताधारी दल के लोग बोले तो ऐसा लगता है कि अब छात्रों तक के बोलने की आजादी पर अब शिकंजा कस देना चाहते हैं। अभी केरला हाउस, केरला हाउस में क्या हुआ? केरला हाउस में दिल्ली की पुलिस घुस गयी और ऐसी घुसी जैसे वहां पर आतंकवादी बैठे हुए हों। चारों तरफ से घेर लिया, पूरी बटालियन ले के पहुंच गये, छापा मारना शुरू कर दिया। किचन की तलाशी हो रही है। मेन्यू की तलाशी हो रही है। ऐसा लगता है दिल्ली में दिल्ली पुलिस के पास एक ही काम रह गया है कि कोई क्या खा रहा है और क्या पका रहा है। बस यही ढूंढने का एक काम रह गया है और किसकी शिकायत पर? एक ऐसे व्यक्ति की शिकायत पर जो माना जाता है कि एक साम्प्रदायिक संगठन का हिस्सा है। संगठन का नाम है श्रीराम सेना। श्रीराम सेना, शिव सेना, बजरंग सेना, हिन्दू सेना। एक देश की कितनी सेना। आज कर्नल शहीद हुए हैं कश्मीर में। एक सेना तो वो है जो देश की रक्षा के लिए शहादत दे रही है, कुर्बानी दे रही है और ये इतनी सारी सेना है जो देश को तोड़ने में लगी हैं रात–दिन। अब पुलिस भी सुन रही है उन्हीं की। मुझे लगता है ये नहीं होना चाहिए। इसमें बदलाव की जरूरत है। ये तो आप भी मानेंगे साहब। दादरी में क्या हुआ? दादरी में अखलॉक का फ्रिज खोल के वहां तो गो मांस रखा है, कहकर उसको जान से मार दिया गया। उसके परिवार के सदस्य हिन्दुस्तान की एयर फोर्स में सेवा करते हैं। अपनी जान की बाजी लगाकर देश की सेवा कर रहे हैं।

जिसको आपने गो–मांस खाने के नाम पर आपने मार डाला। मार डाला। (व्यवधान)...। आप मानते हो अभी तो भाजपा है। मोदी कुछ बोले ही नहीं। क्यों परेशान हो रहे हो? मैं ये कहना चाहता हूं साहब, ये पूरा का पूरा शर्मा जी मेरी बात सुनो मैं आपका छोटा भाई हूं। सुनो तो सही। सुनो, बुरा क्यों लगा दादरी में जो हुआ, आपने कहा कि राज्य का मुद्दा है। लॉ एण्ड ऑर्डर राज्य सरकार देखेंगीं। बिल्कुल सही बात है राज्य सरकार को देखना चाहिए लेकिन बुरा क्या लगा? देश के प्रधानमंत्री ने उस पर मुंह ही नहीं खोला। किसी ने कहा, उन्होंने कहा – प्रधानमंत्री का बोलना जरूरी थोड़े न है। व्यवधान। साहब सुनो तो सही।

v/;{k egkn; % ओमप्रकाश जी, आप हर बात को दूसरे ढंग से लेते हैं। सुनिये।

(व्यवधान)...

v/;{k egkn; % नितिन जी प्लीज। हाँ।

Jh dfiy feJk % सर, मैं ये कहना चाह रहा हूं कि कोई होनोलूलू का मेयर भी उसका भी बर्थ डे होता है तो पी.एम. ट्वीट कर देते हैं नरेन्द्र मोदी जी हैप्पी बर्थ डे। लेकिन दादरी के ऊपर मुंह खोलने से पता नहीं क्यों चुप बैठे हुए हैं? मैं ये कहना चाहता हूं कि इसलिए चिन्ता बनी है, उस मुद्दे पर चर्चा इसलिए हुई क्योंकि देश के प्रधानमंत्री बिल्कुल चुप हो गये और बिल्कुल बोलना बन्द कर दिया और बोला किसने जाकर? वहां पर एक ऐसे व्यक्ति पहुंच गये, जिनके ऊपर दंगा करने का मामला चल रहा है। वो वहां पर जाते हैं

और वहां पर बोलते हैं कि गो हत्या पर बात नहीं करेंगे। बाद में अगले दिन पता लगता है उनका खुद का बूचड़खाना चलता है। ऐसे व्यक्ति को उन्होंने वहां पर धर्म का, साम्प्रदायिकता का प्रतीक बनाकर भेज दिया। उसकी कीमत चुकानी पड़ी इनको। उसकी कीमत चुकायी है चुनाव में। लेकिन मुझे ये लगता है कि केवल राजनीति के तौर पर इन मुद्दों को न देखें। आज बहुत बड़ा बवाल वहां कर्नाटक में मचाया जा रहा है टीपू सुल्तान के नाम पर कि टीपू सुल्तान की जयन्ती होनी चाहिए कि नहीं होनी चाहिए। मुझे नहीं पता कि टीपू सुल्तान ने क्या किया और क्या नहीं किया। सुन तो लीजिए साहब। लेकिन अंग्रेजों ने क्या किया, ये तो सबको पता है। अभी 1947 में आजाद हुए हैं। जब अंग्रेजों की महारानी के यहां दरी की तरह बिछ गये माननीय प्रधानमंत्री जी। तो टीपू सुल्तान पर क्या बोल रहे हैं? आपको इतिहास की अगर बात देखनी है। सुनिए।

Jh vk-ih- 'keki % ओमप्रकाश जी, क्यों बार–बार आप? व्यवधान।

Jh dfiy feJk % मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि देश चलाने के लिए जरूरी नहीं है कि आपकी छाती कितनी बड़ी है, छप्पन इन्च की छाती है कि एक सौ आठ इन्च की छाती है। देश चलाने के लिए छाती बड़ी होनी जरूरी नहीं है साहब, देश चलाने के लिए दिल बड़ा होना चाहिए। थोड़ा सा दिल बड़ा करें, थोड़ा सा दिमाग को खोलें। जिस दिशा में लेके जा रहे हैं, वहां न लेके जाएं इस देश को। लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे लेकिन उसकी कीमत बड़ी न चुकानी पड़ जाए। मैं बस इतना ही कहना चाहता हूं। भारत माता के नाम पर एक हो जायें। किसी भी हिन्दू को, मुसलमान को, सिक्ख को, ईसाई

को किसी पर भी हाथ लगता है तो वो हिन्दुस्तानी के ऊपर हाथ लगता है। आज हमारे जो सैनिक वहां शहीद हो रहे हैं उनके बारे में देखो। इनटालरेन्ट हैं, इनटालरेन्ट हैं आतंकवाद के खिलाफ इनटालरेन्ट हैं। एक बात आज सुबह प्रस्ताव रखा गया कि फ्रांस के पेरिस में हमलों में के मारे गए नागरिकों के बारे में जो प्रस्ताव रखा गया कुछ बोलने का मन था। मेरा ये बोलने का मन था कि फ्रांस में हमला हुआ। आज फ्रांस के एयरफोर्स, सीरिया में आई.एस. के आतंकवादी अड्डों को नेस्तानबूद करने में लगी हुई है दो दिन के अन्दर उन्होंने हमला कर दिया है वहां पर लेकिन मैं ये कहना चाहता हूं कि ये इनटालरेन्स भारत में क्यों नहीं है? हमारे कर्नल शहीद हो रहे है, हमारे सैनिक शहीद हो रहे हैं लेकिन आप आम भेज देते हो, साड़ी भेज देते हो। सारी दोस्ती निभा देते हो। वहां पर आपकी इनटालरेन्स नहीं आती है। आतंकवाद के खिलाफ इनटालरेन्ट बनिए। करप्शन के खिलाफ इनटालरेन्ट बनिए लेकिन अपने देश के नागरिकों के खिलाफ इनटालरेन्ट मत बनिए। थोड़ा सा दिल बड़ा कीजिए, दिमाग को खोलकर चलिए और मेरी बात तो बुरी नहीं लगनी चाहिए। मैं तो वही कह रहा हूं जो इस देश की भलाई की बातें हैं।

अन्त में, केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि इस देश को कमजोर करने वाला अभी कोई पैदा नहीं हुआ है। कोशिश ना ही करें तो अच्छा है वरना देशवासी जवाब देगा जैसा अभी आठ तारीख को जवाब दिया था। थैंक्यू।

v/;{k egkn; ½ कोई बात नहीं है। फिर दे देंगे। कपिल जी ने जो बात रखी है। मैं उसमें एक बात जोड़ रहा हूं। विजेन्द्र जी, जो मुद्दा टीपू सुल्तान

का उन्होंने उठाया है कांग्रेस ने, कर्नाटका में उनकी गवर्नमेन्ट है। दो सौ वर्ष में कभी उनका जन्मदिन नहीं मनाया गया। पहली बार उन्होंने ये मनाने का प्रयास किया। ये किसी हद तक ठीक नहीं हुआ। ये मेरा अपना विचार है लेकिन उसके ऊपर एक सेकेण्ड, पूरी बात सुन लीजिए, पूरी बात सुन लीजिए मेरी। उसके बाद जिस ढंग से वो एक विषय कांग्रेस लेके चल रही थी और उसको इनटालरेन्स में परिवर्तित कर दिया। वहां प्रदर्शन करके, मारपीट करके, आग लगाकर, पूरे कर्नाटका में तीन दिन का बन्द। दो लोग मारे गये। ये इन्टालरेन्स पैदा हो गयी और वो जो मुद्दा कर्नाटक तक एक दिन के लिए सीमित था वो पन्द्रह दिन तक अखबारों में छाया रहा। जिन लोगों ने ये किया वो इन्टालरेन्स है। वो असहनीय है। ये रिएक्शन जो हुआ है, वो बहुत गलत हुआ है। पूरे भारत में छाया रहा। मैं विजेन्द्र जी से ये प्रार्थना कर रहा हूं ये चीजें जो है, यही देश को तोड़ती हैं और तोड़ रही हैं।

सदन की कार्यवाही आज स्थगित करने से पहले मैं माननीय सदस्यों से, मीडिया के बन्धुओं से सबसे प्रार्थना कर रहा हूं अभी जैसे हमने एक पूरी दिल्ली में सौहार्द का वातावरण बना है, रोजा इफ्तार की पार्टी रखी थी। आज उसी ढंग से दीपावली का पर्व अभी गया है, कल छठ पूजा का पर्व था और 25 को गुरू पर्व आने वाला है गुरूनानक जी की जयन्ती का पर्व आने वाला है। इन तीनों पर्वों को ध्यान में रखते हुए आज एक बहुत अच्छा कार्यक्रम यहां रखा गया है। मेरी सबसे प्रार्थना है उस कार्यक्रम में हम सम्मिलित होंगे और दो घण्टे का ये रंगारंग कार्यक्रम रहेगा। माननीय मुख्यमंत्री जी दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का आरम्भ करेंगे और फिर ठीक आठ बजे भोजन है। अन्त के पन्द्रह–बीस

मिनट गुरुवाणी का पाठ भी होगा। तो मेरी प्रार्थना है हम सब लोग सम्मिलित हों। अब सदन की कार्यवाही 20 नवम्बर, 2015 को अपराह्न 2:00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है। बहुत–बहुत धन्यवाद।

¼lnu dh dk;Zokgh 20 uoEcj] 2015 dks vijkg~u
2%00 cts rd ds fy, LFkfxr dh xbZA½

विषय सूची

l=&2 Hkkx ¼1½ c/kokj] 18 uoEcj] 2015@27 dkfrd 1937 vd&15

Øl-	fo"k;	i"B l-
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1–2
2.	शोक संवेदना	3–6
3.	अध्यक्ष महोदय द्वारा व्यवस्था	7–24
4.	तारांकित प्रश्नों के मौखिक	25–59
5.	तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	59–101
6.	अतरांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर 102–116	
7.	सदन पटल पर प्रस्तुत कागजात	117
8.	विशेष उल्लेख (नियम–280)	117–134
9.	अल्पकालिक चर्चा	134–197
	(1) दिल्ली में अनाधिकृत कालोनियों की स्थिति पर	
	(2) देश में बढ़ती असहिष्णुता पर	